Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
# शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 11 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-101

## म्यांमार में बंधक बने पांच सौ इंजीनियरों की रिहाई पर चुप्पी!

# बंधक इंजीनियरों से बर्बरता की हदें पार

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** म्यांमार में बंधक बने पांच सौ से अधिक इंजीनियरों और कम्प्यूटर एक्सपर्ट्स को छुड़ाने के लिए भारत सरकार उस तरह सक्रिय नहीं है जैसे युक्रेन, कतर या अन्य में देशों में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए किया गया।

म्यांमार में बंधक बना कर भारतीय इंजीनियरों से साइबर फ्रॉड और दूसरे ऑनलाइन अपराध कराए जा रहे हैं। उनसे जानवरों की तरह काम लिया जा रहा है और बिजली के करंट से काबू में रखा जाता है। तीन भारतीय इंजीनियरों ने अपनी त्रासदी का वीडियो बड़ी मुश्किलों से जान बचा कर भेजा है। उनके परिवार के लोगों को यह नहीं पता कि वीडियो लीक करने के बाद वे जिंदा भी हैं या नहीं। तीनों इंजीनियर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार से उन इंजीनियरों की रिहाई के लिए गुहार तो लगाई गई है, लेकिन अभी सत्ता के अलमबरदार चुनाव में व्यस्त हैं।

उत्तर प्रदेश के रहने वाले तीन इंजीनियर दोस्तों का दर्दनाक वीडियो प्राप्त हुआ है, जिन्हें म्यांमार में बंधक बना रखा गया है। अजीब बात यह है कि एक इंजीनियर को छोड़ने के नाम पर उसके परिवार से 8.14 लाख फिरौती भी वसूली जा चुकी है। फिरौती की रकम ट्रांसफर होने के बाद से इंजीनियर से परिजनों का

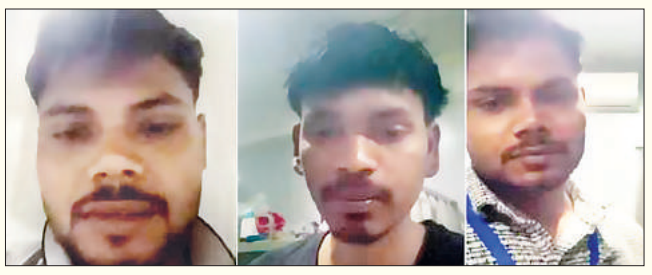

**बंधक इंजीनियरों से जबरन करा रहे हैं साइबर क्राइम**

**18 से 20 घंटे ले रहे हैं काम, देते हैं इलेक्ट्रिक शॉक**

**यूपी के तीन इंजीनियरों ने भेजा यातना का वीडियो**

**साइबर क्राइम सिंडिकेट में चीन और म्यामांर शामिल**

संपर्क नहीं हो पा रहा है। उसके भाई ने लखनऊ के डालीगंज स्थित एंटी ह्यूमेन ट्रैफिकिंग यूनिट थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में उसके दोस्त और मलेशिया का एक एजेंट नामजद आरोपी है। इसके बावजूद पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। प्रदेश सरकार का संजीदा प्रशासन नेताओं की तीमारदारी में लगा है। जबकि म्यांमार में यूपी के बंधक बने इंजीनियरों को भीषण यातनाएं दी जा रही हैं। वीडियो में ही इंजीनियरों ने बताया कि उनके जैसे पांच सौ से अधिक इंजीनियर विभिन्न ठिकानों पर बंधक हैं, जो नौकरी के लिए मलेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर जैसे दक्षिण एशियाई देशों में गए थे और वहां से म्यांमार भेज दिए गए। लखनऊ में गुडंबा आधारखेड़ा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर ▶9पर

### बंधुआ बनाए गए भारतीयों में कई महिलाएं भी

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** विदेश मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने यह स्वीकार किया कि करीब 300 से 500 भारतीय म्यांमार में फंसे हुए हैं। इनमें कुछ महिलाएं भी हैं। म्यांमार से बच कर निकले इंजीनियर स्टीफन ने बताया है कि डायना नामक एक एजेंट ने दुबई के जरिए थाईलैंड में ग्राफिक डिजाइनर की नौकरी की पेशकश की थी। एजेंट को 2 लाख रुपए कमीशन देने की बात तय हुई थी। स्टीफन पहले थाईलैंड गया। बैंकॉक पहुंचने के बाद उसे छह अन्य भारतीय युवकों के साथ पश्चिमी थाईलैंड के एक शहर माई सॉट ले जाया गया, जो म्यांमार के साथ सीमा साझा करता है। लगभग 400 किमी की यात्रा करने के बाद आधी रात को वे वहा पहुंचे। फिर उन्हें एक ट्रक पर बिठा नदी के किनारे ले जाया गया और वहां से नावों से ले जाया गया। वे जहां पहुंचे, वहां सेना की वर्दी में हथियारबंद लोगों ने तस्वीरें खींचीं, पासपोर्ट जब्त किए और एक परिसर में ले जाया गया जहां बड़ी-बड़ी इमारतें बन रही थीं। वहीं पर उनसे काम कराया जाने लगा। उनके कार्यस्थल पर न केवल भारतीय बल्कि रूस, थाईलैंड, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान के भी लोग थे। वहां 60 प्रतिशत कर्मचारी और प्रबंधक चीनी थे। ▶9पर

## संसद और राम मंदिर की सुरक्षा में नहीं रहेगी सीआरपीएफ

# सुरक्षा चुनौतियों के बीच चल रहा है बड़ा 'खेल'

**शुभ लाभ ब्यूरो**
**नई दिल्ली, 10 अप्रैल।**

संसद भवन और अयोध्या स्थित राम मंदिर को सुरक्षित रखने वाले सीआरपीएफ जांबाजों को सुरक्षा ड्यूटी से क्यों हटाया जा रहा है? संवेदनशील सुरक्षा चुनौतियों के बीच कोई बड़ा 'खेल' चल रहा है। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के साथ किए गए ऐसे सलूक को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। भाजपा के नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य आरके सिन्हा की सुरक्षा एजेंसी एसआईएस को राम मंदिर की सुरक्षा का विशाल ठेका दिए जाने पर भी गंभीर सवाल उठे, लेकिन राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से इसे लेकर कुछ नहीं कहा गया।

**सबसे बड़े अर्धसैनिक बल से हुए ऐसे सलूक पर उठे गंभीर सवाल**

**राम मंदिर की सुरक्षा का ठेका भाजपा नेता की एजेंसी को मिला!**

संसद भवन की सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ में पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप (पीडीजी) गठित किया गया था। अब कहा जा रहा है कि संसद भवन की सुरक्षा से पीडीजी को हटाकर, सीआईएसएफ को वहां की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जा रही है। यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दो माह के भीतर यह प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। पीडीजी को सीआरपीएफ की वीआईपी सिक्योरिटी विंग में शिफ्ट किया जाएगा। इसी तरह अयोध्या स्थित राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ विंग को भी वापस बुलाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ▶9पर

### भाजपा नेता की एजेंसी कर रही राम मंदिर की हिफाजत

**लखनऊ, 10 अप्रैल (ब्यूरो)।** राम मंदिर की सुरक्षा में प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी एसआईएस को बड़ा ठेका कैसे मिल गया, इसे लेकर गंभीर सवाल उठे, लेकिन उन सवालों को योगी और मोदी सरकार दोनों ने दबा दिया।

भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद रहे आरके सिन्हा प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी एसआईएस के मालिक हैं। स्पष्ट है कि एसआईएस को राम मंदिर जैसे संवेदनशील स्थान की सुरक्षा बंदोबस्त का ठेका कैसे मिला होगा।

## प. बंगाल के बालुरघाट में टीएमसी पर बरसे अमित शाह

# वोट के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ करा रही हैं ममता

**महिला सीएम हैं, फिर भी संदेशखाली जैसी शर्मनाक घटना हुई**

**सीएए पर भ्रम में न रहें, सभी शरणार्थियों को नागरिकता देंगे**

**बालुरघाट, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल में वोट की खातिर बांग्लादेशियों की घुसपैठ करा रही हैं। ममता बनर्जी के होते हुए बंगाल में घुसपैठ कभी नहीं रुक सकती। ▶9पर

### बारूद के ढेर पर बैठा है बंगाल: दिलीप घोष

**कोलकाता, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

पश्चिम बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने कहा कि बंगाल बारूद के ढेर पर बैठा है और यहां कभी भी हालात बिगड़ सकते हैं। दिलीप घोष ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में देश विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक करने की जरूरत है। भाजपा नेता ने टीएमसी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया। दिलीप घोष ने कहा कि बंगाल में आर्थिक घोटालों और आतंकी मॉड्यूल में गहरा संबंध है। घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है, जहां कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। यहां जो घटनाएं घट रही हैं, वो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। राज्य में बम बनाने की फैक्ट्रियां चल रही हैं और आतंकी मॉड्यूल से पता चलता है कि राज्य घुसपैठियों और देश विरोधी तत्वों के लिए सुरक्षित जगह बन गया है। दिलीप घोष ने राज्य के सीमाई इलाकों में जनसांख्यिकी बदलाव को लेकर ▶9पर

## उत्तराखंड के अखबार को दिए साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा

# देवभूमि के हित से कांग्रेस का कभी वास्ता नहीं रहा

**उत्तराखंड के गांवों से पलायन चिंताजनक है**

**हम देवभूमि का चहुंमुखी विकास कर रहे हैं**

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद को देवभूमि का सेवक बताते हुए कहा कि दशकों तक पहाड़ों, खासकर उत्तराखंड की उपेक्षा हुई। कांग्रेस की सरकारों का देवभूमि के हित से कभी कोई वास्ता न रहा। उनके लिए उत्तराखंड सिर्फ फोटो खिंचवाने की जगह रह गई थी। ऐसा नहीं है कि पहले देश के पास संसाधनों की कमी थी या सामर्थ्य नहीं था। मगर, कमी थी तो सत्ता में बैठे लोगों के विजन और इच्छाशक्ति में। पीएम मोदी ने उत्तराखंड के अखबार को दिए साक्षात्कार में यह बात कही।

सुंदर और अकूत प्राकृतिक संपदा वाले उत्तराखंड में गांव

खाली हो रहे हैं। नई पीढ़ी पहाड़ में रहना नहीं चाहती। पलायन नहीं रुक रहा है। उनके सुरक्षित भविष्य के लिए केंद्र की योजना के बारे में पूछे गए सवाल पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैंने अध्यात्म के एक जिज्ञासु के रूप में और बाद में भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काफी समय उत्तराखंड में बिताया है। मैंने यहां के लोगों के साथ पहाड़ की समस्याओं को जिया है। इसलिए, उत्तराखंड को लेकर मेरा दृष्टिकोण बहुत संवेदनशील है। जहां तक पहाड़ की परेशानियों का प्रश्न है, ये एक दिन में पैदा हुईं समस्याएं नहीं हैं। दशकों तक पहाड़ों की उपेक्षा हुई है। कांग्रेस सरकारों के लिए उत्तराखंड सिर्फ फोटो खिंचवाने की जगह रह गई थी, इसलिए यहां के लोगों को अलग राज्य की मांग करनी पड़ी थी। अटलजी के समय भाजपा सरकार ने इस सोच के साथ अलग उत्तराखंड राज्य बनाया था कि यहां विकास पर फोकस होगा। लेकिन, उसके बाद केंद्र में काफी समय कांग्रेस की सरकार रही, राज्य में भी कांग्रेस बीच-बीच में आती रही। ▶9पर

### नारी शक्ति का वंदन, सिखों का अभिनंदन

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला शक्ति को नमन करते हुए महिला सम्मान के प्रति समर्पण भाव को और मजबूत किया। उन्होंने राम मंदिर के जरिए आस्था की बात की और विश्व पटल पर भारत के बढ़ती चमक-दमक की चर्चा कर देश की सुरक्षा, प्रगति से समझौता न करने का संदेश भी दिया। मोदी ने सिख बहुल तराई क्षेत्र में सिखों की शौर्य गाथा सुनाते हुए उनके उत्थान के लिए किए गए सरकार के कामों का उल्लेख किया। मजबूत इरादों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह के शौर्य को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हम बचपन से सुनते आए हैं सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोविंद सिंह नाम कहाऊं। यह बोल भारत की वीर परंपरा के प्रतीक हैं। ये बोल दिखाते हैं कि लक्ष्य कितना ही कठिन क्यों न हो, भारत अगर ठान लेता है, तो सफलता हासिल करके रहता है। आज इसी प्रेरणा से, ऊर्जा से हम लोग विकसित भारत के संकल्प पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के विचार के केंद्र में नारी शक्ति, सिख, राम मंदिर, सीएए, गन्ना किसान और विकसित भारत रहे। पीएम मोदी ने सीएए पर विपक्षी दलों के विरोध को अनौचित्यपूर्ण कहा और उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में रहने वाले बंगाली परिवारों को नागरिकता देने की गारंटी दी।

### कार्टून कॉर्नर

### शेयर मार्केट

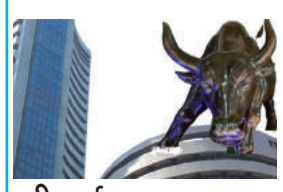

बीएसई : 74,683.70
-58.80 -0.08% ↓
एनएसई :22,642.75
-23.55 (-0.1%) ↓

### सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,030/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 84,685/-
(प्रति किलोग्राम)

### मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 24°

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

## चुनाव आया तो नेताओं में मची है उड़न-खटोले की छीना-झपटी

# ढेर सारे नेता और महज 60 हेलीकॉप्टर..!

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

भारतीय लोकतंत्र भी अजीब है। यहां नेता आसमान में उड़ते हैं और वोट जमीन पर घिसटने वाले लोगों से हासिल करते हैं। आसमान में उड़ते हैं और जमीनी जुमले उछालते हैं। अभी लोकसभा चुनाव होने वाले हैं तो सारे नेता आधुनिक उड़न खटोले की तलाश में हैं। सत्ता में रहते हैं तो सरकारी धन पर हवाई-ड्यूटी करते ही रहते हैं। चुनाव के समय हेलीकॉप्टरों की बड़ी मांग है और मारामारी भी है। महज 60 से 70 हेलीकॉप्टरों पर छीना झपटी मची है।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर देशभर में धुआंधार प्रचार अभियान शुरू हो गया है। राजनीतिक पार्टियों ने गांवों और दूरदराज के इलाकों में जाने के लिए आधुनिक उड़न खटोला यानी हेलीकॉप्टर बुक कराना शुरू कर दिया है। लेकिन इसमें अंधाधुंध पैसा खर्च हो रहा है। हेलीकॉप्टर किराये में पिछले छह महीनों में 15-20 फीसदी की वृद्धि हुई है। अधिकांश हेलीकॉप्टर पहले ही बुक हो गए हैं। भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दल हेलीकॉप्टर का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं। सिंगल-इंजन वाले हेलीकॉप्टर का किराया लगभग 1,500 रुपए प्रति मिनट है, जबकि दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर का किराया लगभग लगभग 3,000 रुपए प्रति मिनट है। ज्यादातर बुकिंग

**254 चार्टर हेलीकॉप्टर हैं, लेकिन चुनाव के लिए केवल 60-70**

राजधानी दिल्ली से ही हो रही है।

भारत में चार्टर फ्लाइट के व्यवसाय से जुड़े लोगों का कहना है कि पर्सनल जेट की मांग बीते एक-डेढ़ साल से एक जैसी बनी हुई है। इस कारण से इनकी कीमतों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन देश में अभी भी कमर्शियल एयरलाइन सेवाएं मजबूत हैं। चुनावी मौसम में बड़े शहरों में जाने के लिए नेता आज भी कमर्शियल उड़ानों का उपयोग करते हैं। इस दौरान उन्हें सफर के दौरान आम लोगों से मिलने-जुलने का भी मौका भी मिल जाता है। पिछले छह माह से हेलीकॉप्टर के किराए में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है। हेलीकॉप्टर के किराए में यह तेजी इसलिए है, क्योंकि इन दिनों में भारत में चार्टर हेलीकॉप्टर की डिमांड पहले के मुकाबले बढ़ी है। देश में ट्विन इंजन वाले हेलीकॉप्टरों की कमी है। इसलिए चुनावी मौसम में हेलीकॉप्टरों की मांग ज्यादा नजर आ रही है। इससे उनके रेट पर प्रीमियम बढ़ गया है।

हेलीकॉप्टर उद्योग के लिए काम करने वाली रोटरी विंग सोसाइटी ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्तमान में लगभग 254 चार्टर हेलीकॉप्टर हैं। इन 254 हेलीकॉप्टरों में से 190 हेलीकॉप्टर सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यों, डिफेंस ऑपरेशन, कॉर्पोरेट वेंचर्स और ऑफशोर मिशनों के लिए आवंटित किए गए हैं। इससे भारतीय चुनावी मौसम के लिए लगभग 60-70 हेलीकॉप्टर ही ▶9पर

# हेपेटाइटिस से हर दिन हजारों लोगों की मौत डब्लूएचओ की रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

**संयुक्त राष्ट्र,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

विश्व हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024 में चौंकाने वाला दावा किया गया है। इसमें आगाह भी किया गया है कि यह बीमारी विश्व स्तर पर संक्रामक बीमारियों से होने वाली मौतों का दूसरा प्रमुख कारण है। प्रति वर्ष 13 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार यह बीमारी तपेदिक जैसी बीमारियों की श्रेणी में आती है, जिसे ज्यादातर संक्रामक मौतों का एक अन्य बड़ा कारण माना जाता है। स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा कि यह रिपोर्ट एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। हेपेटाइटिस संक्रमण रोकने में विश्व स्तर पर प्रगति होने के बावजूद मौतों की संख्या बढ़ रही है। इसकी बड़ी वजह यह है कि बहुत कम हेपेटाइटिस पीड़ितों के रोग का निदान व इलाज हो पा रहा है। विश्व हेपेटाइटिस शिखर सम्मेलन के दौरान जारी की गई इस रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि हालांकि, अब निदान एवं उपचार के लिए बेहतर उपकरण उपलब्ध हैं और उनकी कीमतें भी घट रही हैं, लेकिन परीक्षण तथा उपचार कवरेज दरें नहीं बढ़ पाई हैं। एजेंसी ने ये भी कही कि अगर तात्कालिक रूप से तेज कार्रवाई की जाए तो 2030 तक डब्ल्यूएचओ उन्मूलन लक्ष्य तक पहुंचना सम्भव हो सकता है। मौतों में वृद्धि रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में प्रत्येक दिन 6000 लोग हेपेटाइटिस से संक्रमित हो रहे हैं। 187 देशों के आंकड़ों से पता चलता है कि वायरल हेपेटाइटिस से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 2019 में 11 लाख से बढ़कर 2022 में 13 लाख हो गई है। इनमें से 83 प्रतिशत मौतें, हेपेटाइटिस बी के कारण और 17 प्रतिशत मौतें हेपेटाइटिस सी के कारण हुईं। डब्ल्यूएचओ के नवीनतम अनुमान से संकेत मिलता है कि 2022 में 25.4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और 5 करोड़ लोग हेपेटाइटिस सी के साथ जी रहे थे। गम्भीर हेपेटाइटिस बी और सी से आधे से ज्यादा संक्रमित लोग 30 और 54 आयु वर्ग से है, जिनमें 12 प्रतिशत बच्चे हैं। सभी मामलों में 58 प्रतिशत पीड़ित पुरुष हैं।

### निदान व उपचार की कमी

सभी क्षेत्रों में तीव्र हेपेटाइटिस बी संक्रमण से पीड़ित केवल 13 प्रतिशत लोगों को उचित निदान प्राप्त हुआ और केवल तीन प्रतिशत, यानि 70 लाख लोगों को 2022 के अंत में एंटीवायरल थेरेपी प्राप्त हुई थी, जो 2030 तक क्रोनिक हेपेटाइटिस बी व हेपेटाइटिस सी से पीड़ित 80 प्रतिशत लोगों के इलाज के वैश्विक लक्ष्य से काफी कम है।

## न्यूज ब्रीफ

### आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने साइमन हैरिस, पीएम मोदी ने दी बधाई

**डबलिन ।** आयरलैंड की तस्वीर अब बदल सकती है, क्योंकि यहां लियो वराडकर के इस्तीफे के बाद देश की कमान युवा हाथों में सौंपी जा रही है। सत्तारूढ़ फाइन गेल पार्टी ने भारतीय मूल के साइमन हैरिस को प्रधानमंत्री के रूप में चुना है। 37 साल के हैरिस देश के सबसे कम उम्र के पीएम बन गए हैं। इससे पहले भारतीय मूल के लियो वराडकर आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। उन्होंने पिछले महीने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि हैरिस पीएम बन सकते हैं और ऐसा ही हुआ। आयरलैंड की संसद में हैरिस के समर्थन में 88 वोट पड़े। उन्हें गठबंधन की साझेदार पार्टियों फिएना फेल और ग्रीन पार्टी के अलावा कई निर्दलीय सांसदों का भी समर्थन मिला। भारत ने दी बधाई भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनने पर साइमन हैरिस को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हम हमारे ऐतिहासिक संबंधों को अत्यधिक महत्व देते हैं जो लोकतांत्रिक मूल्यों में साझा विश्वास पर आधारित हैं। भारत-आयरलैंड द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हूं। क्या है राजनीतिक अनुभव साइमन हैरिस पार्टी की युवा शाखा से स्नातक होने के बाद, कम उम्र से ही राजनीति में सक्रिय हैं। अपनी स्नातक की डिग्री पूरी न करने के बावजूद, उन्होंने जल्द ही खुद को एक समर्पित राजनेता के रूप में स्थापित कर लिया। उन्होंने पार्टी के अंदर विभिन्न भूमिकाएं निभाईं। इसके बाद उनके अनुभव की बात करें तो हैरिस ने 2016 से 2020 के मध्य तक एक महत्वपूर्ण अवधि के दौरान आयरलैंड के स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाली, जहां उन्होंने कोविड-19 महामारी के लिए देश की प्रतिक्रिया के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वराडकर की सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री का पद संभालते हुए, इन भूमिकाओं में उनके कार्यकाल ने उनकी नेतृत्व क्षमताओं और नीति विशेषज्ञता को आकार दिया है। करियर पर एक नजर हैरिस 16 साल की उम्र में फाइन गेल पार्टी से जुड़े थे। वह मात्र 22 साल की उम्र में काउंटी काउंसिल बने। 2011 में 24 साल की उम्र में वह सांसद चुने गए थ। 2016 में कैबिनेट में बतौर स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें 2020 में उच्च शिक्षा मंत्री बनाया गया।

### प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने दी ईद की शुभकामनाएं, गाजा में फलस्तीनियों की स्थिति पर जताई चिंता

**लंदन ।** ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने देश और दुनिया भर के मुस्लिमों को ईद की शुभकामनाएं दीं हैं। साथ ही उन्होंने गाजा में फलस्तीनियों की दुर्दशा पर भी दुख जताया है। उन्होंने कहा कि गाजा में जारी रक्तपात और पीड़ा असहनीय है। ब्रिटेन संघर्ष को समाप्त करने और बंधकों की रिहाई के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। गौरतलब है कि सात अक्तूबर की सुबह हमास द्वारा करीब 5000 रॉकेट इजराइली शहरों पर दागे गए थे. जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। इजराइल ने इस हमले को आंतकी हमला करार दिया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई है कि वह जब तक हमास को पूर्ण रूप से खत्म नहीं कर देते, तब तक वे युद्ध विराम नहीं करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों में समुदाय के योगदान को याद किया सुनक ने एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि पूरे ब्रिटेन में मुस्लिम ईद का जश्न मना रहे हैं। देश और दुनिया के सभी मुस्लिमों को ईद की बधाई देते हुए उन्होंने ब्रिटेन के विभिन्न क्षेत्रों में समुदाय के योगदान को याद किया। वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि उपवास के एक महीने बाद मैं आप सभी को ईद की शुभकामनाएं देता हूं। मैं आप लोगों को न सिर्फ त्योहार के लिए बल्कि, विभिन्न क्षेत्रों में किए गए आपके योगदान के लिए भी शुभकामनाएं देता हूं। ब्रिटिश मुसलमान देश में सुरक्षित महसूस करें वीडियो संदेश में उन्होंने गाजा का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे पता है कि कई लोग विशेष रूप से गाजा के लोगों के बारे में सोच रहे होंगे। ब्रिटेन यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है कि ब्रिटिश मुसलमान देश में सुरक्षित महसूस करें। हम हेट क्राइम से निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने मस्जिदों, स्कूल और आस्था की रक्षा में मदद करने के लिए अगले चार वर्षों तक हर साल 29 मिलियन पाउंड से अधिक खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई है। ब्रिटिश कंपनियों द्वारा इजराइल को बेचे जा रहे हथियारों को नहीं रोकेंगे वहीं, अमेरिका के वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्रिटिश विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा कि काफी चर्चाओं के बाद हमने फैसला किया है कि हम अपने निर्यात लाइसेंस पॉलिसी को फिलहाल नहीं बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम ब्रिटिश कंपनियों द्वारा इजराइल को बेचे जा रहे हथियारों को नहीं रोकेंगे। इजराइल को हथियारों की आपूर्ति की जाएगी। हम लगातार मामले की समीक्षा करते रहेंगे। हालांकि, कैमरन में कहा कि ब्रिटेन गाजा में मानवीय पहुंच के मुद्दे पर गंभीर है।



# ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए तो बाइडन से लेंगे बदला ! संघीय जांच एजेंसियां जो के खिलाफ कर सकती हैं कार्रवाई

**वॉशिंगटन, 10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

अमेरिकी मीडिया के हवाले से कहा जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप अगर आगामी चुनाव में राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो इससे जो बाइडन की परेशानियां बढ़ सकती हैं। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडन और उनके परिवार के खिलाफ चल रही संघीय जांच पर फोकस कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की प्रचार टीम के एक करीबी ने बताया कि जो भी बाइडन सरकार कर रही है, वही ट्रंप भी कर सकते हैं। ट्रंप के खिलाफ 44 मामलों में चल रही है संघीय जांच – डोनाल्ड ट्रंप के एक अन्य करीबी ने बताया कि जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ संघीय एजेंसियां जांच कर रही हैं, उसने एक मिसाल कायम कर दी है कि बाइडन को भी ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। उनका कहना है कि बाइडन ने जो किया है, वही उन्हें मिलेगा। डोनाल्ड ट्रंप अभी संघीय अपराध के 44 मामलों का सामना कर रहे हैं। इनमें से 40 मामले गोपनीय दस्तावेजों से संबंधित हैं और चार मामले 2020 के चुनाव में कथित धांधली से जुड़े हैं। हालांकि तमाम आरोपों के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद के तगड़े दावेदार हैं और जो बाइडन के साथ उनकी कांटे की टक्कर की उम्मीद की जा रही है।

जो बाइडन के खिलाफ चल रहे मामलों पर फोकस करेंगे ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप अगर राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह अपने खिलाफ लगे संघीय आरोपों को खारिज कर सकते हैं, लेकिन राज्यों की तरफ से लगे आरोप, खासकर न्यूयॉर्क में उन्हें कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ सकता है। न्यूयॉर्क की अपीलीय अदालत में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नागरिक मामलों जैसे टैक्स में धोखाधड़ी, मानहानि और दुष्कर्म जैसे मामलों की सुनवाई हो रही है। वहीं जो बाइडन भी गोपनीय दस्तावेजों से संबंधित मामलों को लेकर आरोपी हैं, लेकिन अभी तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में माना जा रहा है कि ट्रंप, राष्ट्रपति चुने जाने के बाद जो बाइडन के खिलाफ चल रहे मामलों में तेजी ला सकते हैं।

ट्रंप की राह आसान नहीं – डोनाल्ड ट्रंप भले ही राष्ट्रपति चुने जाने के बाद बाइडन के खिलाफ कार्रवाई की योजना बना रहे हैं, लेकिन व्हाइट हाउस पहुंचना उनके लिए इतना भी आसान नहीं होगा। दरअसल जो बाइडन, ट्रंप को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। बाइडन ने ट्रंप के मुकाबले चुनाव कैंपेन के लिए 9 करोड़ डॉलर ज्यादा हासिल किए हैं। इस तरह से चुनावी कैंपेन के लिए दोनों नेताओं में चुनावी कैंपेन के लिए चंदे का अंतर बढ़ता जा रहा है। जो बाइडन और उनकी पार्टी ने मार्च तक 19 करोड़ डॉलर का चंदा हासिल किया। वहीं इतने ही समय में डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को सिर्फ 9.3 करोड़ डॉलर का ही चंदा मिला है।

# गाजा में नरसंहार को लेकर इजराइली सेना के खिलाफ सबूत नहीं, हमास से सवाल न पूछने पर अमेरिका का बयान

**वॉशिंगटन, 10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

हमास-इजराइल के बीच जल रही जंग को करीब छह महीने से ज्यादा समय हो गया है। फिर भी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां एक तरफ गाजा पर इजराइल द्वारा किए जा रहे हमले की कई देश आलोचना कर रहे हैं। वहीं अमेरिका लगातार अपने दोस्त देश का साथ दे रहा है। एक बार फिर अमेरिका ने इजराइल का बचाव किया है। उसने इजराइली सेना द्वारा गाजा में नरसंहार किए जाने के आरोपों को खारिज कर दिया है। साथ ही कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की आलोचना की अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने हमास को जवाबदेह ठहराने में असफल रहने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की आलोचना की।

जबकि अमेरिकी रक्षा सचिव ऑस्टिन ने उन दावों से इनकार कर दिया, जिसमें इजराइल पर गाजा में नरसंहार करने का आरोप लगा था। नरसंहार का कोई सबूत नहीं दोनों अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि इजराइल को एन्क्लेव में मानवीय स्थिति में सुधार की गारंटी देनी चाहिए। इस दौरान ऑस्टिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के नए बजट अनुरोध के संबंध में अमेरिकी सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के समक्ष गवाही में कहा कि हमारे पास नरसंहार का कोई सबूत नहीं है। बता दें, अमेरिका के रक्षा सचिव का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब डेमोक्रेटिक सीनेटर एलिजाबेथ वारेन ने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो साझा कर कहा था कि अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को इजराइल को नरसंहार का दोषी मानना चाहिए क्योंकि पर्याप्त सबूत हैं। इजराइल-हमास के बीच छह माह से जंग जारी हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

# जैन आध्यात्मिक नेता को मिला अमेरिका में सम्मान गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार से नवाजा गया

**वॉशिंगटन,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

भारत के जैन आध्यात्मिक नेता लोकेश मुनि को अमेरिका में सम्मानित किया गया है। उनको सार्वजनिक भलाई और मानवता में योगदान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के गोल्ड वालंटियर सर्विस पुरस्कार से नवाजा गया है।

अमेरिका में वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसद ब्रैड शेरमैन ने मंगलवार को भारत में अहिंसा विश्व भारती और वर्ल्ड पीस सेंटर के संस्थापक मुनि को राष्ट्रपति पुरस्कार गोल्डन शील्ड और सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर से सम्मानित किया।

### जो बाइडन ने दी बधाई

राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर वाले पत्र में कहा गया है, मैं जनता की भलाई, देश और मानवता के लिए दिए योगदान के लिए आपको बधाई देता हूं। गौरतलब है, राष्ट्रपति के स्वयंसेवी सेवा पुरस्कार के विजेताओं का चयन अमेरिकी सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी अमेरिकॉर्प्स द्वारा किया जाता है।

### जिम्मेदारी बढ़ गई: मुनि

लोकेश मुनि ने कहा, अमेरिकन प्रेसिडेंशियल अवार्ड से सम्मानित होना गौरव की बात है किन्तु जिम्मेदारी अधिक बढ़ गई है। हम सभी पर निर्भर करती अमेरिका की कहानी

सांसद ब्रैड शेरमैन ने कहा, अमेरिका की कहानी हम में से किसी एक पर नहीं, हम में से कुछ पर नहीं, बल्कि हम सभी पर निर्भर करती है। मैं आपको जनता की भलाई में योगदान देने के लिए बधाई देता हूं और मुझे आपको राष्ट्रपति के गोल्ड वालंटियर सर्विस अवार्ड और देश के लिए आपकी 500 घंटे की सेवा देने के लिए गर्व है।

### चुनौतियों का समाधान खोजने में मदद कर रहे मुनि

उन्होंने आगे कहा, अपना समय और जुनून साझा करके, आप हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने और उन्हें सुलझाने में मदद कर रहे हैं। हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं जो आशा, प्रकाश और प्रेम की राह देखता है। आशा है कि हमारा भविष्य आगे बढ़ने और एक-दूसरे के लिए प्यार करने का रास्ता देखेगा।

# गाजा में नरसंहार के लिए मदद देने का आरोप, इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में जर्मनी ने दी ये दलील

**बर्लिन, 10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

अंतरराष्ट्रीय न्याय न्यायालय (इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस) में निकारागुआ ने मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें निकारागुआ ने गाजा में नरसंहार के लिए जर्मनी और पश्चिमी देशों पर इजराइल को मदद देने का आरोप लगाया है। हालांकि जर्मनी ने इन आरोपों से इनकार किया है। जर्मनी के विदेश मंत्रालय के कानूनी सलाहकार तानिया वो उसलार ने कहा कि निकारागुआ द्वारा दर्ज मुकदमा जल्दबाजी और कमजोर सबूतों पर आधारित है। जर्मनी ने इस मुकदमे को खारिज करने की भी मांग की।

### जर्मनी ने ये बताई इजराइल को समर्थन देने की वजह

तानिया वो उसलार ने कहा कि जर्मनी, इजराइल और फलस्तीनी लोगों दोनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। जर्मनी की प्राथमिकता इजराइल के प्रति इसलिए हैं क्योंकि यहूदियों पर खत्म करने का नाजियों का इतिहास है। जर्मनी के अटॉर्नी क्रिश्चियन ताम्स ने कहा कि 7 अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद से जर्मनी द्वारा जो हथियार भेजे गए हैं, उनमें 98 प्रतिशत सिर्फ हेलमेट, दूरबीन और बुलेटप्रूफ जैकेट ही हैं।

ताम्स ने कहा कि जर्मनी को हथियारों की जो चार खेप भेजी गई हैं, उनमें से तीन खेप सिर्फ ट्रेनिंग के उद्देश्य वाले हथियारों की भेजी गई है न कि संघर्ष में इस्तेमाल होने वाले हथियारों की। इजराइल और हमास की लड़ाई को छह महीने का समय बीत चुका है। कई विरोध प्रदर्शनों, कोर्ट में दर्ज मामलों में और सामाजिक समूहों द्वारा दावा किया गया है कि इजराइल कई फलस्तीनी लोगों की हत्याएं कर रहा है और इसमें जर्मनी और पश्चिमी देश उसकी मदद कर रहे हैं।

### आईडीएफ ने अब तक मारे 13 हजार से ज्यादा हमास लड़ाके

वहीं इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने लड़ाई को लेकर कुछ आंकड़े जारी किए हैं, जिनमें इजराइली सेना ने दावा किया है कि अब तक लड़ाई में 13 हजार और अन्य आतंकी समूहों से ज्यादा हमास लड़ाके मारे जा चुके हैं। साथ ही इजराइल में 7 अक्तूबर के हमले के दौरान करीब एक हजार आतंकी मारे गए थे, जब हमास के आतंकियों ने इजराइल में 1200 नागरिकों की हत्या कर दी थी। इजराइली सेना के आंकड़ों के अनुसार, वेस्ट बैंक में 3700 फलस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 1600 हमास से संबंधित हैं।

# हमास से जंग के बीच सीरिया पर इजराइल की बड़ी कार्रवाई, हिज्बुल्ला के ठिकानों पर किया हमला

**यरुशलम, 10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

**इजराइल आतंकवादी ग्रुप के ठिकानों को चुन-चुन का खत्म करने में लगा है। वह लगातार हमास को निशाना बना रहा है। इस बीच अब उसने सीरिया को निशाना बनाया है। बताया जा रहा है कि घुसपैठ की खबरों के बीच इजराइल ने लेबनानी समूह हिज्बुल्ला के ठिकानों पर बमबारी की है।**

इजराइल कई बार चेतावनी दे चुका है कि वह हमास के साथ-साथ हिज्बुल्ला का सामना करने के लिए भी तैयार है। हाल के हफ्तों में सीरिया समेत कई जगह हमलों को तेज कर दिया है। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) का कहना है कि उसे खुफिया जानकारी मिली थी कि सीरिया में सैन्य बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल हिज्बुल्ला आतंकवादी संगठन कर रहा है। सटीक जानकारी पर कार्रवाई करते हुए इसे निशाना बनाया।

### सेना ने हमले का एक वीडियो भी जारी किया है।

इजराइल-हमास के बीच छह माह से जंग जारी हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

### आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला

इजराइल की सेना ने साफ कह दिया है कि वह अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी गतिविधि के लिए सीरिया सरकार को जिम्मेदार मानती है। अगर उसके देश में हिज्बुल्ला घुसपैठ की कोशिश करता है तो वह शांति से नहीं बैठेगी। वहीं, सेना ने यह भी बताया कि पिछले कुछ घंटों में आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्ला के कई ठिकानों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला किया है। वहीं, दक्षिणी लेबनान में धायरा और तायर हर्फा के क्षेत्रों में खतरों को दूर करने के लिए हमला किया।

### गोलान हाइट्स का लिया बदला

इजराइल ने बताया कि उसने यह हमले जवाबी कार्रवाई के तौर पर किए हैं। उसने कहा कि हिज्बुल्ला के युद्धक विमानों ने इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स पर दक्षिणी सीरिया से रॉकेट दागे, जिसके जवाब में उसने सीरियाई सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया था।

ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजराइली विमानों ने सीरिया में हमले किए।

## जम्मू में विशाल जनसभा में बोले योगी आदित्यनाथ

# एक्सीडेंटल हिंदू राम-कृष्ण पर भी सवाल खड़े कर रहे थे: योगी

**कठुआ, 10 अप्रैल (ब्यूरो)**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव-2024 के लिए प्रचार करने पहली बार योगी आदित्यनाथ जम्मू पहुंचे। बुधवार को योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री, उधमपुर से सांसद व भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने यहां मोदी सरकार के कार्यों का जिक्र किया तो विपक्षी पार्टियों को खूब खरी खोटी सुनाई। सीएम ने जम्मू वासियों को वासंतिक नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्हें जम्मू की धरती को आराध्य देवों, ऋषि मुनियों की साधना स्थली, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लिए बलिदान करने वालों की भूमि बताया।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस राम मंदिर का निर्माण नहीं कर पाती। कांग्रेस ने कहा था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। इन लोगों ने राम-कृष्ण के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर हमारे आराध्य देवों को नकारने का प्रयास किया। एक्सीडेंटल हिंदुओं ने राम-कृष्ण पर भी सवाल खड़े कर दिए थे, लेकिन आज अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण भी हो गया। आप आइए, अयोध्या में लगेगा कि साक्षात त्रेतायुग के दर्शन हो रहे हैं। काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया है। पहले संकरी गली थी, बमुश्किल पांच लोग जा पाते थे पर आज एक साथ 50 हजार श्रद्धालु भी आ जाएं तो कोई समस्या नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद की जड़ धारा-370 को समाप्त कर साबित कर दिया कि दिल्ली का लाल किला हो या जम्मू का लाल चौक, चारों ओर उत्साह है।

क्योंकि यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से जुड़ा है। जब जम्मू-कश्मीर की बात आती है तो भारत का मुकुट हर व्यक्ति गर्व से देखना चाहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सत्तालोलुपता ने आजादी के एक दिन पहले देश का विभाजन करा दिया, लेकिन हमने स्वतंत्र भारत में हमेशा एक ही धर्म माना, वह है राष्ट्रधर्म। राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है। मेरी व्यक्तिगत आस्था कुछ भी होगी, यदि वह राष्ट्र के मार्ग में बाधक है तो उसे दरकिनार कर दिया जाएगा। मेरे लिए देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता व अखंडता सर्वोपरि है।

सीएम योगी ने कहा कि 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। अगले पांच वर्ष तक यह सुविधा मिलेगी तो दूसरी तरफ 1947 में भारत से अलग हुआ पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनिया के अंदर भीख मांगता दिखाई दे रहा है। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का आज दुनिया में सम्मान है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। ऐसा नहीं हो सकता कि पाकिस्तानी घुसपैठ करके हमारी सुरक्षा में सेंध लगाएगा। अब पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। उसे मालूम है कि कुछ हो गया तो लेने के देने पड़ेंगे। मजबूत सरकार होती है तो सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होती है।

सीएम ने कहा कि पहले लोग खुद को हिंदू बोलने में भी संकोच करते थे। अयोध्या का नाम लेने में लोग डरते थे। 2017 में जब मैं उप्र का मुख्यमंत्री बना तो अयोध्या गया। अचरज होकर लोगों ने कहा कि यह क्या कर रहे हैं, कुछ लोग नाराज हो जाएंगे। मैंने कहा कि हो जाएंगे तो होने दो।

मैं जनआस्था के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। वोट बैंक के लिए यह नहीं हो सकता। अयोध्या में भव्य दीपोत्सव की तैयारी करो। अच्छी सरकार बनती है तो 500 वर्षों का इंतजार भी समाप्त हो जाता है।

सीएम ने कहा कि मोदी जी को देश की बागडोर सौंपने का श्रेय आपको जाता है। यदि जनता वोट नहीं देती तो हम देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को नहीं संभाल पाते। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान परस्त आतंकवादी तबाही मचाए थे तो यूपी में सत्ता के संरक्षण में अराजकता होती थी। वहां महीनों कर्फ्यू रहता था पर सात वर्ष में एक भी दंगा नहीं हुआ। वहां के लोग कर्फ्यू भूल गए। यूपी देश का पहला राज्य है, जहां धर्मस्थलों से माइक उतर गया। वहां माइक की आवाज नहीं होती, लोग विकास पर विश्वास कर रहे हैं। सीएम ने जम्मूवासियों से अयोध्या आने का आग्रह भी किया। संकोच न कीजिए, सात-दस वर्ष पहले की अयोध्या बदल गई है। हमने अयोध्या के अंदर भी एक्सप्रेस बना दिया है।

सीएम ने कहा कि देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। हम यूपी में कोई संकोच नहीं करते हैं। यूपी में कोई दंगा करता है तो उल्टा लटकाकर टांग देते हैं। बहुत ज्यादा कोई बकबक करता है तो नीचे से मिर्च का झोंका लगा दिया जाता है, सारी भो-भो ठीक हो जाती है। सीएम ने कहा कि लोग क्षेत्र, जाति, भाषा आदि वाद की बात करने आएंगे पर हमें किसी वाद में नहीं फंसना है। बहुत खोया है, अब पाने का समय आया है। देश को मजबूत करने का समय आया है। कठुआ को विकासधारा से जोड़कर वर्तमान व भावी पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य देना है। पहले जम्मू-कश्मीर को लोगों ने भगवान भरोसे छोड़ दिया था पर दस वर्ष में यहां एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, प्रौद्योगिकी संस्थान बन गए हैं। देश के साथ यह लोग गलत व्यवहार करते थे। जब भी देश पर संकट आता था तो यह लोग बाहर भाग जाते थे। डोडा का नरसंहार भी सबने देखा था।

### योगी ने बदली यूपी की तकदीर: डॉ. जितेंद्र सिंह

**जम्मू, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब तारीफ की। कहा कि हमें मोदी जी के साथ योगी जी का भी आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। यहां के लोग योगी जी को आदर्श मानते हैं। योगी जी के प्रति यहां के लोगों में श्रद्धा है। योगी जी ने जिस तरह यूपी की तकदीर व तस्वीर बदली है, उसका सभी उदाहरण देते हैं। यूपी में महिलाओं की सुरक्षा का उल्लेख किया जाता है। मोदी जी ने महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए, योगी जी ने उसे यूपी में इज्जतघर का नाम दिया। महिलाओं को सुविधा के साथ स्वास्थ्य व सम्मान भी दिया। यही कारण है कि नारी शक्ति में मोदी-योगी को लेकर उत्साह है।

## दिल्ली के मंत्री राजकुमार आनंद ने दिया इस्तीफा

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** दिल्ली सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री थे। इस्तीफे पर राजकुमार आनंद ने कहा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कनेक्शन इसलिए हुआ, क्योंकि उन्होंने कहा था कि राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा। आज राजनीति नहीं बदली है, लेकिन राजनेता बदल गए हैं।

आनंद ने कहा, मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दिया है। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए हुआ था, लेकिन आज पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई है। मेरे लिए मंत्री पद पर काम करना मुश्किल हो गया है। मैंने मंत्री पद से और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मैं इस भ्रष्टाचार से अपना नाम नहीं जोड़ सकता। राजकुमार आनंद ने कहा, मैं समाज का बदला चुकाने के लिए मंत्री बना हूं। मैं ऐसी पार्टी का हिस्सा नहीं बनना चाहता जो पीछे हटती हो। जब दलित प्रतिनिधित्व की बात हो रही है तो मैं किसी पार्टी में शामिल नहीं हो रहा हूं।

## सेंटियागो मार्टिन के खिलाफ धनशोधन मामले में सुनवाई पर रोक

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपने फैसले में लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ जारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई पर रोक लगा दी है। मार्टिन ने केरल की विशेष पीएमएलए कोर्ट के 16 मार्च के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयन की पीठ ने मार्टिन को राहत देते हुए नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील आदित्य सोंधी और रोहिणी मूसा ने सैंटियागो मार्टिन का पक्ष रखा। मार्टिन के वकीलों ने दलील दी कि विशेष अदालत को यह विचार करना चाहिए था कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुकदमा, पहले से मार्टिन के खिलाफ चल रहे मुकदमे के खत्म होने के बाद ही शुरू हो सकता था। दरअसल मार्टिन ने केरल की विशेष अदालत में याचिका देकर मांग की थी कि उन्हें मुकदमे की सुनवाई में शामिल होने से छूट दी जाए क्योंकि उनके खिलाफ लॉटरी घोटाले में पहले से ही सुनवाई चल रही है।

# चुनाव मैदान में उतरने से कतरा रहे हैं गुलाम नबी आजाद

**सुरेश एस डुग्गर**

**जम्मू, 10 अप्रैल।**

अपने 47 साल के राजनीतिक जीवन में मात्र तीन बार प्रदेश से किस्मत आजमाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री और डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद पार्टी द्वारा उनकी अनंतनाग सीट से उम्मीदवारी घोषित किए जाने के बावजूद वे चुनाव मैदान में उतरने से कतरा रहे हैं। वे विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा कर

भाजपा के सहारे मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने इसके प्रति संकेत भी दिया है। कहा यही जा रहा है कि कांग्रेस छोड़ने के बाद अपनी पार्टी बनाने वाले गुलाम नबी आजाद आगामी आम चुनाव नहीं लड़ सकते हैं, भले ही उनके नाम की घोषणा उनके द्वारा स्थापित पार्टी द्वारा की गई है। आजाद की पार्टी, डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी या डीपीएपी ने अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की है। पर आजाद ने पत्रकारों से कहा कि मुझे अभी तक यह तय नहीं करना है कि मैं चुनाव लड़ूंगा या नहीं। मेरी पार्टी ने इसकी घोषणा कर दी है लेकिन मैंने अंतिम फैसला नहीं लिया है।

और अगर वे मैदान में उतरते हैं तो 2022 में कांग्रेस छोड़ने के बाद से अनंतनाग में चुनाव जम्मू कश्मीर में उनकी लोकप्रियता की पहली परीक्षा होने की उम्मीद है। अनंतनाग सीट से, जो नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच एक विवादित सीट बन चुकी है, अगर आजाद मैदान में शामिल होते हैं तो त्रिकोणीय मुकाबला हो जाएगा। आजाद, जो जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं, ने मतदाताओं की प्रतिक्रियाएं जानने के लिए पहले कई सार्वजनिक बैठकें की थीं। उन्होंने कहा था कि बहुत से लोग मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कह रहे हैं। मेरी संसद में रहने की मांग है। लेकिन ऐसी आवाजें भी हैं जो चाहती हैं कि मैं विधानसभा चुनाव लड़ूं।

जानकारी के लिए अभी तक राज्य से मात्र एक बार विधानसभा का चुनाव जीत पाने वाले गुलाम नबी आजाद कई सालों तक राज्यसभा का सदस्य रहे हैं। अपने 47 साल के राजनीतिक करियर में उन्होंने राज्य में मात्र तीन बार ही किस्मत आजमाई थी। हालांकि 1977 में पहली बार जमानत जब्त करवाने वाले गुलाम नबी आजाद ने 30 सालों के बाद वोट पाने का रिकॉर्ड तो बनाया था लेकिन अब सवाल यह है कि क्या वे अब कश्मीर से लोकसभा चुनाव में अगर किस्मत आजमाते हैं तो वे जीत सकेंगे या नहीं क्योंकि एक बार 2014 में वे लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं। वैसे 1977 में उन्होंने अपने गृह जिले डोडा से विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश में मैदान में छलांग मारी थी मगर वे उसमें कामयाब नहीं हो पाए थे। फिर वे केंद्रीय राजनीति की ओर ऐसे गए कि पीछे मुड़ कर उन्होंने कभी नहीं देखा। यहां तक की उन्होंने कभी लोकसभा का चुनाव भी लड़ने की नहीं सोची।

फिर गुलाम नबी आजाद ने 27 अप्रैल 2006 को उस मिथ्य को तोड़ा था जो उनके प्रति कहा जाता था कि वे राज्य से कोई चुनाव नहीं जीत सकते। अपने गृह कस्बे से चुनाव जीतना उनका एक सपना था। वह 27 अप्रैल 2006 को पूरा हुआ था। इस सपने के पूरा होने की कई खास बातें भी थीं और कई रिकॉर्ड भी। अगर 30 साल पहले इसी चुनाव मैदान में आजाद की जमानत जब्त हो गई थी तो अब वे एक नए रिकॉर्ड से जीत दर्ज कर पाए थे। तब गुलाम नबी आजाद ने 58515 मतों की जीत के अंतर से यह चुनाव जीता था। यह अपने आप में एक रिकार्ड था क्योंकि जम्मू कश्मीर में अभी तक किसी भी नेता या मुख्यमंत्री पद के दावेदार किसी उम्मीदवार को इतनी संख्या में वोट नहीं मिले थे। अभी तक का रिकॉर्ड पूर्व मुख्यमंत्री शेख मोहम्मद अब्दुल्ला का रहा था जिन्होंने 1977 के विधानसभा चुनाव में गंदरबल सीट से चुनाव जीता तो था लेकिन जीत का अंतर 26162 ही था।

### अदालतों में नहीं टिकीं केजरीवाल की दलीलें

# सबूत पुख्ता तो बचाव कहां टिकता!

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

शराब नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फिलहाल कोई राहत नहीं है। मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी। अब केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने मामले में तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया है।

इससे पहले अदालत में प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देने का कड़ा विरोध किया। केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने पैरवी की और उन्हें राहत देने की मांग की। सिंघवी ने लोकसभा चुनाव से जोड़ते हुए आप नेता की गिरफ्तारी के समय पर भी सवाल उठाए। सिंघवी ने अदालत के सामने तर्क दिया था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का समय सीधे तौर पर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में समान अवसर यानी लेवल प्लेइंग फील्ड को प्रभावित करता है। सिंघवी ने आगे तर्क दिया कि समान अवसर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का हिस्सा है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का समय सीधे तौर पर पूरे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के समान अवसर को बाधित करता है क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल यानी आम आदमी पार्टी के सदस्य हैं। उनकी गिरफ्तारी सीधे तौर पर आगामी लोकसभा चुनावों में प्रचार करने के उनके अधिकार का उल्लंघन करती है। इसके अलावा गिरफ्तारी का समय यह सुनिश्चित करता है कि केजरीवाल लोकतांत्रिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते हैं। मतदान से पहले ही उनकी पार्टी को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सिंघवी ने तर्क दिया कि ईडी द्वारा केजरीवाल के खिलाफ जारी किया गया पहला समन अक्टूबर 2023 में था और उन्हें 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया। यह दुर्भावना से भरा है और यह सीधे बुनियादी ढांचे और समान अवसर को नुकसान पहुंचाता है। अदालत ने सिंघवी की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया।

फैसला सुनाते हुए जस्टिस स्वर्ण कांत शर्मा ने अपने आदेश में कि याचिकाकर्ता (अरविंद केजरीवाल) को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया है और उन्हें विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था। चुनाव के समय के बावजूद गिरफ्तारी की जांच न्यायालय को करनी है। ईडी की ओर से किसी भी तरह की दुर्भावनापूर्ण मंशा के अभाव में इस तर्क को स्वीकार करने का मतलब यह होगा कि यदि केजरीवाल को अक्टूबर 2023 में ही गिरफ्तार किया गया होता तो उनकी गिरफ्तारी को दुर्भावनापूर्ण आधार पर चुनौती नहीं दी जाती क्योंकि उस समय चुनाव घोषित नहीं हुए थे।

### केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से भी लगा झटका

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने वकीलों से हफ्ते में पांच बार मुलाकात करने की मांग की थी। फिलहाल सीएम हफ्ते में दो बार अपने वकीलों से मुलाकात कर सकते हैं। इससे पहले हाईकोर्ट ने मंगलवार को केजरीवाल की दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सीबीआई और ईडी मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया कि राहत देने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। ईडी ने केजरीवाल की अर्जी का विरोध करते हुए कहा था कि सिर्फ इसलिए उन्हें विशेषाधिकार नहीं दिया जा सकता क्योंकि वह जेल के अंदर से सरकार चलाना चाहते हैं। केजरीवाल को 21 मार्च को दिल्ली आबकारी नीति 2021 से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उन्हें 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। अपनी याचिका में केजरीवाल ने तर्क दिया कि केंद्र सरकार 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले एक गैर-स्तरीय खेल का मैदान बनाने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) का दुरुपयोग कर रही है जिसके तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया था। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी प्रक्रिया को केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी (भारतीय जनता पार्टी) के पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है, जो वित्त मंत्रालय के माध्यम से ईडी को नियंत्रित करती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि यदि इस तर्क को मानता है तो यह स्वीकार करना होगा कि यदि कोई व्यक्ति जांच एजेंसी के समक्ष खुद को पेश करने में देरी करता है तो वह इसका फायदा उठा सकता है और बाद में दुर्भावनापूर्ण होने का बहाना बना सकता है। अदालत ने कहा कि केजरीवाल को आगामी लोकसभा चुनाव तारीखों के बारे में भी पता होना चाहिए था जो मार्च 2024 के महीने में घोषित होने की संभावना थी। इसका जिक्र आप नेता ने समन के अपने जवाबों में भी किया है। केजरीवाल को यह भी पता होगा कि लोकसभा चुनाव घोषित होने के बाद वे पहले से कहीं ज्यादा व्यस्त हो जाएंगे और जांच में शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके बावजूद उन्होंने न तो पीएमएलए की धारा 50 के तहत जारी समन को चुनौती दी और न ही अक्तूबर 2023 से जांच में शामिल हुए। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि पता होगा कि जांच में शामिल न होने के क्या परिणाम हो सकते हैं और यह कहां तक पहुंच सकता है।

सिंघवी ने तर्क दिया था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का समय इस मामले में बहुत अहम है और याचिकाकर्ता को उनके द्वारा किए गए किसी अपराध के लिए नहीं, बल्कि केवल विपक्षी दल का नेता होने के कारण गिरफ्तार किया गया है। सिंघवी ने इस बात पर भी जोर दिया कि वर्तमान मामले में 2022 से जांच किए जाने के बावजूद केजरीवाल को जानबूझकर 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया ताकि वह आम चुनाव 2024 में भाग न सकें। इससे न केवल उनके व्यक्तिगत अधिकार का उल्लंघन हुआ, बल्कि निष्पक्ष और लोकतांत्रिक चुनाव कराने के बड़े मुद्दे को भी खतरा हुआ।

इन दलीलों पर न्यायालय ने कहा कि कि केजरीवाल ने गिरफ्तारी के समय यानी 2024 के आम चुनावों की शुरुआत से ठीक पहले अपनी गिरफ्तारी को भी चुनौती दी है। इसलिए सबसे पहले इस मामले में जांच के दौरान अरविंद केजरीवाल के आचरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा। अदालत ने कहा कि केजरीवाल को आम चुनावों की घोषणा के बाद या आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पहली बार नहीं बुलाया गया था, बल्कि पहला समन उन्हें अक्टूबर 2023 में भेजा गया था। यह अरविंद केजरीवाल खुद ही थे जिन्होंने जांच में शामिल नहीं होने का फैसला किया था, लेकिन उन्होंने सभी समन का जवाब भेजा था। न्यायालय ने इसे जांच एजेंसी के साथ आप नेता का असहयोग बताया और कहा कि जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि वह नौ समन दिए जाने के बावजूद जांच में शामिल होने में विफल रहे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक-दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे ।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इज़ाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है- क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक-दूसरे से आज एक-दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकेंगे।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें- यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं- इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुजरेगी।

### गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 11 अप्रैल 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 03:05 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 01:38 तक
योग : प्रीति प्रातः 07:18 तक
करण : गर दोपहर 03:05 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रातः 08:40 तक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:31 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:32 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:25 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:22 ( विजयवाडा )
शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गणगौर , मन्वादि तिथि , श्री मत्स्य जयंती , भद्रा रात्रि 02:03 से , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# कबाड़ के गोदाम में लगी आग हवा से दूसरी मंजिल तक पहुंची

## अंदर रहते थे चार परिवार, सभी सुरक्षित

**जोधपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

राजस्थान के जोधपुर के तनावड़ा क्षेत्र में बुधवार दोपहर को एक कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। गर्मी और हवा के चलते गोदाम की दो मंजिल में पड़े कबाड़ ने आग पकड़ ली। वहीं, गोदाम में लगी आग का धुआं शहर में दूर तक नजर आया। कबाड़ के गोदाम में आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। फिर आग को काबू करने की कोशिश की।

फायर स्टेशन इंचार्ज प्रशांत सिंह ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 11:30 बजे तनावड़ा पेट्रोल पंप के सामने स्थित एक कबाड़ गोदाम में आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड को भेजा गया था। इस गोदाम में चार परिवार भी रहते थे, जिन्हें आग बढ़ने से पहले ही सुरक्षित निकाल दिया गया था। उन्होंने बताया कि गोदाम में पड़े कबाड़ में कागज, गत्ते, प्लास्टिक और अन्य जल्दी जलने वाला सामान ज्यादा होने के कारण आग कुछ ही देर में पूरे गोदाम में फैल गई। विकराल आग को देखते हुए बासनी फायर स्टेशन से चार, शास्त्री से चार और रिको से तीन फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। इन सभी ने दो-दो फेरे किए और डेढ़ बजे के करीब आग पर काबू पा लिया।

# थाने में जब्त माल में लगी आग

## करीब 50 बाइक और अन्य सामान जला, विस्फोट भी हुआ

**डीग,10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

राजस्थान के डीग जिले के जुरहरा थाने में जब्त की गई बाइकों और अन्य सामान में आग लग गई। इस दौरान विस्फोटक सामग्री में विस्फोट भी हो गया। इस घटना में सारा सामान जल गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग पाया है। आग पर काबू पाने के लिए कामां और हरियाणा से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। अभी तक यह अंदाजा नहीं लगाया गया है कि आग से कितना आर्थिक नुकसान हुआ है।

डीग जिले के डीवाईएसपी सतीश यादव ने बताया कि जुरहरा थाने के पीछे अज्ञात कारणों से कबाड़ में आग लग गई। वहीं, पास में कुछ पटाखे रखे थे, जिसमें ब्लास्ट हो गया। उसके बाद आग बढ़ती चली गई। उसके बाद जुरहरा के स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आसपास के सभी कस्बों और हरियाणा के पुन्हाना से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि करीब आधे घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया। जब्त किए गए सभी वाहन आग में पूरी तरह से जल गए। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने वहां से जब्त किए हुए समान को हटाया। पुलिसकर्मी आग से कुछ सामान ही बचा सके।

# कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल भाजपा में शामिल

## डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कांग्रेस को बताया कोरोना

**जयपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

राजस्थान में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने का सिलसिला लगातार जारी है। एक के बाद एक बड़े नेता कांग्रेस का हाथ छोड़ भाजपा के कमल को थाम रहे हैं। इसी सिलसिले में बुधवार को कांग्रेस को जयपुर में बड़ा झटका लगा है। विद्याधर नगर से कांग्रेस के दो बार प्रत्याशी रहे सीताराम अग्रवाल ने कई पार्षदों के साथ भाजपा की सदस्यता ले ली।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी और ओंकार सिंह लखावत ने सीताराम अग्रवाल के साथ आए तीन सौ से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पटका पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

इस दौरान सीताराम अग्रवाल ने कहा कि सुबह का भूला शाम को घर आ गया है, हालांकि आने में 10 साल लगे। लेकिन अब पीएम मोदी के 400 पार के नारे को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वहीं, डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा कि जिस तरह से कोरोना से मुक्ति मिली है, वैसे ही जल्दी राजस्थान में कांग्रेस से भी मुक्ति मिलेगी।

**'सुबह का भूला शाम को घर आया'**

सीताराम अग्रवाल ने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन का आज महत्वपूर्ण दिन है। आज मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं, यह मेरे लिए इस तरह से है कि सुबह का भूला शाम को घर आए। मैं 10 साल पहले रास्ता भूल गया था, अब मुझे रास्ता मिल गया और मैं भाजपा परिवार में शामिल हो रहा हूं। उन्होंने कहा कि देर आए, लेकिन दुरुस्त आए। मैं लेट से आया हूं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के सपने को पूरा करने में कहीं पर भी पीछे नहीं रहूंगा। सीताराम अग्रवाल ने कहा कि जैसे ही मेरे भाजपा में शामिल होने की चर्चा सामने आई, उसके बाद से मेरे ऊपर लगातार काफी दबाव रहा। रात एक बजे तक मुझे दबाव में लेने की कोशिश की गई। इसलिए मुझे घर से बाहर तक रहना पड़ा। सीताराम अग्रवाल ने कहा कि मैं सौगंध खाता हूं कि कभी बीजेपी को धोखा नहीं दूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे को हम सब मिलकर साकार करेंगे। राजस्थान में 25 की 25 सीट फिर से बीजेपी जीतेगी, इसके लिए हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जीत तो राजस्थान में बीजेपी की सभी सीटों पर होनी है, लेकिन हमें और अधिक मार्जिन से जीतना है और इसी के लिए हम सब मिलकर आज से ही जुट जाएंगे।

**कांग्रेस मुक्त हुआ विद्याधर नगर'**

उधर, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सीताराम अग्रवाल परिवार में शामिल हुए हैं। इनके साथ बड़ी संख्या में पार्षद और अन्य कांग्रेस नेता भी हैं। इन सभी का भारतीय जनता पार्टी परिवार में स्वागत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। देश में एक बार फिर मोदी सरकार और इस बार 400 पार के नारे को साकार करेंगे। दीया कुमारी ने कहा कि पिछली बार से ज्यादा मार्जिन से इस बार जनता पार्टी सभी सीटों पर जीते, इसके लिए आज से ही सब को मिलकर चुनाव अभियान में जुटना है। दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस अफवाह फैला रही है कि वह जीत रही है, लेकिन एक भी सीट पर कांग्रेस की जीत नहीं होगी। कहीं पर भी कांग्रेस चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। आज विद्याधर नगर कांग्रेस मुक्त हुआ है, लेकिन जल्द ही राजस्थान भी कांग्रेस मुक्त होगा। इसके आगे दीया कुमारी ने कहा कि जिस तरह से कोरोना से मुक्ति मिली है, वैसे ही कांग्रेस से भी मुक्ति मिलेगी।

# पूरा देश पीएम मोदी की गारंटी पर विश्वास दिखाएगा : विदेश मंत्री

## आतंकवाद का देंगे मुंहतोड़ जवाब

**बीकानेर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

राजस्थान के बीकानेर में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हर कोई जानता है कि इस चुनाव में देश पीएम मोदी की गारंटी पर अपना विश्वास दिखाएगा। अगर आप योजनाओं पर नजर डालें तो पीएम मोदी की गारंटी ने पिछले 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में नीतियों का एक रिकॉर्ड बनाया है। हमें विश्वास है कि देश इन गारंटियों को आगे बढ़ाने में हमारा समर्थन करेगा। उन्होंने आगे कहा कि पहले, भारत सीमा पार से आतंकवाद को सहन करता था। वह समय अब खत्म हो गया है। 26/11 को मुंबई में जो हुआ वह पीएम मोदी के तहत देश में कभी नहीं हुआ। किसी भी आतंकवादी हमले पर हमारी प्रतिक्रिया बालाकोट और उरी जैसी ही होती है।

# मासूम के ऊपर से गुजर गई कार

## मौत के मुंह से वापस लौटा बच्चा, अस्पताल में इलाज जारी

**जयपुर,10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

राजस्थान के जयपुर में 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय' वाली कहावत एक बार फिर चरितार्थ हुई हैं। यहां चार साल के एक मासूम को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया, लेकिन फिर भी मौत के मुंह से बचकर वह बाहर आ गया। यह हादसा उउढत कैमरे में कैद हो चुका है, जिसकी फुटेज देखकर हर कोई दंग है। वहीं, बच्चे के हौसले के आगे मौत भी जंग हार गई।

दरअसल, घटना जयपुर के मानसरोवर स्थित रवि मार्ग की है, जहां बीते छह अप्रैल की देर शाम चार वर्षीय उज्ज्वल चौधरी घर के बाहर खेल रहा था। तभी तेज रफ्तार लग्जरी कार उसे रौंदते हुए चली गई। हादसे के तुरंत बाद पड़ोसी महिलाओं ने सड़क पर अचेत पड़े बच्चे को संभाला और कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। इसके बाद उज्ज्वल को अचेतावस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी हैं। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे के चेस्ट और कॉलर बोन में फैक्चर है। साथ ही लीवर में सूजन है। इधर, उज्ज्वल के पिता एडवोकेट वैभव चौधरी ने कहा कि बच्चे को उसकी चोट से ज्यादा पुलिस की लचर कार्यप्रणाली ज्यादा दर्द दे रही है, क्योंकि हादसे के तीन दिन बाद भी पुलिस ने लापरवाह कार चालक को अभी तक नहीं पकड़ा है। जबकि उउढत में कार के नंबर साफ नजर आ रहा है। इतना ही नहीं, पुलिस में रिपोर्ट देने के बाद भी कार चालक ने उन्हें धमकी दी है। वहीं, पुलिस को रंजिश का भी अंदेशा है, जिसके चलते बच्चे को निशाना बनाया गया हो। हालांकि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रही कार के नंबरों के आधार पर चालक की पहचान की है, जो सांगानेर के अशोक नायक के नाम हैं। लेकिन हादसे के वक्त कार कौन ड्राइव कर रहा था, इसको लेकर पुलिस अभी तक जांच-पड़ताल ही कर रही है।

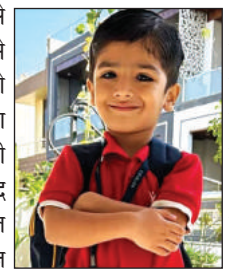

# 104 वर्षीय दुलीचंद ने निजी एप के खिलाफ निकाली बरात

## थारा फूफा जिंदा है आंदोलन का कंटेंट चुराने का आरोप

**रोहतक,10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

हरियाणा के रोहतक शहर में बुधवार को एक बार फिर 104 वर्षीय दुलीचंद ने बरात निकाली। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद के साथ बरात निकाल बुजुर्ग दुलीचंद ने निजी एप पर उनके आंदोलन का कंटेंट चुराने का आरोप लगाया। साथ ही अदालत से इस मामले में कार्रवाई की मांग की। एप संचालक कंपनी पर केस करने के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा से कोर्ट तक यह बरात निकाली गई।

अपनी पेंशन काटे जाने के विरोध में 'थारा फूफा जिंदा है' आंदोलन करने वाले करीब 104 वर्षीय दादा दुलीचंद बुधवार को मानसरोवर पार्क स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के पास पहुंचे। यहां से रथ में सवार होकर रोहतक कोर्ट गए। रथ पर सारथी बनकर नवीन जयहिंद उनके साथ रहे। उनका आरोप है कि निजी एप संचालकों ने अपनी फिल्म में उनके आंदोलन का कंटेंट चुराया है। इस संबंध में कोर्ट में फिल्म के खिलाफ याचिका दायर की है।

नवीन जयहिंद ने कहा कि फैमिली आईडी में बुजुर्ग करीब 102 वर्षीय दुलीचंद की पेंशन काट दी गई थी। इसके बाद थारा फूफा जिंदा है के नाम से आंदोलन किया गया। इसके बाद कई बुजुर्गों व विधवाओं की पेंशन बनी। इस आंदोलन के ब्रांड एंबेस्डर दुलीचंद हैं। अब उसके नाम से एक फिल्म बनाई गई है। इसकी बुजुर्ग दुलीचंद से कोई अनुमति नहीं ली गई। इसलिए कोर्ट का सहारा लेना पड़ रहा है। फिल्म निर्माता इस मुद्दे को भुना कर मुनाफा कमाना चाहते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। बुजुर्ग दुलीचंद से अनुमति लेने के बाद ही उन्हें यह कदम उठाना चाहिए था। इसलिए फिल्म निर्माता माफी मांगे। साथ ही फिल्म से मिलने वाला रेवेन्यू वृद्ध आश्रम या गोशाला में दान करें।

# दोस्त पर पहले पिस्तौल की बट से हमला

## फिर दाग दीं तीन गोलियां सींक गांव की है घटना

**पानीपत,10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

हरियाणा के पानीपत के सींक गांव में चार दोस्तों ने युवक को खेत में लेजाकर उसके सिर पर पहले पिस्तौल की बट से हमला किया। फिर नहर पर ले जाकर उसको तीन गोलियां मार दी। आरोपी युवक से मोबाइल भी लूट ले गए। जाते-जाते आरोपियों ने पीड़ित के दोस्त को भी जान से मारने की धमकी दी। खून से लथपथ हालत में पीड़ित अपने दोस्त के पास पहुंचा और आपबीती सुनाई। इसके बाद उसे परिजनों को इसकी सूचना दी गई। घायल युवक को रोहतक पीजीआई में दाखिल कराया गया। यहां डॉक्टरों ने मतलौडा थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने रोहतक पीजीआई पहुंचकर घायल के बयानों पर चारों आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है। अब पुलिस आरोपियों की धरपकड़ में जुटी है। इस घटना के बाद सींक गांव में दहशत का माहौल है।

सींक गांव निवासी वंशराज ने बताया कि वह मजदूरी करता है। वह सोमवार रात को घर पर सो रहा था। रात 11 बजे उसके पास गांव के ही निखिल का फोन आया था। निखिल से उसको घर से बाहर बुलाया और उसको वह अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपने खेत में ले गया। यहां पहले से मनीष, सुरेंद्र, अमन व साहिल थे। यहां खेत में इन चारों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इन्होंने उसके सिर पर पिस्तौल की बट से हमला किया और उसे उठाकर नहर पर ले गए। यहां इन चारों ने उसको पेट, कमर व कंधे में गोली मारी। वह जमीन पर गिर गया। इन्होंने उसकी जेब से मोबाइल निकाल लिया। फिर ये चारों उसके दोस्त सुमित को भी जान से मारने की धमकी दे गए।

कुछ देर बाद वह बेहोश हो गया। उसे करीबन 40 मिनट बाद होश आया। वह किसी तरह से अपने दोस्त सुमित के ढाबे पर पहुंचा। सुमित ने उसके चाचा संजय को इसकी सूचना दी।

# देश में चार साल में पहली बार घटी यूनिकॉर्न की संख्या

**नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

देश में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या चार साल में पहली बार घटकर 67 रह गई है। इसके बावजूद भारत ने दुनियाभर ने यूनिकॉर्न का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र होने का रुतबा कायम रखा है। एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली स्टार्टअप कंपनियों को यूनिकॉर्न कहा जाता है।

हुरुन की जारी वैश्विक यूनिकॉर्न सूचकांक-2024 के मुताबिक, ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच स्विगी और फैंटेसी गेमिंग फर्म ड्रीम11 भारत की सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका मूल्यांकन आठ-आठ अरब डॉलर है। इनके बाद रेजरपे का स्थान आता है, जिसका मूल्यांकन 7.5 अरब डॉलर है। हालांकि, भारत की दो अग्रणी यूनिकॉर्न स्विगी और ड्रीम11 वैश्विक स्तर पर सूची में 83वें स्थान हैं। शीर्ष वैश्विक यूनिकॉर्न सूची में रेजरपे 94वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, 703 यूनिकॉर्न के साथ अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर काबिज चीन में 340 यूनिकॉर्न हैं। यूके 53 यूनिकॉर्न के साथ दुनिया में चौथे स्थान पर है।

**बायजू श्रेणी से बाहर, मूल्यांकन में भारी गिरावट** - शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म बायजू अब यूनिकॉर्न की श्रेणी से बाहर हो गई है। एक साल पहले उसका मूल्यांकन 22 अरब डॉलर से अधिक था, जो अब भारी गिरावट के साथ एक अरब डॉलर से भी कम हो चुका है। बायजू के मूल्यांकन में आई इस कमी ने उसे दुनिया के किसी भी स्टार्टअप के मुकाबले सबसे बड़ी गिरावट वाली फर्म बना दिया है। हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन एवं मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगेवर्फ ने कहा, कुछ स्टार्टअप वास्तव में नाकाम हो जाते हैं। इस दौरान वे बड़े पैमाने पर मीडिया का ध्यान भी आकर्षित करते हैं। हालांकि, ऐसी कंपनियां अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

**एआई क्षेत्र में भारत की प्रगति** - भारत ने अपना पहला एआई यूनिकॉर्न क्रूटिम खड़ा किया है। एआई इनोवेशन में भारत अब भी अमेरिका और चीन से काफी पीछे है। अमेरिका में 60 और चीन में 37 एआई यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, यह स्थिति भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

**स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी** - जुनैद ने कहा, 1,453 यूनिकॉर्न की सूची में भारतीय कंपनियों की संख्या में कुल गिरावट शेयर सूचकांकों पर अच्छे लाभ के बावजूद स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी को दर्शाता है। इसके अलावा, देश के बाहर कंपनी शुरू करने की प्रवृत्ति ने भी भारत के लिए संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। भारत के फर्म संस्थापकों ने विदेश में 109 यूनिकॉर्न शुरू किए, जबकि देश के भीतर उनकी संख्या 67 है।

**45 फीसदी बढ़ा मूल्यांकन** - दुनिया के शीर्ष-10 यूनिकॉर्न में से आठ चीन और अमेरिका से हैं। ऑस्ट्रेलिया और माल्टा से एक-एक यूनिकॉर्न इस सूची में शामिल हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### थार से मुकाबला के लिए जीप उतारेगी नई कार, ऑफ-रोडिंग में देगी तगड़ा मुकाबला

**नई दिल्ली ।** स्वदेशी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा ने एक से बढ़कर एक एसयूवी पेश कर मार्केट में अपनी धाक जमाई है। महिंद्रा थार एक ऐसी एसयूवी है जिसने न सिर्फ अपने आइकॉनिक डिजाईन, बल्कि अपनी जबरदस्त ऑफ रोड क्षमताओं की बदौलत भी मार्केट में अपने पैर जमा लिए हैं। मारुती जिम्नी और फोर्स गुरखा के आने के बाद भी महिंद्रा थार का जलवा कम नहीं हुआ है। लेकिन अमेरिकन कार निर्माता कंपनी जीप ने फैसला किया है कि वो थार का मुकाबला करने के लिए अपनी नई कार पेश करेगी। जीप की ऑफ रोड एसयूवी रैंगलर को दुनिया भर में काफी पसंद किया जाता है। रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी अपनी इस दमदार ऑफ रोड एसयूवी का मिनी वेरिएंट भारत में पेश कर सकती है। जीप की इस नई कार में आपको रैंगलर से मिलता-जुलता ही डिजाईन देखने को मिलेगा। जीप की मिनी रैंगलर में आपको दमदार ऑफ-रोड फीचर्स भी देखने को मिलेंगे। जीप की मिनी रैंगलर भी थार की तरह ही बॉडी ऑन फ्रेम चेसिस पर आधारित होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो जीप की मिनी रैंगलर पेट्रोल के साथ-साथ डीजल वेरिएंट में भी पेश की जाएगी। जीप की मिनी रैंगलर में आपको 4 व्हील ड्राइव ऑप्शन भी मिलेगा और साथ ही बेहतर ऑफ रोड प्रदर्शन के लिए कार में डिफरेन्शल लॉक का फीचर भी होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार थार का मुकाबला करने आ रही जीप रैंगलर को एक पारिवारिक कार के तौर पर प्लान किया जा रहा है। इसका सीधा मतलब ये है कि कार में आपको कम्फर्ट से संबंधित काफी आकर्षक फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। जीप की मिनी रैंगलर में आपको बड़े टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ-साथ वायरलेस चार्जिंग, इलेक्ट्रिक एडजस्ट सीट, सीट वेंटिलेशन, पैनारोमिक सनरूफ और ड्यूल जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल एसी जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं। बता दें कि भारत में पिछले कुछ समय के दौरान एसयूवी की मांग काफी तेजी से बढ़ी है।

### बाबा रामदेव-आचार्य बालकृष्ण ने फिर मांगी माफी, भ्रामक विज्ञापन मामले में दायर किया हलफनामा

**नई दिल्ली ।** योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अपने उत्पादों को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली कंपनी द्वारा जारी विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। अदालत में दायर दो अलग-अलग हलफनामों में, रामदेव और बालकृष्ण ने शीर्ष अदालत के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए भी माफी मांगी है।

**अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा**

गौरतलब है कि 21 नवंबर, 2023 के आदेश में शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा, विशेष रूप से पतंजलि द्वारा निर्मित किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग से संबंधित और इसके अलावा, औषधीय को लेकर दावा करने वाला या चिकित्सा की किसी भी प्रणाली के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। मुझे अपनी गलती पर अफसोस है- बाबा रामदेव आश्वासन का पालन न करने और उसके बाद के मीडिया बयानों ने शीर्ष अदालत को नाराज कर दिया, जिसने बाद में उन्हें कारण बताने के लिए नोटिस जारी किया कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए। शीर्ष अदालत में दायर अपने हलफनामे में, रामदेव ने कहा कि मैं विज्ञापनों के मुद्दे के संबंध में बिना शर्त माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, मुझे इस गलती पर अफसोस है और मैं अदालत को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसे दोहराया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आदेश का अनुपालन किया जाएगा और इस तरह का कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। क्या है आईएमए का आरोप आईएमए ने आरोप लगाया कि पतंजलि ने कोविड-19 वैक्सीनेशन के खिलाफ एक बदनाम करने वाला कैंपेन चलाया था। इस पर अदालत ने चेतावनी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद की ओर से झूठे और भ्रामक विज्ञापन तुरंत बंद होने चाहिए। खास तरह की बीमारियों को ठीक करने के झूठे दावे करने वाले प्रत्येक उत्पाद के लिए एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने की संभावना जाहिर की।

# टिकटों की मांग बढ़ने से हवाई किराये 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़े, क्या यह विस्तारा संकट का असर है

**नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

**हवाई यात्रियों को गर्मियों में घरेलू उड़ानों के लिए अधिकद किराये भुगतान करना होगा। विस्तारा एयरलाइन की उड़ानें रद्द होने और यात्री मांग में मजबूती बने रहने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी पहले ही हो चुकी है। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी के मौसम में हर साल हवाई यात्रा की मांग अधिक रहती है। लेकिन इस साल विमानन उद्योग मांग के अनुरूप क्षमता बढ़ाने में कई चुनौतियों से जूझ रहा है। यहां तक कि घरेलू मार्गों पर बड़े विमानों का उपयोग भी कर रहा है। इस दौरान टाटा समूह की विस्तारा एयरलाइन की सौ से अधिक उड़ानें रद्द होने से हवाई किराया पहले ही बढ़ चुका है।**

पायलटों की नाराजगी का सामना कर रही एयरलाइन ने प्रतिदिन 25-30 उड़ानों यानी अपनी कुल क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के एक विश्लेषण से पता चला है कि एक से सात मार्च की अवधि की तुलना में एक से सात अप्रैल की अवधि में कुछ हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक चढ़ गया। इस अवधि में दिल्ली-बेंगलुरु उड़ानों के लिए एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि दिल्ली-श्रीनगर उड़ानों के लिए इसमें 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

विश्लेषण के मुताबिक, दिल्ली-मुंबई उड़ान सेवाओं के मामले में किराया वृद्धि 12 प्रतिशत और मुंबई-दिल्ली सेवाओं के मामले में आठ प्रतिशत थी। ट्रैवल पोर्टल यात्रा ऑनलाइन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विमान एवं होटल कारोबार) भरत मलिक ने कहा कि मौजूदा ग्रीष्मकालीन उड़ान कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों को शामिल करते हुए अनुमानित औसत हवाई किराया 20-25 प्रतिशत के बीच बढ़ने का अनुमान है। मलिक ने कहा, विस्तारा की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती के फैसले ने प्रमुख घरेलू मार्गों पर टिकट की कीमतों को प्रभावित किया है। हमने किराये में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। दिल्ली-गोवा, दिल्ली-कोच्चि, दिल्ली-जम्मू और दिल्ली-श्रीनगर जैसे प्रमुख मार्गों पर कीमतें लगभग 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि बढ़े हुए हवाई किराये का एक प्रमुख कारण विस्तारा की ओर से उड़ान संचालन में कटौती है। इसके अलावा ईंधन की बढ़ती लागत के साथ ग्रीष्मकालीन यात्रा की बढ़ती मांग ने भी किराया बढ़ाने में भूमिका निभाई है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स में वरिष्ठ निदेशक और वैश्विक प्रमुख (परिवहन एवं लॉजिस्टिक) जगन नारायण पद्मनाभन ने कहा, ''व्यस्त मौसम आते ही किराया पांच-सात प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

# सीमेंट की कीमत बढ़ने से सस्ते मकानों की घट सकती है मांग इन्फ्रा प्रोजेक्ट भी होंगे प्रभावित

**नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

देशभर में सीमेंट की कीमतें बढ़ने से किफायती यानी सस्ते मकानों के निर्माण में बाधा आ सकती है। साथ ही, ग्राहकों को आवासीय संपत्तियां खरीदने के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। इससे मकानों की बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है। रियल एस्टेट उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि किफायती मकानों के निर्माण में पहले से ही धीमापन है। अब सीमेंट के दाम बढ़ने से खुदरा ग्राहकों की खरीदारी, बड़े पैमाने पर निर्माणपरियोजनाएं और बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट प्रभावित हो सकते हैं। आने वाले समय में इसका असर रियल एस्टेट उद्योग पर दिखेगा। सीमेंट की कीमतें पिछले सप्ताह उत्तरी भारत में 10-15 रुपये, मध्य भारत में 30-40 रुपये और पश्चिमी भारत में 20 रुपये प्रति बोरी की दर से बढ़ी हैं। उद्योग के मुताबिक, कमजोर मांग से पिछले पांच महीने में सीमेंट की कीमतें घटीं थीं। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा, सस्ते मकानों की मांग पहले से ही कमजोर है। सीमेंट के दाम बढ़ने से यह लोगों की पहुंच से बाहर हो जाएगा। अन्य लागतें भी बढ़ जाएंगी।

### बिल्डर कर सकते हैं बजट का पुनर्मूल्यांकन

सीमेंट की कीमतें बढ़ने से बिल्डरों को अपने बजट का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत पड़ सकती है क्योंकि दाम बढ़ने से निर्माण लागत पर 4 से 5 रुपये का असर पड़ता है। ऐसे में वे अपने प्रोजेक्ट की संभावित कीमत में इसे जोड़ सकते हैं।

### भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। वैश्विक स्थापित क्षमता में इसका हिस्सा 8 फीसदी से अधिक है। क्रिसिल रेटिंग के मुताबिक, मकानों और इन्फ्रा गतिविधियों पर खर्च से घरेलू सीमेंट उद्योग ने 2023-24 में 8 करोड़ टन सीमेंट की क्षमता जोड़ी है। यह पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2027 तक सीमेंट खपत 45 करोड़ टन तक पहुंच सकती है। देश में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में मूल्य के लिहाज से मकानों की बिक्री 68 फीसदी बढ़कर करीब 1.11 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। पिछले साल की समान अवधि में 66,155 करोड़ रुपये के मकान बिके थे।

# पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल उच्चतम स्तर पर, फाडा ने जारी की रिपोर्ट

**नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

वित्त वर्ष 2024 में भारत में थोक बिक्री की तरह ही पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल भी उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया शीर्ष पर रही। टाटा मोटर्स अपनी बाजार हिस्सेदारी में सुधार किया और हुंडई मोटर इंडिया के साथ अंतर को कम करने में सक्षम रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने विकास पथ पर आगे बढ़ना जारी रखा। उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पीवी रिटेल सालाना 8.45प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 3,948,143 यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2023 में 3,640,399 यूनिट थी। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि एफवाय24 पीवी सेगमेंट के लिए एक मील का पत्थर वर्ष था। बढ़ी हुई आपूर्ति गतिशीलता, रणनीतिक विपणन प्रयास, लगातार बढ़ती गुणवत्ता वाली सड़क बुनियादी ढांचे और एसयूवी सेगमेंट में मजबूत मांग, जो अब 50प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखती है, ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान

दिया। मारुति ने वित्त वर्ष 2023 में 1,490,202 इकाइयों के मुकाबले वित्त वर्ष 24 में 1,605,264 इकाइयों की खुदरा बिक्री की। हालाँकि कंपनी की बिक्री में वृद्धि हुई, लेकिन इसकी बाजार हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष में 40.94 प्रतिशत से थोड़ी कम होकर 40.66प्रतिशत हो गई। वहीं हयूदै ने रिटेल सेल में 561,371 यूनिट्स बेचीं और टाटा ने एफवाय24 में 538,264 यूनिट्स की बिक्री की। एफवाय23 में हुंडई ने टाटा द्वारा 492,122 इकाइयों की तुलना में 527,481 इकाइयों की खुदरा बिक्री की।

# इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट, गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी

**नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

दक्षिण कोरिया में पहली तिमाही में इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट दर्ज की गई, जबकि गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से लेकर मार्च तक इलेक्ट्रिक व्हीकल का रजिस्ट्रेशन पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में 34,186 से गिरकर 25,550 तक आ गया। ऐसा पहली बार हुआ है जब इलेक्टिक व्हिकल की बिक्री में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इसके विपरीत, पहली तिमाही में गैसोलीन हाइब्रिड वाहन की बिक्री एक साल पहले के 68,249 से बढ़कर 99,832 इकाई हो गई। हालांकि मार्च तिमाही में गैसोलीन से चलने वाले वाहनों की बिक्री एक साल पहले के 2,41,742 से 19

प्रतिशत गिरकर 1,96,472 इकाई रह गई।वहीं, डीजल कारों की मांग में भी गिरावट देखने को मिली है। डीजल कार की बिक्री में 56 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है।

उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि ऊंची कीमतों की वजह से इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री पूरे वर्ष सुस्त बनी रह सकती है। हाल ही में इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के मामलों से लोग घबराए हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण कोरिया में साल 2020 और 2021 के दौरान पार्किंग या चार्जिंग में लगे इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के कई मामले सामने आए थे। कुछ महीने पहले, हुंडई मोटर ने 13 इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर वाहनों में आग लगने के बाद वैश्विक स्तर पर बेची गई 77,000 से अधिक कोना ईवी को वापस बुला लिया था। हुंडई और उसके बैटरी आपूर्तिकर्ता एलजी केम वापस बुलाने के कारणों को लेकर मतभेद में थे।

हालांकि, बैटरी सेल निर्माता ने बैटरियों में गड़बड़ी से साफ़ इंकार कर दिया था। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की कमी भी बड़ी मुसीबत बन रही है। इलेक्ट्रिक कारों की अधिक कीमत और वाहन लोन पर बढ़ती ब्याज दरें भी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में बाधा बन रही हैं।

# एयरटेल एक्सस्ट्रीमफाइबर अपने ग्राहकों के लिए लेकर आया है जोरदार एंटरटेनमेंट का धमाका ऑफर

**नई दिल्ली,10 अप्रैल (एजेंसियां) ।**

मनोरंजन और मानव समाज का नाता बहुत ही पुराना रहा है। आदिकाल से ही लोग अपने व्यस्तता भरे जीवन में से कुछ पल मनोरंजन के लिए निकाल ही लेते थे, ताकि वो समाज में उपलब्ध मनोरंजन के साधनों का लाभ उठाकर अपने जीवन को सुंदर, सुरस और आनंदमय बना सकें।

बीते कई वर्षों में भले ही मनोरंजन के साधनों में बदलाव आए हैं, लेकिन इस बदलाव के बीच मानव और उसका मनोरंजन के प्रति लगाव काफी बढ़ा है।

बदलते मॉर्डन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ लोगों की जीवनशैली भी काफी तेजी से बदल रही है। समय में वो हाई स्पीड इंटरनेट सेवा का इस्तेमाल करते हुए, मनोरंजन के लिए उपलब्ध कई सारे शानदार विकल्पों का लाभ उठा रहे हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के चलते लोगों को अपनी पसंद का कोई ना कोई साधन मिल ही जाता है। जिस वजह से लोग कई तरह के ओटीटी प्लेटफार्म के सब्सक्रिप्शन लेने के लिए भी काफी सजग रहते है।

लोगों की इसी दिलचस्पी को समझते

हुए एयरटेल एक्सस्ट्रीमफाइबर लेकर आया है एक शानदार ऑफर, जिसमें लोगों को बेहतरीन हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा के साथ मिलता है अनलिमिटेड मनोरंजन का शानदार ऑफर, जिसमें उन्हें 20 से ज्यादा ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और 350+ टीवी चैनल्स का सब्सक्रिप्शन पैकेज मिलता है। जिसके तहत आप घर बैठे आनंद ले सकते हैं, अपने फेवरेट मूवीज, टीवी शोज का।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम पर मिलते हैं ये ओटीटी प्लेटफॉर्म्स एयरटेल एक्सस्ट्रीमफाइबर का सब्सक्रिप्शन लेने पर आपको नेटफ्लिक्स, प्राइम, हॉटस्टार, शॉर्ट्सटीवी, डॉक्यूबे, हंगामाप्ले, सोशल स्वैग और चौपाल का एक्सेस मिलता है।

इस एक्सेस के जरिए अब आप नेटफ्लिक्स की मर्डर मुबारक हो या सोनीलिव का बहुचर्चित शो स्कैम 2003- द तेलगी स्टोरी आदि का लुफ्त उठा सकते हैं। क्या है एयरटेल एक्सस्ट्रीम एंटरटेनमेंट ब्रॉडबैंड प्लान

एयरटेल एक्सस्ट्रीम एंटरटेनमेंट ब्रॉडबैंड प्लान अपने ग्राहकों को 1 जीबीपीएस तक की बेहतरीन इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। साथ ही इस प्लान के तहत ग्राहकों को अनलिमिटेड वॉयस कॉल, विंक म्यूजिक, डिज्नी प्लस हॉटस्टार, अमेजन प्राइम, अपोलो , सब्सक्रिप्शन, वीआईपी सेवा और एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम की सदस्यता भी मिलती हैं।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम ब्रॉडबैंड प्लान की शुरुआत 699 रुपए से होती हैं, इस प्लान में ग्राहकों को मैक्सिमम 40एमबीपीएस की इंटरनेट स्पीड की सुविधा मिलती है। इसके अलावा लैंडलाइन पर अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधा मिलती है। इस प्लान के ग्राहकों को डीटीएच पर 300 से ज्यादा चैनल्स के साथ-साथ ओटीटी सदस्यता और एयरटेल एक्सस्ट्रीम का सब्सक्रिप्शन ऑफर किया जाएगा और इसकी वैधता 30 दिनों की हैं। तो क्या आप भी एयरटेल एक्सस्ट्रीम के साथ जोरदार एंटरटेनमेंट का लाभ उठाने के लिए तैयार है!

गुरुवार,11 अप्रैल, 2024
हैदराबाद
शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

# किसके हाथ, किसका खून

**चुनाव** में हिमाचली चरित्र फिर फंसा- फिर धंसा नजर आ रहा है, तो इसकी वजह छोटे राज्य की तासीर में पार्टियों के नेतृत्व में आ रहा खोट है। इस बार चरित्र का नया जाल बुनकर राजनीति कुछ गुनाह कर चुकी है और कई चुनावों की ओट में चल रहे हैं। यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच भी संगठन की चारित्रिक पृष्ठभूमि का अंतर स्पष्ट है। बेशक भाजपा के हाथ कांग्रेस के खून से रंगे देखे जा सकते हैं, लेकिन जब घाव ही खुद किए हों तो लहू का रिसना कत्ल नहीं। सत्ता का चरित्र हिमाचल के आचरण से कहीं भिन्न होता जा रहा है, यह हम पिछली कुछ सरकारों के दौर से निरंतर देख रहे हैं, लेकिन इस बार बेडियां पहनाकर कत्ल हुए जिसकी जागीर में, वही कह रहा कि कानून को लूट लिया लुटेरों ने। सरकार के कठघरे में पहली बार कांग्रेस के ही बीज नजर आए, जो अब उगे तो खड़पतवार बन गए। सवाल छह विधायकों की जमीर का हमेशा रहेगा, इसलिए खरीद-फरोख्त की तोहमतें उछल रही हैं। हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं। इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिडक़ाव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे। दूसरी ओर पंद्रह करोड़ की राशि से अगर कोई विधायक बिक सकता है, तो यह वक्तव्य आगे चलकर घमासान मचा सकता है। इसे साबित करने की नौबत दिखाई देती है। क्या इन्हीं मुद्दों पर हिमाचल अब आगे बढ़ेगा या यह मान लिया जाए कि सियासत में यही चलेगा। कम से कम प्रचार के पहले चरण में ही कांग्रेस की धमाकेदार एंट्री के बावजूद कहीं जख्म रिस रहे हैं। दर्द छह विधायक खोने का न भी हो, उपचुनावों में ताली बजाने का भी हो सकता है। आश्चर्य यह कि पक्ष का पहला विरोधी पक्ष कभी पार्टी के जिगर में तो रहा ही है। कांग्रेस के टिकट पर लड़े और जीते छह विधायकों को कोस कर पार्टी कम से कम भाजपा को तो नहीं कोस रही। प्रहार का सारा मैदान अगर छह बागियों के चक्कर में खत्म हो गया, तो भाजपा 'तेरी खैर नहीं' कब कहा जाएगा। जो भी हो जनता में राजनीतिक घटनाक्रम से खिन्नता जरूर बढ़ रही है। अगर सरकार साबित कर दे कि 15 करोड़ में कोई बंदा बिका है, तो जनता की सजा तय है, लेकिन दूसरी ओर अदालती पचड़ों में बात आगे बढ़ती है, तो भी राज्य को झेलना पड़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में राज्य का चरित्र चौराहे पर है और आम नागरिक अपने ही मत पर अविश्वास प्रकट कर सकता है। जनता ने इसलिए कांग्रेस को जनादेश नहीं दिया था कि चरित्रहनन की तोहमतें उसे परेशान करें, बल्कि बदलाव, नए प्रयोग, सुशासन, चारित्रिक आश्वासन और सुखद भविष्य के लिए सत्ता पार्टी को सौंपी थी। जनादेश की प्रतिबद्धता यह छूट नहीं देती कि सत्ता से कुछ लोगों को खारिज करके शाबाशी ली जाए या एक दूसरे के ऊपर अंगुली उठाकर मनोरंजन किया जाए। हिमाचल आहत है कि कांग्रेस का बेपर्दा आचरण भ्रम पैदा कर रहा है। राजनीति में देवता तो आएंगे नहीं, लेकिन दायित्व भी अगर सूली पर टंगा नजर आए, तो किसके भरोसे राज्य की तस्वीर बदलेगी। हमें नहीं मालूम कौन बिका, कितने का बिका और किसलिए बिका, लेकिन कांग्रेस के भीतर आरपार की लड़ाई का हर तर्क परेशान करता है। हिमाचली संघर्ष हमेशा केंद्र की परिपाटी में अपना पसीना देखता है, लेकिन यहां तो खुद ही खरी खोटी सुनाने पर आमदा सियासत यह बता रही है कि हम सियासत के कुएं को बेहद गंदा कर चुके हैं। निर्लज्जता से भरा घटनाक्रम और कितना नीचे गिरेगा, अब यही सवाल प्रत्येक हिमाचली के दर्पण पर खड़ा है। गिरने की कोई सीमा नहीं और यह धीरे-धीरे साबित होने लगा है।

> हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं। इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिडक़ाव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे।

## दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया

# नकली दवाओं से जीवन-रक्षा पर बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

> भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दापाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

**दवाओं** में मिलावट एवं नकली दवाओं का व्यापार ऐसा कुत्सित एवं अमानवीय कृत है जिससे मानव जीवन खतरे में हैं। विडम्बना है कि दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण का कोई नियम नहीं है और स्वयं कंपनियां ही अपनी दवाओं की गुणवत्ता का सत्यापन करती हैं। यह ठीक नहीं और ऐसे समय तो बिल्कुल भी नहीं, जब दवाओं की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में जागरूकता बढ़ रही है। चूंकि भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दापाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। कुछ दिन पहले ही कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सुप्रीम कोर्ट में स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ दायर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका की सुनवाई करते हुए सख्त नाराजगी जाहिर की है। समय आ गया है, आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण से जुड़ी कंपनियों की दवा परीक्षण-प्रणाली की ठोस निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह आवश्यक है कि दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल के भरोसेमंद एवं सख्त नियम बनाए जाये। इन नियमों के दायरे में निर्यात होने वाली दवाएं भी आनी चाहिए और देश में बिकने वाली दवाएं भी, क्योंकि जहां नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं निर्यात होने से भारत की प्रतिष्ठा धूमिल होती है, वहीं इनका उपयोग देश में होने से



लोगों का जीवन खतरे में आ जाता है। यह तय है कि हमारे देश में आयुर्वेद की बेहद समृद्ध चिकित्सा पद्धति है और करोड़ों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित भी हुए हैं। इस बात से आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथी) या आईएमए का कोई झगड़ा या विरोध भी नहीं है, परेशानी प्रामाणिकता की कसौटी पर खरी आधुनिक चिकित्सा पद्धति को निराधार चुनौती देने और लोगों को गुमराह करने को लेकर है। इन दोनों पद्धतियों के पेशेवरों और दवाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों को स्वस्थ करना है। मगर दुर्योग से दोनों पद्धतियों में कुछ लोभी कारोबारी नकली दवाओं के जरिये बेबस लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। जीवन रक्षक दवाइयों के मामलों में दवा बदलने का मौका नहीं होता है, यहां मिलावट आपको सीधा मौत देती है। दवा व्यवसाय में चलने वाली यह अनैतिकता एवं अप्रामाणिकता बेचैन करने वाली है। मिलावट व्यवसाय की एक बड़ी विसंगति एवं त्रासदी है। दूध में जल, शुद्ध घी में वनस्पति घी अथवा चर्बी, महँगे और श्रेष्ठतर अन्नों में सस्ते और घटिया अन्नों आदि के मिश्रण को साधारणतः मिलावट या अपमिश्रण कहते हैं। किंतु मिश्रण के बिना भी शुद्ध खाद्य को विकृत अथवा हानिकर किया जा सकता है और उसके पौष्टिक मान-फूड वैल्यू को गिराया जा सकता है। दूध से मक्खन का कुछ अंश निकालकर उसे शुद्ध दूध के रूप में बेचना, अथवा एक बार प्रयुक्त चाय की साररहित पत्तियों को सुखाकर पुनः बेचना मिश्रणरहित अपद्रव्यीकरण के उदाहरण हैं। इसी प्रकार बिना किसी मिलावट के घटिया वस्तु को शुद्ध एवं विशेष गुणकारी घोषित कर झूठे दावे सहित आकर्षक नाम देकर, लुभावने विज्ञापनों से जनता को ठगा जाना अपराध है। पतंजलि आयुर्वेद संस्थान ऐसा ही करते हुए मोटा मुनाफा कमाता रहा है। दरअसल, पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों का पूरा मसला ही अपने आप में एक बड़ा मामला है, खासकर दवाओं के मामले में इसके परिणामों की प्रकृति इसे और गंभीर बना देती है। ऐसे में, अदालत ने केंद्र व राज्य सरकारों के रवैये पर भी गंभीर टिप्पणी की है, विडंबना यह है कि जिस आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन और इसके ऊंचे ओहदेदारों के बड़बोलेपन के खिलाफ अदालत की शरण ली है। लेकिन प्रश्न है कि आईएमए ऐसे कितने मामलों में ऐसी जागरूकता बरतती है। अदालत ने अपनी टिप्पणियों में एक बार फिर जता दिया है कि कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून की महिमा सबसे ऊपर है। दवा व्यवसाय में एक से बढ़कर एक घातक एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति सामने आ रही है। अब आयुर्वेदिक औषधियों को तत्काल राहत देने वाली बनाने के लिए एलोपैथी दवाओं के रसायनों को अवैज्ञानिक तरीके से मिलाने का खतरनाक कारोबार चर्चा में है, जो गंभीर चिंता का विषय बन रहा है। मध्यप्रदेश में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राजधानी सहित आसपास के नगरों की दवा दुकानों पर छापा मारकर आठ करोड़ 23 लाख रुपये मूल्य की ऐसी आयुर्वेदिक दवाएं जब्त की हैं जिनके बारे में दावा किया जा रहा था कि इनमें रोगों से लड़ने की चमत्कारी शक्ति है। जांच में तथ्य सामने आये हैं कि आयुर्वेदिक दवा वताहारी वटी तथा चंदा वटी में एलोपैथी दवा डाइक्लोफेनिक व एसिक्लोफेनिक को मिलाकर अवैध फार्मूला विकसित किया गया है जिसे दवा विक्रेता जादुई बताकर देश के विभिन्न हिस्सों में बेच रहे थे। उक्त दोनों रसायनों का उपयोग एलोपैथी में दर्द निवारक के रूप में किया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार इस फार्मूले का तात्कालिक प्रभाव भले ही चमत्कारी लगे किंतु दूरगामी परिणाम घातक हैं। इसका यकृत, गुर्दा तथा पेट के अन्य अंगों पर स्थाई दुष्प्रभाव हो सकता है। पिछले दिनों विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि एक जून से कफ सिरप निर्यातकों को विदेश भेजने के पहले अपने उत्पादों का निर्धारित सरकारी प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराना आवश्यक होगा।

दृष्टि कोण

# क्या केजरीवाल नैतिक आधार खो चुके हैं?

**21** मार्च, 2024 को दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आर्थिक अपराधों के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सरकार की शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसके बाद केजरीवाल को उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायिक कार्यालय से राहत नहीं मिली, और केजरीवाल ने सर्वोच्च न्यायालय से अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया, जिसके कारण वे ही जानते हैं। हालांकि, कांग्रेस पहले से केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार की आलोचना करती रही है, लेकिन अब उसने केजरीवाल का समर्थन करते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया है। चूंकि चुनाव नजदीक हैं और केजरीवाल एक महत्वपूर्ण नेता हैं, और उनकी पार्टी दो महत्वपूर्ण राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ गया है। कुछ लोग उनकी गिरफ्तारी को अनुचित मान सकते हैं और कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि इसका उल्टा असर मौजूदा केंद्र सरकार पर पड़ सकता है, क्योंकि केजरीवाल लोगों की सहानुभूति भी बटोर सकते हैं। लेकिन पहला सवाल यह है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है? दूसरा सवाल यह है कि आखिर यह शराब नीति क्या है? क्यों इसके कारण पहले केजरीवाल के सिपहसालार मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल पहुंचे और अब खुद केजरीवाल। तीसरा सवाल यह है कि शराब नीति और इसके संचालन में भ्रष्टाचार के आरोप क्या सही हैं? चौथा सवाल यह है कि केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के भारी प्रयास के बावजूद आम जनता से सहानुभूति क्यों नहीं पा रहे हैं। इस लेख में केजरीवाल शराब नीति और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जा रही है। सबसे पहले यह जानना दिलचस्प होगा कि उक्त शराब नीति को उसके अस्तित्व में आने के एक साल के भीतर ही न्यायपालिका या किसी केंद्रीय एजेंसी ने नहीं, बल्कि खुद केजरीवाल सरकार ने वापस ले लिया। तब से ही उक्त नीति की ईमानदारी पर संदेह हैं। यह शराब नीति क्या है : केजरीवाल शराब नीति लागू होने से पहले, सरकारी और निजी दुकानों पर खुदरा शराब बेची जाती थी। बेची जाने वाली शराब पर उत्पाद शुल्क और मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूला जाता था। उल्लेखनीय है कि चूंकि राज्य सरकारों के आग्रह पर पेट्रोलियम उत्पादों, शराब और प्रसाधन सामग्री को जीएसटी से बाहर रखा गया था, इसलिए शराब पर उत्पाद शुल्क राज्य




सरकार, इस मामले में केजरीवाल सरकार का विषय है। केजरीवाल शराब नीति में, दिल्ली के क्षेत्रों को 32 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था, जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 27 दुकानों का प्रावधान रखा गया। इसका मतलब यह था कि प्रत्येक वार्ड में 2-3 शराब विक्रेता होंगे। नई आबकारी व्यवस्था में शहर के 32 क्षेत्रों में समान रूप से वितरित 849 विशाल और वातानुकूलित शराब की दुकानों की परिकल्पना की गई थी। केजरीवाल की शराब नीति को लाने के पीछे एक महत्वपूर्ण तर्क यह था कि इससे उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़े होने के संघर्ष के बिना, वातानुकूलित दुकानों में आसानी से 'शराब खरीदने का सुखद अनुभव' मिलेगा। शराब नीति को 32 जोनों के लाइसेंस की नीलामी से लगभग 10000 करोड़ रुपए की कुल आय की उम्मीद थी। यह पिछले 3 वर्षों के औसत राजस्व 5500 करोड़ रुपए से लगभग दोगुना माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल शराब नीति से पहले दिल्ली में 12 से 13 लाख बोतल शराब बिकती थी, जिस पर आबकारी शुल्क और वैट लगाया जाता था। जब केजरीवाल सरकार की शराब नीति पेश की गई तो आबकारी शुल्क और वैट घटाकर एक-एक प्रतिशत कर दिया गया और इसकी जगह लाइसेंस की नीलामी की गई और जिन विक्रेताओं को लाइसेंस दिए गए थे, वे शराब की कितनी भी बोतलें बेचने के लिए स्वतंत्र थे। इससे शराब की बिक्री में तेजी आने लगी और उपभोक्ताओं को सुखद अनुभव देने के लिए मॉल्स में अधिक दुकानें भी खोली जाने लगीं। थोक विक्रेताओं का विवादास्पद लाइसेंस और कमीशन : केजरीवाल शराब नीति के साथ-साथ एक और नीति भी शुरू की गई, जो स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी, जिसमें पूर्व में सिर्फ 5 प्रतिशत की तुलना में थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन की अनुमति दी गई।

कुछ अलग

# इतिहास के गुमनाम नायक

**वजीर** राजपूत राम सिंह पठानिया के साहस की प्रशंसा का गीत है : 'किला पठानिया खूब लधाय्या, बल्ली पठानिया खूब लधाय्या, डाली दिया धारा दफ़ाली जो बजड़ी, कुमनी बज्जय तामूर...।' भारत के स्वतंत्रता संग्राम के भूले हुए नायकों को याद करते हुए देश में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हमें मुख्यधारा के हिस्से के रूप में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी के भूले हुए नायकों के आख्यानों को गले लगाने की आवश्यकता है। चाहे जितनी तरह से कही जाए और जितनी बार, आजादी की कहानी से कुछ छूट ही जाता है, चाहे कितने भी तरीके और कितनी बार कहा जाए, जब स्वतंत्रता संग्राम की कहानियों की बात आती है तो कुछ बातें हमेशा अनकही रह जाती हैं। यह सच है कि इतिहास 'जो हुआ उसका आख्यान' है, लेकिन यह तय नहीं है, यह लगातार विकसित होता है। जब समुदाय जागरूक और मुखर हो जाते हैं, तो वे अपने अनसुने इतिहास का पता लगाते हैं और मुख्यधारा के आख्यानों पर दावा करते हैं। इस प्रकार, जागरूक समुदायों का इतिहास दो तरह से उभरता है : अकादमिक इतिहास के रूप में और सार्वजनिक इतिहास के रूप में। स्वतंत्रता सेनानी वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया (1824-1849) का नाम महान सपूतों में गिना जाता है। उन्होंने मु_ी भर साथियों के साथ अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिलाकर रख दी थी। उस वक्त वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया की उम्र महज 24 साल थी। इस वीर सपूत का जन्म नूरपुर रियासत के वजीर श्याम सिंह के घर 10 अप्रैल 1824 को हुआ था। उनके पिता नूरपुर रियासत में राजा वीर सिंह के वजीर थे। अंग्रेजों को भी पता था कि वो वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया को आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। ऐसे में उन्होंने प्लान बनाया और जब वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया पूजा-पाठ कर रहे थे, तब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, आजीवन कारावास की सजा सुनाकर कालापानी भेज दिया और बाद में उन्हें रंगून भेजा गया। 11 नवंबर 1849 को मातृभूमि की रक्षा करते हुए मात्र 24 साल की उम्र में वीरगति को प्राप्त हो गए। राजपूत राम सिंह पठानिया एक किशोर राजपूत अंग्रेजों के खिलाफ उत्प्रेरक बन गया। बहादुरी के कुछ कृत्यों को पदक या प्रशंसा से सम्मानित किया जाता है, और लोग कुछ को सदियों तक याद करते हैं, लेकिन शायद ही कभी बहादुरी के कार्य की पूजा की जाती है। वजीर राम सिंह पठानिया ने इतना त्रुटिहीन काम किया कि लोगों ने उनके लिए एक मंदिर समर्पित किया। उनकी बहादुरी ने उन्हें भगवान की स्थिति तक पहुंचा दिया। राजपूत राम सिंह पठानिया भारतीयों के लिए तत्काल स्वतंत्रता नहीं लाए, लेकिन यह भारतीय लोगों में एकता लाए और ब्रिटिश सरकार के कब्जे के प्रतिरोध के लिए उत्प्रेरक बन गए। राजनीति, वैचारिक और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों के चलते इतिहासकारों ने कई महानायक बना दिए, यहां तक कि कई ऐसे भी जो इस लायक नहीं थे। इसका खामियाजा भुगतना पड़ा, उन लोगों को जिन्होंने देश पर अपनी जान बलिदान कर दी, लेकिन लोग उन्हें जानते तक नहीं। यह लेख उन गुमनाम नायकों में से एक राजपूत राम सिंह पठानिया के बारे में है जिनको भारतीय इतिहास की किताबों में वो जगह नहीं मिली जिसके कि वो हकदार थे। यहां तक कि उनका योगदान आप जिनको महानायक कहते हैं, उनसे भी ज्यादा था। हर एक व्यक्ति देश पर अपनी जान बलिदान कर फांसी चढने वाले भगत सिंह को तो जानता है, लेकिन क्या किसी को पता है एक भारतीय युवा राजपूत राम सिंह पठानिया ने पूर्व तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर रॉबर्ट पील के भतीजे ब्रिटिश अधिकारी जॉन पील को तलवार से मौत के घाट उतारा था? 1857 का विद्रोह, जिसने ब्रिटिश सरकार को मूल रूप से हिला दिया था।

देश दुनिया से

# 'लाठी के जोर पर लोकतंत्र' कायम रखना चाहती हैं सीएम ममता बनर्जी

> संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है।

**लोकसभा** की 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में चुनावी कोलाहल कुछ ज्यादा ही सुनाई पड़ रहा है। छोटा संदेशखाली कहे जा रहे पूर्व मिदनापुर के भूपतिनगर में छह अप्रैल को एनआईए की टीम पर हमले ने साफ कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की मशीनरी किस तरह ध्वस्त हो गई है। वर्ष 2022 में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर में एक तृणमूल नेता के घर बम विस्फोट हुआ और तीन लोगों के चीथड़े उड़ गए। दो घायल फरार हो गए थे। एनआईए को तभी से उन दोनों की तलाश थी। एनआईए को जांच का जिम्मा कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया था। कई बार समन भेजने के बावजूद ये आरोपी हाजिर नहीं हो रहे थे। सफाई देते हुए पांच अप्रैल की सभा में ममता ने उस विस्फोट को पटाखे का विस्फोट बताया। सवाल है कि क्या पटाखा फटने से शरीर के अंग डेढ़ किलोमीटर दूर जा सकते हैं। हद तो तब हो गई, जब मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि लोगों ने वही किया, जो करना चाहिए था। बंगाल पुलिस ने तो एनआईए की टीम पर ही महिलाओं से छेड़खानी का केस दर्ज कर लिया। संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है। ममता सरकार ने संदेशखाली में कैंप लगाकर जिन लोगों की हड़पी गई जमीनें वापस लौटाईं, उन पर शाहजहां की गिरोह के दूसरे लेयर के उपद्रवी कब्जा नहीं करने दे रहे। आज भी पुलिस के असहयोग का आलम यह है कि बलात्कार पीड़ति महिलाएं घूंघट में आकर कलकत्ता हाईकोर्ट में बयान दर्ज करा रही हैं। कई कारणों से सिर्फ बशीरहाट सीट का जनादेश पूरे बंगाल का भविष्य इंगित करेगा। इसी निर्वाचन क्षेत्र में संदेशखाली है, जहां की डरावनी कहानियां झकझोर देती हैं। हिंदी में ठीक-ठाक बात करने में सक्षम रेखा पात्रा को तृणमूल ने बाहरी मान लिया है। वैसे, तृणमूल हिंदी बोलने वालों को बाहरी ही कहती रही है। कुछ साल पहले आसनसोल में एक चुनावी सभा में ममता ने हिंदी भाषियों को अतिथि कहा था। ऐसे माहौल में, भाजपा ने सही दांव चलते हुए संदेशखाली की पीड़िताओं को एकजुट करने वाली रेखा पात्रा को उम्मीदवार बनाया, ताकि पूरे चुनाव में महिला सम्मान का विमर्श जिंदा रहे। ममता की बड़ी ताकत राज्य की 49 प्रतिशत महिला वोटर हैं। इस सीट पर तृणमूल ने मुस्लिम आबादी को देखते हुए एक बार सांसद रह चुके हाजी नुरुल इस्लाम को टिकट दिया है, जिन पर वर्ष 2010 में इसी इलाके में दंगे भड़काने का आरोप लगा था। अभी चार अप्रैल को उत्तर बंगाल की चुनावी सभा में ममता ने लोगों से कहा कि वे दंगा न करें, और दंगा न होने दें।



रामनवमी से ठीक पहले यह संदेश जारी करने की क्या जरूरत थी? बशीरहाट का बड़ा हिस्सा सुंदरबन के जंगलों व टापुओं पर बनी बस्तियों से घिरा है। यहां साढ़े 17 लाख मतदाता हैं, जिनमें करीब 87 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इस क्षेत्र में लगभग 46.3 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अनुसूचित जाति के करीब 25.4 प्रतिशत लोग हैं और रेखा पात्रा इसी समुदाय से हैं। पिछले दो महीनों से इलाके की महिलाओं के लक्ष्मी भंडार के रुपये खातों में नहीं आ रहे हैं। इन महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए पूछा कि क्या यह राशि तृणमूल दे रही है? इन मेहनतकश महिलाओं के प्रति किसी की ममता अगर नहीं छलकती है, तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? सात अप्रैल को उत्तरबंगाल के धूपगुड़ी में चुनाव प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि अपराधियों को बचाने के लिए तृणमूल सरकार केंद्रीय एजेंसियों पर हमले करवा रही है। मुख्यमंत्री होकर राष्ट्र से लड़ने का दुस्साहस दीदी को भारी पड़ सकता है। कई बार शक होता है कि कहीं ममता खुद ही राज्य को राष्ट्रपति शासन की ओर तो नहीं ले जा रही हैं, ताकि क्षेत्रीयता का बवंडर उठाया जा सके? हालांकि भाजपा ऐसा 'मौका' नहीं देने के पक्ष में है।

आप का नजरिया

# क्या महाशक्ति-सा जीवन स्तर?

**चूंकि** आम चुनाव का मौसम उफान पर है, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी देश को जो गारंटी दे रहे हैं, वह यह है कि उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। प्रधानमंत्री देश को आश्वस्त कर रहे हैं कि 2047 में 'विकसित भारत' का संकल्प पूरा करने को वह 24 घंटे, सातों दिन काम में जुटे रहते हैं। फिलहाल भारत अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमरीका की अर्थव्यवस्था 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक और चीन की 19 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था है। भारत का जीडीपी 3.8 ट्रिलियन डॉलर के करीब है, जबकि जापान और जर्मनी का जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का है। भारतीय जीडीपी की आर्थिक विकास दर जिस गति से आगे बढ़ रही है, उसके मद्देनजर 2028 तक वह जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान की आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। भारत यूपीए सरकार के दौरान विश्व की 10वीं अर्थव्यवस्था था। वहां से छलांग लगाकर वह 5वीं महाशक्ति बना है, यह एक महान उपलब्धि है। भारत के नागरिकों और उद्योगों ने ही यह खूबसूरत, गौरवपूर्ण स्थान हासिल किया है। 2014-15 में हमारी औसत विकास दर 5.9 फीसदी रही थी, जबकि 2023-24 के दौरान यह 6.8 फीसदी से भी कम रही है। हम विभिन्न सरकारों के कार्यकालों में विकास दर की तुलना नहीं करना चाहते। यह परिस्थितिजन्य भी होता है कि विकास दर कम-ज्यादा होती रहती है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान हमारी आर्थिक विकास दर डूब कर नकारात्मक हो गई थी। भारत उन परिस्थितियों से भी बाहर निकल कर 5वीं महाशक्ति पर अडिग रहा है। यदि जापान और जर्मनी की विकास दरें मौजूदा स्तर के करीब ही रहीं, तो भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान जल्दी भी हासिल कर सकता है, लेकिन अर्थव्यवस्था के विस्तार की तरह यह मुद्दा भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत का औसत जीवन-स्तर कैसा है? क्या औसत भारतीय का जीवन-स्तर एक महाशक्ति जैसा है? भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2500 डॉलर है, जो चीन की 13,000 डॉलर से बहुत कम है। 1990 के हालात और संदर्भों का आकलन करें, तो भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 369 डॉलर थी, जबकि चीन 348 डॉलर के साथ हमारी तुलना में पीछे था। आज चीन की अर्थव्यवस्था इतनी आगे है कि भारत उसे छूने की कल्पना भी नहीं कर सकता। आखिर तीन दशकों के दौरान चीन हमसे इतनी आगे कैसे निकल गया, यह एक बेहद विचारणीय सवाल है। सिर्फ 'विकसित भारत' के नारे उछालने से ही लक्ष्य हासिल नहीं होगा। 2047 में कौन-सा प्रधानमंत्री देश के प्रति जवाबदेह होगा? क्या वह मौजूदा प्रधानमंत्री की वैचारिक लकीर को ही आगे बढ़ाएगा? यदि भिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधि हुआ, तो कोई जरूरी नहीं कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मान्यता दे।

# नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की होती है पूजा

## इस पूजाविधि और मंत्र से खुश हो पूरी करती हैं हर इच्छा

मां दुर्गा का तीसरा रूप चंद्रघंटा है। नवरात्र के तीसरे दिन माता चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। मां चंद्रघंटा का यह स्वरूप बेहद ही सुंदर, मोहक, अलौकिक, कल्याणकारी व शांतिदायक है। माता चंद्रघंटा के माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्रमां विराजमान है, जिस कारण इन्हें चंद्रघंटा के नाम से जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि मां अपने भक्तों से प्रसन्न होकर उन्हें शांति व समृद्धि प्रदान करती हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां चंद्रघंटा संसार में न्याय व अनुशासन स्थापित करती हैं। मां चंद्रघंटा देवी पार्वती का विवाहित रूप हैं। शिव जी से विवाह करने के बाद मां ने अपने मस्तक पर अर्धचंद्र सजाना शुरू कर दिया था, इसीलिए मां पार्वती को मां चंद्रघंटा के नाम से जाना जाता है।

मां चंद्रघंटा शेर पर सवार हैं। वो धर्म का प्रतीक हैं। उनका शरीर चमकीला सुनहरा है। मां चंद्रघंटा अपने भक्तों की सभी इच्छाओं को पूरा करती हैं।

**देवी चंद्रघंटा की पूजा से मिलती है आध्यात्मिक शक्ति**

आचार्य पंडित उमाशंकर पांडेय ने बताया कि देवी चंद्रघंटा की पूजा और भक्ति करने से आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। बताया कि नवरात्रि के तीसरे दिन जो भी माता के तीसरे रूप मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना करता है, उन सभी को माता की कृपा प्राप्त होती है।

नवरात्रि के तीसरे दिन माता की पूजा के लिए सबसे पहले कलश की पूजा करके सभी देवी देवताओं और माता के परिवार के देवता, गणेश, लक्ष्मी, विजया, कार्तिकेय, देवी सरस्वती एवं जया नामक योगिनी की पूजा करें। इसके बाद फिर मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना करें।

**इन मंत्रों का करें जाप**

या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

पिण्डज प्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते महयं चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

**खीर का लगाएं भोग**

नवरात्रि के तीसरे दिन माता की पूजा करते समय माता को दूध या दूध से बनी मिठाई और खीर का भोग लगाया जाता है। मां को भोग लगाने के बाद दूध का दान भी किया जा सकता है और ब्राह्मण को भोजन करवा कर दक्षिणा दान में दें। माता चंद्रघंटा को शहद का भोग भी लगाया जाता है।

## नवरात्रि – असंतुलन से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने का समय

अष्टाँग योग के पाँच नियमों में से एक नियम है 'तप' जिसका अर्थ है अपने शरीर को किसी भी रूप में कष्ट देकर तपाना। तप, एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, जो कि नकारात्मक कर्मों को निष्फल करने में और आत्मिक उत्थान में सहायक होती है। उपवास भी स्वयं को तपाने का एक माध्यम है। यही कारण है कि शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए, नवरात्रों में उपवास किए जाते हैं। देवी माँ के दस 'शक्ति'– रूप– शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रकान्ता, कुशमंदा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री तथा अपराजिता, इन नौ रातों और दस दिनों में समाये हुए हैं। इस प्रकार, नवरात्रों में, प्रत्येक रात की एक विशेष शक्ति है और उस शक्ति का एक विशेष उद्देश्य ।

इस अवधि के दौरान मौसम परिवर्तन होता है, अर्थात सृष्टि की विभिन्न शक्तियाँ एक असंतुलन से संतुलन की ओर बढ़ती हैं। चूँकि, हम इस सृष्टि के पूर्ण अंश हैं, तो इस समय में हमारी प्राण शक्ति भी सृष्टि की अन्य शक्तियों की तरह एक संतुलन, एक पुनः निर्माण की प्रक्रिया से होकर गुजरती है। इस समय शरीर को अल्प और सुपाच्य आहार के माध्यम से हल्का रखा जाता है तथा सम्पूर्ण विषहरण के लिए, उपवास के अलावा कुछ विशेष मन्त्रों का जाप भी किया जाता है।

नौ दिनों तक शरीर को पुनः संगठित किया जाता है और दसवें दिन एक नयी ऊर्जा, एक नयी शक्ति को ग्रहण किया जाता है। साधक की क्षमता व आवश्यकता अनुसार ही 'गुरु' उसके लिए उपवास व मन्त्र साधना निर्धारित करते हैं। बिना किसी निरिक्षण या वज़न घटाने के उद्देश्य से किए गए उपवास का शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जो कि शरीर में असंतुलन पैदा करता है। किसी भी उपवास या साधना का परिणाम तभी फलित होता है जब वह वैराग्य भाव से किया जाता है। इसलिए किसी भी उपवास या साधना से पूर्व वैराग्य भाव अति आवश्यक है जो कि अष्टाँग योग और सनातन क्रिया के अभ्यास द्वारा सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। अश्विनी गुरुजी ध्यान आश्रम के मार्ग दर्शक हैं ।

**–अश्विनी गुरुजी**

# हिंदू धर्म में क्या है अखंड पाठ का महत्व

## जानें इसके नियम और लाभ

अखंड पाठ का अर्थ है किसी धार्मिक ग्रंथ का लगातार और बिना रुके पाठ करना। यह पाठ आमतौर पर 24 घंटे तक चलता है, लेकिन यह 7 दिन, 11 दिन, या 40 दिन तक भी किया जा सकता है। अखंड पाठ का आयोजन किसी विशेष अवसर पर, जैसे कि जन्मदिन, विवाह, या त्योहार के अवसर पर किया जाता है। इस प्रकार के पाठ का महत्व पावन ग्रंथों में विशेष रूप से उज्वल है। अखंड पाठ के द्वारा विशेष प्राणायाम, मंत्र, जाप या कोई धार्मिक पाठ किया जाता है, जिससे मन और आत्मा को शांति और ऊर्जा मिलती है। यह अनुष्ठान एकाग्रता को बढ़ाता है और आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में सहायक होता है।

अखंड पाठ का प्रारंभ किसी विशेष मुहूर्त में किया जाता है, जैसे नवरात्रि, शिवरात्रि, जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा आदि। इन अवसरों पर धार्मिक ग्रंथों के पाठ का अखंडता से किया जाता है, जिससे उन्हें आशीर्वाद मिलता है और आत्मशक्ति बढ़ती है। अखंड पाठ के द्वारा समाज में सामूहिक भावना विकसित होती है और साथ ही संगठन और एकता की भावना को मजबूती मिलती है। यह सामाजिक समरसता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम होता है।

संगीत, भजन, कीर्तन, विचार और साहित्य सहित धार्मिक ग्रंथों का पाठ किया जाता है, जो समुदाय में एक साथ आत्मानुभूति और शांति की भावना को उत्पन्न करता है। अखंड पाठ से समुदाय के सदस्य एक-दूसरे के साथ सांझा करते हैं और साथ ही धार्मिक आदर्शों की पालना करते हैं। इससे सामाजिक सांस्कृतिक समृद्धि का भी विकास होता है।

**अखंड पाठ के नियम**–पाठ करने वाले व्यक्ति को शुद्ध और पवित्र होना चाहिए। इसका मतलब है कि उन्हें स्नान करना चाहिए, स्वच्छ कपड़े पहनने चाहिए, और मन को शांत रखना चाहिए। पाठ करने वाले व्यक्ति को एकाग्रता और भक्ति भावना के साथ पाठ करना चाहिए। उनका ध्यान पाठ पर होना चाहिए और उन्हें अन्य विचारों से दूर रहना चाहिए। पाठ करते समय कोई भी रुकावट नहीं आनी चाहिए। इसका मतलब है कि पाठ करने वाले व्यक्ति को बीच में रुकना नहीं चाहिए, और उन्हें सभी नियमों का पालन करना चाहिए। पाठ के दौरान सभी नियमों का पालन किया जाना चाहिए। व्यक्ति को एक निश्चित स्थान पर बैठना चाहिए। पाठ करते समय उन्हें दीपक जलाना चाहिए। अगरबत्ती जलाना चाहिए और उन्हें फूल चढ़ाना चाहिए।

**अखंड पाठ के लाभ** –मन को शांति और सुख प्राप्त होता है। अखंड पाठ करने से मन शांत होता है और सुख की प्राप्ति होती है। भक्ति भावना में वृद्धि होती है। अखंड पाठ करने से भक्ति भावना में वृद्धि होती है और भगवान के प्रति प्रेम बढ़ता है। नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। अखंड पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अखंड पाठ करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और भगवान की कृपा प्राप्त होती है। रोगों से मुक्ति मिलती है। अखंड पाठ करने से रोगों से मुक्ति मिलती है और स्वास्थ्य में सुधार होता है। धन-समृद्धि प्राप्त होती है। अखंड पाठ करने से धन-समृद्धि प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति आती है। मोक्ष की प्राप्ति होती है। अखंड पाठ करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और आत्मा को मुक्ति मिलती है।

अखंड पाठ का आयोजन करने से पहले आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। पाठ करने वाले व्यक्ति का चुनाव करते समय ध्यान रखें कि वह शुद्ध और पवित्र हो, और उसे एकाग्रता और भक्ति भावना के साथ पाठ करने की क्षमता हो। पाठ की अवधि अपनी क्षमता और सुविधानुसार निर्धारित करें। पाठ की सामग्री अपनी पसंद और आवश्यकतानुसार निर्धारित करें। पाठ का स्थान शांत और पवित्र होना चाहिए। पाठ के लिए आवश्यक सामग्री, जैसे कि धार्मिक ग्रंथ, दीप, अगरबत्ती, आदि की व्यवस्था करें। अखंड पाठ का आयोजन करते समय सभी नियमों का पालन किया जाए। अखंड पाठ एक बहुत ही शक्तिशाली धार्मिक अनुष्ठान है। इसका आयोजन करने से आपको कई लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

# हनुमान जी की पूजा करने से क्यों कम होता है साढ़े साती और ढैय्या का प्रभाव

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, साढ़े साती या फिर ढैय्या से प्रभावित लोगों को जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि जो भी व्यक्ति हनुमान जी की आराधना करता है उसे शनि की पीढ़ा से काफी हद तक राहत मिल सकती है। लेकिन क्या आप इसका कारण जानते हैं। अगर नहीं, तो यहां पढ़ें पौराणिक कथा।

**हनुमान जंयती शुभ मुहूर्त –** चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ 23 अप्रैल, 2024 को प्रातः 03 बजकर 25 मिनट पर हो रहा है। वहीं यह तिथि 24 अप्रैल 2024 को सुबह 05 बजकर 18 मिनट तक रहने वाली है। ऐसे में हनुमान जयन्ती का पर्व 23 अप्रैल, मंगलवार के दिन मनाया जाएगा।

**इसलिए नहीं सताती शनि की पीढ़ा**–पौराणिक कथा के अनुसार, जब हनुमान जी, माता सीता की खोज में लंका पहुंचे, तो वहां उन्होंने पाया कि रावण ने कारागृह में शनिदेव को बंदी बनाया हुआ था। तब शनिदेव ने हनुमान जी को बताया कि रावण ने अपनी शक्ति के बल पर अन्य ग्रहों को भी बंदी बनाया हुआ है। इसके बाद हनुमान जी ने शनिदेव को मुक्त करवाया, जिससे शनिदेव प्रसन्न हुए और उन्होंने हनुमान जी को कोई वरदान मांगने को कहा।

इसपर बजरंगबली ने कहा कि जो भी भक्त मेरी आराधना करेगा, उसपर आपके (शनिदेव) अशुभ फलों का प्रभाव नहीं पड़ेगा। तभी से यह माना जाता है कि जो भी भक्त हनुमान जी की आराधना करते हैं, उनपर शनिदेव की वक्र दृष्टि का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इसलिए जो भक्त सच्चे मन से हनुमाज जी की पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें शनि की साढ़े साती और ढैय्या के कारण होने वाली समस्याओं से राहत मिल सकती है।

## गौर-गौर गणपति-ईसर पूजै पार्वती

# अखण्ड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं आज रखेंगी गणगौर का व्रत

## रवि, प्रीति और आयुष्मान योग में रखा जायेगा गणगौर व्रत

गणगौर पूजा हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होती है। उस दिन सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखी जीवन के लिए व्रत रखती हैं, पूजा करती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गुरुवार 11 अप्रैल को गणगौर की पूजा होगी और गणगौर की सवारी निकलेगी।इस बार गणगौर के दिन 3 शुभ योग बन रहे हैं। इस व्रत की विशेषता यह है कि महिलाएं इसे गुप्त रूप से करती हैं। वे अपने पति को व्रत और पूजा के बारे में नहीं बताती हैं। यह व्रत और पूजा पति को बिना बताए की जाती है। गणगौर का व्रत और पूजन अविवाहित युवतियां भी करती हैं ताकि उनको मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त हो सके।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि गणगौर का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती से है। गण का अर्थ शिव और गौर का अर्थ गौरी है इसलिए इस व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। शिव और गौरी की पूजा करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य एवं सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

**गणगौर पूजा तिथि–** हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 10 अप्रैल को शाम 05:32 मिनट से प्रारंभ होगी। इस तिथि का समापन 11 अप्रैल को दोपहर 03:03 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर देखा जाए तो इस साल गणगौर पूजा गुरुवार 11 अप्रैल को होगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

**तीन शुभ योग–** 11 अप्रैल को गणगौर पूजा के दिन रवि योग, प्रीति योग और आयुष्मान योग बना है। रवि योग प्रात:काल में 06:00 बजे से अगले दिन 12 अप्रैल को मध्य रात्रि 01:38 तक है। वहीं, प्रीति योग सुबह 07:19 तक है और उसके बाद से आयुष्मान योग लगेगा। जो 12 अप्रैल को प्रात: 04:30 तक रहेगा। फिर सौभाग्य योग बनेगा।

**महिलाएं छिपाकर क्यों करती हैं गणगौर व्रत और पूजा**

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए व्रत और पूजा की। लेकिन वो भोलेनाथ से इसके बारे में बताना नहीं चाहती थीं। शिव जी ने काफी प्रयास किया कि वे बता दें, लेकिन माता पार्वती ने उस बारे में कोई बात नहीं की। वे गुप्त रूप से वह व्रत करना चाहती थीं। इस वजह से हर साल महिलाएं गणगौर व्रत और पूजा अपने पति से छिपाकर करती हैं। यहां तक कि इस व्रत और पूजा में चढ़ाए गए प्रसाद को भी पति को खाने को नहीं देती हैं।

**18 दिन तक मनाया जाता है यह पर्व**

राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 18 दिनों तक चलता है। 18 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं। इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

**गणगौर पर्व का महत्व**

कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है।

इसलिए इस दिन महिलाओं द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। इसे गौरी तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। भगवान शिव जैसा पति प्राप्त करने के लिए अविवाहित कन्याएं भी यह व्रत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती भगवान शिव के साथ सुहागन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देने के लिए भ्रमण करती हैं। महिलाएं परिवार में सुख-समृद्धि और सुहाग की रक्षा की कामना करते हुए पूजा करती हैं।

**गणगौर पूजने का गीत**

गौर-गौर गोमनी, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आला-गीला, गौर का सोना का टीका, टीका दे टमका दे रानी, व्रत करियो गौरा दे रानी।

करता-करता आस आयो, वास आयो। खेरे-खाण्डे लाडू ल्यायो, लाडू ले वीरा न दियो, वीरो ले मने चूंदड़ दीनी, चूंदड़ ले मने सुहाग दियो।

# राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत का ट्रेलर आया सामने

मुंबई में हुए टी-सीरीज़ और चॉक एन चीज़ फिल्म्स की मचअवेटेड श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने के ट्रेलर लॉन्च इवेंट ने दर्शकों को प्रेरित महसूस कराया। लॉन्च के मौके पर नायक राजकुमार राव, शरद केलकर, निर्देशक तुषार हीरानंदानी और निर्माता भूषण कुमार और निधि परमार हीरानंदानी मौजूद थे। वहीं ट्रेलर के रिलीज होने के बाद भी सोशल मीडिया पर फैंस तारीफें करते हुए नहीं थक रहे हैं। इसी बीच राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा ने ट्रेलर की तारीफ में एक स्पेशल पोस्ट शेयर किया है।

राजकुमार राव अभिनीत दृढ़ संकल्प, और विजय की एक असाधारण जर्नी को दर्शानेवाली फिल्म 'श्रीकांत - आ रहा है सबकी आंखें खोलने' के ट्रेलर में बहुमुखी राजकुमार राव द्वारा श्रीकांत बोला की अदम्य भावना के उल्लेखनीय चित्रण की एक आकर्षक झलक पेश की गई। ट्रेलर न केवल एक दृष्टिबाधित व्यक्ति की यात्रा को दर्शाता है, बल्कि उसके अनूठे चरित्र और बुद्धिमत्ता की कहानी भी दिखाता है और कैसे वह अपनी दिव्यांगता को कमजोरी नहीं बल्कि अपनी ताकत बनाता है।

इसी ट्रेलर की तारीफ करते हुए राजकुमार राव की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, राज, क्या अमेजिंग ट्रेलर है। मैं आपके और आपके द्वारा निभाए गए इस अमेजिंग किरदार के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। मैं बस इस किरदार के साथ आपकी यात्रा के बारे में कुछ शब्द लिखना चाहती हूं। यह सब आपके ब्लाइंड स्कूल जाने से शुरू हुआ, अगले ही सप्ताह आप लगभग टूटी हुई पसली के साथ घर आए, जब आप ब्लाइंट क्रिकेट की प्रैक्टिस कर रहे थे तो आपने सोचा कि आंखें बंद करके खेल सकते हैं। मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह डरावना हिस्सा नहीं था। डरावना हिस्सा आपकी शूटिंग के कुछ दिनों के बाद शुरू हुआ जब मैंने देखा कि आपका कंधा नीचे गिर रहा था और आपका पोस्चर बदलने लगा था। मैं चिल्लाती रही कि तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। किसी समय मैंने सोचा था कि अपनी आंखों को आराम न देने से तुम अंधे हो जाओगे।। लेकिन मैं तुम्हें देखती हूं राजू, तुम जो करते हो उसमें सबसे अच्छे हो। आप अपने शरीर और आत्मा को चरित्र के प्रति समर्पित कर देते हैं। मैं आपके के पागलपन का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली मानती हूं और मुझे आप पर बहुत गर्व है। लेकिन कभी कभी मेरी भी सुन लिया करना यार। इस पोस्ट पर सेलेब्स ने भी राजकुमार राव की तारीफ करते हुए कमेंट किया है। और अपना रिएक्शन दिया है।

# जया बच्चन ने पहले दी दावत, फिर कहे छह शब्द

## जिसके बाद हमेशा हमेशा के लिए टूट गया अमिताभ-रेखा का रिश्ता

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस और अमिताभ बच्चन की पत्नी जया बच्चन ने एक से बढ़ कर एक फिल्मों में काम किया है। उनकी एक्टिंग के अलावा वो कभी मीडिया के साथ अपने बिहेवियर को लेकर सुर्खियों में रहती हैं तो कभी उनका गुस्सैल अंदाज सुर्खियां बटोरता है। वायरल वीडियो से क्रिएट हुई इमेज से परे जाकर देखें तो जया बच्चन एक सुलझी हुई और मजबूत इरादों वाली महिला दिखाई देंगी। जिन्होंने फिल्म इंड्स्ट्री में भी अपने दम पर अपना मुकाम बनाया और परिवार पर मुसीबत आई तो ढाल बनकर साथ खड़ी रहीं। अपना घर बचाने के लिए अमिताभ रेखा का रिश्ता भी उन्होंने अपने इन्हीं इरादों से खत्म किया था।

**दावत के बाद कहे ये शब्द**

ये उस वक्त की बात है जब अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी की शादी हो चुकी थी। उसके बाद अमिताभ बच्चन की रेखा के साथ कई फिल्में रिलीज हुईं और हिट भी हुईं। इसी बीच दोनों के अफेयर की खबरों ने भी खूब जोर पकड़ा। और, ये अटकलें तेज हो गईं कि दोनों कभी भी एक हो सकते हैं। इसी दौर का एक मशहूर किस्सा ये भी सुनाया जाता है कि जया बच्चन ने एक बार रेखा को अपने घर खाने पर बुलाया। रेखा इस बुलावे पर गईं जरूर लेकिन इस आशंका के साथ कि जया बच्चन उन्हें खूब बुरा भला बोलेंगी। इससे उलट जया बच्चन ने उनकी खूब खातिरदारी करी। जब दावत खत्म हुई और रेखा जाने लगीं तब जया बच्चन ने सिर्फ इतना कहा कि मैं अमित को कभी नहीं छोड़ूंगी। जया बच्चन के इन्हीं मजबूत इरादों के आगे रेखा और अमिताभ का रिश्ता कमजोर पड़ने लगा।

**इस तरह निभाया साथ**

इसके बाद परिवार जब भी मुसीबत में आया जया बच्चन इसी मजबूती से उसका सहारा बनती रहीं। जब अमिताभ बच्चन दिवालिया हो गए तब जया बच्चन उन्हें यही एहसास करवाती रहीं कि वो हर कदम पर उनके साथ हैं। इसके बाद मोहब्बतें फिल्म से अमिताभ बच्चन ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। और, धीरे धीरे सब ठीक चलने लगा।

# ट्रांसपेरेंट साड़ी में कृति खरबंदा ने बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस कृति खरबंदा अपने फैशनेबल और स्टाइलिश अंदाज से फैंस को अपना दीवाना बनाती हैं।बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीर में कृति साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं। इस साड़ी में खास बात यह है कि ये ट्रांसपेरेंट है। उन्होंने साड़ी के साथ हल्का मेकअप किया हुआ है और बालों को जूड़े में बांधा हुआ है। गले में उन्होंने एक हैवी ग्रीन नेकलेस पहना हुआ है। कृति के फैंस उनकी इस खूबसूरती को देखकर दीवाने हो गए हैं।देसी से लेकर वेस्टर्न हर लुक में कृति खरबंदा छा जाती हैं और इसका सबूत उनका नया लुक है जिसमें एक्ट्रेस ने ऑर्गेंजा साड़ी पर बिकिनी ब्लाउज पहना हुआ है। कृति ने ये लुक अर्पिता खान की ईद पारी में कैरी किया था और इसमें वह हुस्न की परी लग रही हैं। वैसे ऐसा पहली बार नहीं है जब कृति ने अपने फैशनेबल और स्टाइलिश अंदाज से फैंस को अपना दीवाना बनाया है। इस ऑर्गेंजा फेब्रिक लुक में कृति का बिकिनी स्टाइल ब्लाउज अलग और शानदार लग रहा है। गर्मी में लाइटवेट आउटफिट के लिए ये बेस्ट ऑप्शन है। पीले रंग की साड़ी और और ब्लाउज पर पिंक कलर की लाइनिंग काफी जच रह है। एक्ट्रेस ने मेकअप में पिंक शेड लिपस्टिक और न्यूड स्टाइल को चूज किया है। फैशन क्वीन कृति न सिर्फ साड़ी बल्कि शरारा में भी बला की खूबसूरत लगती हैं। एक्ट्रेस ने इस लुक में परपल कलर का शरारा सेट पहना है जिसमें जरदोजी वर्क हो रखा है। इस चंदेरी सिल्क शरार पर हैवी एंब्रॉयडरी वर्क इसकी ब्यूटी में चार चांद लगा रहा है। वहीं दुप्पटे पर गोल्डन बॉर्डर के अलावा गले में ज्वैलरी कृति पर काफी जच रही है। तस्वीर पर अब तक हजारों लाइक्स और कई कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस उनकी तारीफ करते हुए कमेंट कर रहे हैं।

# ला पिला दे शराब म्यूजिक वीडियो में विक्की के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव:अंकिता लोखंडे

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के पहले म्यूजिक वीडियो ला पिला दे शराब को दर्शक पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने पति के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव रहा।अंकिता लोखंडे और विक्की जैन को मुंबई में रोहित वर्मा के नए कलेक्शन इंद्रधनुष की शूटिंग करते देखा गया। अंकिता ने रोहित के साथ काम करने, विक्की के साथ एक गाना करने और वीर सावरकर में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की।ला पिला दे शराब की शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंकिता ने कहा, मुझे लगता है कि विशाल ने गाना बहुत अच्छा गाया है। उनकी आवाज अद्भुत है। सौरभ एक शानदार अभिनेता हैं, उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। हमें टी-सीरीज के साथ काम कर बहुत मजा आया। गाने की शूटिंग का अनुभव अद्भुत था। अपने पति के साथ काम करना हमेशा अलग और अनोखा होता है।वीर सावरकर में अपनी भूमिका के लिए मिल रही सराहना के बारे में अंकिता ने कहा, एक कलाकार सिल्वर स्क्रीन तक पहुंचने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत करता है, मैंने टेलीविजन से अपनी यात्रा शुरू की और अब खुद को बड़े पर्दे पर देखने और इतनी सराहना पाने के लिए, मैं आभारी हूं।उन्होंने आगे कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं आज जो कुछ भी हूं अपने दर्शकों और मीडिया की वजह से हूं। उन्होंने हमेशा बिना शर्त मेरा समर्थन किया है। मैंने 16 साल से लेकर 60 साल तक की जीवन यात्रा को चित्रित करने वाला एक किरदार निभाया है। एक कलाकार के तौर पर मैं बहुत खुश थी कि मुझे वह किरदार निभाने का मौका मिला। बहुत से कलाकारों को इस तरह की भूमिका निभाने का मौका नहीं मिलता। मैंने इस भूमिका को पूरे समर्पण के साथ निभाया है।रोहित वर्मा के नए प्रोजेक्ट इंद्रधनुष के बारे में बात करते हुए पवित्र रिश्ता की एक्ट्रेस ने कहा, मैं रोहित को वर्षों से जानती हूं। उनके सभी प्रोजेक्ट में हमेशा एक संदेश होता है। जब रोहित ने इसके बारे में हमसे बात की तो मैं बहुत उत्साहित थी। रोहित इसके जरिए लैंगिक समानता का संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। विक्की और मैं एक ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहते थे जो दर्शकों के बीच जागरूकता फैलाए। इसलिए हम इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं।

# महेश बाबू की 'गुंटूर कारम' कर पछताए जगपति बाबू

## कहा, शूटिंग पूरी करना भारी पड़ गया

तेलुगु एक्टर जगपति बाबू किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। फिल्म स्टार जगपति बाबू ने अपने फिल्मी करियर में बैक टू बैक कई धांसू फिल्में दी हैं। जिसकी वजह से एक्टर की पॉपुलेरिटी साउथ इंडिया से बाहर निकलकर नॉर्थ इंडिया तक फैल चुकी है। हाल ही में एक्टर जगपति बाबू ने एक मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ बातचीत करते हुए महेश बाबू स्टारर रिलीज हुई उनकी फिल्म 'गुंटूर कारम' को लेकर बात की। फिल्म स्टार जगपति बाबू ने इस बातचीत के दौरान इस फिल्म में काम करने पर निराशा जाहिर की। जगपति बाबू ने बताया कि इस फिल्म को निपटाना उनके लिए मुश्किल हो गया था।

**आखिर महेश बाबू संग काम कर क्यों पछताए महेश बाबू?**

एंटरटेनमेंट न्यूज में सामने आईं खबरों की मानें तो जगपति बाबू ने टाइम्स नाउ से बातचीत के दौरान कहा, 'मैं महेश बाबू के साथ काम करना हमेशा पसंद करूंगा। लेकिन, ईमानदारी से कहूं तो मुझे गुंटूर कारम में बिल्कुल मजा नहीं आया।' उन्होंने कहा, 'क्योंकि ये काफी अलग तरह से बननी थी। किरदार में काफी लेयर थे। जिसकी वजह से ये बिल्कुल मैसी हो गया था। इसे पूरा करना भी भारी पड़ गया था। मैंने सिर्फ वही किया जो मुझे करना था।' जगपति बाबू से जब दोबारा महेश बाबू संग काम करने को लेकर सवाल किया गया तो एक्टर ने कहा कि वो महेश बाबू के साथ अपना कॉम्बिनेशन बेकार की फिल्में करके बर्बाद नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि अगर वो दोनों साथ ऑन स्क्रीन आएं तो ये एक बेस्ट मूवी होनी चाहिए।

**फ्लॉप साबित हुई थी महेश बाबू की 'गुंटूर कारम'**

टॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में महेश बाबू का भारी स्टारडम है। महेश बाबू तेलुगु सिनेमा के सलमान खान हैं। यही वजह है कि उनकी पिछली रिलीज मूवी 'गुंटूर कारम' को भारी बज मिला था। इस भयंकर क्रेज के बीच सिनेमाघर पहुंची महेश बाबू और जगपति बाबू स्टारर फिल्म 'गुंटूर कारम' को अच्छी ओपनिंग मिली थी। मगर फिर ये फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी।

# बांग्लादेश पर श्रीलंका की सीरीज जीत के बाद मेंडिस, मैथ्यूज टेस्ट रैंकिंग में आगे बढ़े

**दुबई,10 अप्रैल (एजेंसियां)।** श्रीलंका की हरफनमौला जोड़ी कामिंदु मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज बांग्लादेश पर मेहमान टीम की 2-0 से सीरीज जीत में योगदान देने के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग के हालिया अपडेट के अनुसार आगे बढ़ गए हैं। चटगांव में दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को 192 रनों की जीत के दौरान, मेंडिस के नाबाद 92 और नौ रनों के परिणामस्वरूप वह बल्लेबाजों की सूची में 18 स्थान की छलांग लगाकर 46वें स्थान पर पहुंच गए। मेंडिस, जिन्होंने मार्च 2024 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार भी जीता, ने दूसरी पारी में भी तीन विकेट लिए, जिससे उन्हें 46 स्थान का फायदा हुआ और वह गेंदबाजों के बीच 117वें स्थान पर पहुंच गए।

मैथ्यूज, जिन्होंने अगस्त 2014 में करियर की सर्वोच्च तीसरी रैंक हासिल की थी, 23 और 56 के स्कोर के बाद दो पायदान ऊपर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज के लिए एक और उल्लेखनीय उछाल में, कुसल मेंडिस पहली पारी में 93 रन की स्कोरिंग के बाद तीन स्थान आगे बढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने अंक तालिका में एक स्थान गिरकर आठवें स्थान पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 859 अंकों के साथ शीर्ष क्रम के टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के जो रूट (824 अंक) पर 35 अंकों का अंतर बनाए रखा है, जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम और डेरिल मिशेल (768) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में, तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद सात स्थान ऊपर 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो मैच में तीन विकेट लेकर 43वें से 41वें स्थान पर हैं, जबकि तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा चटगांव में छह विकेट लेकर 46वें से 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन, जिन्होंने 54 और 19 रन बनाए, टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर 75वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज दूसरी पारी में नाबाद 81 रनों की शानदार पारी के बाद 99वें से 88वें स्थान पर हैं। बल्लेबाज मोमिनुल हक को चार स्थान का फायदा हुआ है और वह अपनी दो पारियों में 83 रन बनाकर 46वें स्थान पर हैं। नवोदित तेज गेंदबाज हसन महमूद ने मैच में छह विकेट लेने के बाद टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 95वें स्थान पर प्रवेश किया है।

अब तक, भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (870) टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में शीर्ष पर हैं, उनके हमवतन और तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड 847 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग में बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा (444 अंक) अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखने के लिए अश्विन (322 अंक) से काफी आगे हैं।

## न्यूज़ब्रीफ

### बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत को सिंधु, लक्ष्य और प्रणय से रहेंगी उम्मीदें



**मुम्बई।** चीन में होने वाले बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु के अलावा लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय भी पदक दावेदार होंगे। इस टूर्नामेंट में सिंधु सहित भारतीय खिलाड़ियों की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उन्हें कई बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी भाग नहीं लेगी। ऐसे में भारत को पदक की उम्मीदें सिंधु के अलावा लक्ष्य और प्रियांशु राजावत पर रहेंगी। सिंधु को इस टूर्नामेंट में ओलंपिक चैंपियन यूफेई, ताइ जु यिंग, अकाने यामागुची और ही बिंगजियाओ जैसी शीर्ष खिलाड़ियों से खेलने का अवसर मिलेगा। सिंधु अपना पहला मुकाबला मलेशिया की विश्व की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ करेंगी। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने पर उन्हें चीन की छठी वरीय हेन युई से खेलना पड़ेगा। वहीं तीसरे दौर में सिंधु का मुकाबला जापान की यामागुची या थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से हो सकता है। वहीं भारत की ही आकर्षी कश्यप को पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से खेलना है। वहीं पुरुष एकल में भारत के लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में शीर्ष वरीय शी युकी से खेलना है जबकि सातवें वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय अपना अभियान ल्यू गुआंग झू के खिलाफ शुरू करेंगे। इसके अलावा विश्व के 27वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का मुकाबला विश्व दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और दूसरे वरीय एंथोनी गिनटिंग से होगा। युवा भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से भिड़ना है। युगल वर्ग में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला तथा कृष्ण प्रसाद गारगा और साई प्रतीक के पुरुष युगल में चुनौती पेश करेंगे। महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और अमालिया कहाया प्रतिवी की इंडोनेशिया की जोड़ी से खेलना है।

# रोमांचक मैच में गुजरात ने दर्ज की जीत राजस्थान को तीन विकेट से हराया



**जयपुर, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** गुजरात टाइटंस (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग में तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने मौजूदा सीजन के 24वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 3 विकेट से हराया। गुजरात ने दो मुकाबले हारने के बाद जीत हासिल की है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बुधवार को गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 196 रन बनाए। 197 रन का टारगेट गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर हासिल कर लिया। राहुल तेवतिया और राशिद खान की जोड़ी ने आखिरी 12 ओवर में 35 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने 44 बॉल पर 72 रन बनाए। जबकि साई सुदर्शन ने 29 बॉल पर 35 रन का योगदान दिया। कुलदीप सेन ने 3 विकेट झटके, जबकि युजवेंद्र चहल को दो सफलतां मिलीं।

आरआर से रियान पराग ने 48 बॉल पर 76 रन बनाए, जबकि कप्तान संजू सैमसन 38 बॉल पर 68 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 78 बॉल पर 130 रन की शतकीय साझेदारी की। यशस्वी जायसवाल 24 रन बनाकर आउट हुए। उमेश यादव, राशिद खान और मोहित शर्मा को एक-एक विकेट मिला। 19वां ओवर डालने आए कुलदीप सेन के चौथे ओवर में 20 रन आए। दो चौके पड़े और अतिरिक्त के 5 रन भी आए। 18वें ओवर में गुजरात का छठा विकेट गिरा। आवेश खान ने ओवर की तीसरी बॉल पर शाहरुख खान को एलबीडब्ल्यू कर दिया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 162/6 रहा। 16वें ओवर की दूसरी बॉल पर गुजरात का 5वां विकेट गिरा। इस बॉल पर युजवेंद्र चहल ने शुभमन गिल को सैमसन के हाथों स्टंप कराया। गिल 72 रन बनाकर आउट हुए। जबकि चहल ने दूसरा विकेट लिया। 16 ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 138/5 रहा। 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर गुजरात का चौथा विकेट गिरा। ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने विजय शंकर को बोल्ड कर दिया। विजय 16 रन बनाकर आउट हुए। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 111/4 रहा। 13वें ओवर में गुजरात ने 100 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। कुलदीप सेन के ओवर की चौथी बॉल पर गिल ने दो रन लेकर स्कोर 100 पार पहुंचाया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 102/3 रहा। 11वें ओवर में कुलदीप सेन ने गुजरात को दो झटके दिए। उन्होंने ओवर की पहली बॉल पर मैथ्यू वेड और चौथी बॉल पर अभिनव मनोहर को बोल्ड कर दिया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 83/3 रहा। 9वें ओवर में गुजरात को पहला झटका लगा। कुलदीप सेन ने ओवर की दूसरी बॉल पर साई सुदर्शन को एलबीडब्ल्यू कर दिया। साई 35 रन बनाकर आउट हुए। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 67/1 रहा।

गुजरात की पारी के 8वें ओवर में युजवेंद्र चहल से साई सुदर्शन का कैच छूट गया। ओवर की तीसरी बॉल पर साई ने बॉलर की दिशा में खेला, जो चहल के पास तेजी से आई, लेकिन चहल बॉल फेंकने के बाद फॉलो-थ्रू पर कैच पकड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 63/0 रहा। 7वें ओवर में गुजरात के ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 51/0 हो गया। छठे ओवर में शुभमन गिल ने टी-20 करियर में 4 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने आवेश खान के ओवर में एक चौका और एक छक्का जमाया। इस ओवर में 14 रन बने और पावरप्ले में गुजरात का स्कोर 44/0 हो गया। साई सुदर्शन ने पारी का पहला ओवर डालने आए ट्रेंट बोल्ट की बॉल पर चौका जमाते हुए गुजरात का खाता खोला।

# मैच के दौरान रोनाल्डो ने खोया आपा, विरोधी खिलाड़ी को मारी कोहनी, रेफरी को दिखाया पंच



**नई दिल्ली,10 अप्रैल।** दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बड़ी मुसीबत में फंसते नजर आ रहे हैं। रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के मुकाबले में अल हिलाल के खिलाफ अपनी टीम अल नासर की हार के दौरान अपना आपा खो बैठे। उन्होंने ना सिर्फ विरोधी टीम के खिलाड़ी को कोहनी मारी, बल्कि मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश भी की। उनकी इस हरकत के कारण उन पर प्रतिबंध भी लग सकता है।

**रोनाल्डो को मिला रेड कार्ड -** रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। रोनाल्डो इससे काफी निराश थे और मैच के दौरान उन्होंने गुस्से में विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मार दी। उनकी इस हरकत के लिए मैच रेफरी ने तुरंत रोनाल्डो को रेड कार्ड दिखाया। यह पहली बार था जब रोनाल्डो को सऊदी अरब में रेड कार्ड मिला। रोनाल्डो खुद को रेड कार्ड मिलने से नाराज हुए और उन्हें मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश, लेकिन हाथ पीछे खींच लिया।

**क्यों हुआ विवाद -** मैच के अंतिम क्षणों में जब अल नासर की टीम बराबरी करने की कोशिश में लगी हुई थी, लेकिन टीम को इसमें सफलता नहीं मिल पा रही थी। मैच के 86वें मिनट में रोनाल्डो ने अल हिलाल के डिफेंडर अली अल बुलाही को कोहनी मार दी जिससे विवाद बढ़ गया। रोनाल्डो की इस हरकत पर अल हिलाल के खिलाड़ियों ने रेफरी से कार्रवाई करने की अपील की। 39 साल का यह दिग्गज खिलाड़ी रेफरी का मजाक उड़ाते भी नजर आया। माना जा रहा है कि इसके लिए रोनाल्डो पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

**सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो ने किए हैं सर्वाधिक गोल -** रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए खेल चुके रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस लीग में 29 गोल किए हैं। अल हिलाल के एलेक्सांद्र मित्रोविच रोनाल्डो से सात गोल पीछे हैं।

**अल नासर के अहम खिलाड़ी हैं रोनाल्डो -** रोनाल्डो अपनी टीम अल नासर के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। वह अब तक टीम के लिए 37 मैचों में 36 गोल कर चुके हैं और 12 बार गोल करने में सहायता की है। यह रोनाल्डो के करियर में 12वीं बार था जब उन्हें मैच में रेड कार्ड मिला है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### बंधक इंजीनियरों से...

जोगिंदर चौहान ने बताया कि उनके 24 वर्षीय भाई सागर चौहान सिविल इंजीनियर हैं। बीती 26 मार्च को वह बसहा गांव निवासी अपने दोस्त राहुल उर्फ आरुष गौतम के साथ मलेशिया जाने की बात कहकर निकला था। दूसरे दिन जब उससे बात हुई थी तो उसने बताया था कि राहुल की कंपनी ने म्यांमार में नौकरी दिलाने की बात कही है, इसलिए वह म्यांमार चले गए हैं। साथ में उनका तीसरा दोस्त बाराबंकी निवासी अजय कुमार भी है। जोगिंदर के मुताबिक 28 मार्च को जब सागर की कॉल आई तो उसने बताया कि वहां उसको बंधक बना लिया गया है। उसे टॉर्चर किया जा रहा है। फिर रुपए की मांग की। जोगिंदर ने दो, तीन और चार अप्रैल को कुल तीन बार में 8 लाख 14 हजार रुपए भेज दिए। तब से सागर से कोई बात नहीं हो पा रही है। इसलिए जोगिंदर ने आरुष गौतम और मलेशिया के रॉबिन हुड नाम के शख्स पर एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि राहुल उनके भाई को ले गया था। अंदेशा है कि उसने उसके भाई को वहां बेच दिया। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है लेकिन जो तस्वीरें सामने आई हैं, उससे साफ है कि तीनों दोस्त बुरी तरह फंसे हुए हैं।शुरुआत में जब जोगिंदर की अपने भाई सागर से बात हुई तो उसने बताया था कि वहां लोग उनसे साइबर फ्रॉड करवाते हैं। तमाम नंबर देकर उन पर कॉल करवाते हैं और फिर तरह-तरह का झांसा देकर लोगों से ठगी की जाती है। इसके लिए हर किसी को रोजाना का टारगेट देते हैं। जो पूरा नहीं कर पाता है उस पर बर्बरता करते हैं। जिस कंपनी ने बंधक बनाया है वह चीन की बताई जा रही है। जोगिंदर ने बताया कि म्यांमार के किसी शख्स का खाता नंबर आदि दिया गया था। जिसमें डॉलर ट्रांसफर करने की बात कही थी। जो वह नहीं कर पाए। इसलिए उन्होंने पूरी रकम सागर के खाते में भेज दी। तब से हर दिन भाई के खाते से एक-एक लाख रुपए अलग-अलग खातों में भेजे जा रहे हैं। राहुल ने वीडियो में कहा, वह मलेशिया में कई महीने नौकरी कर चुका था। दोबारा वहां नौकरी करने के लिए सुपरवाइजर रॉबिन से सम्पर्क किया। उसके कहने पर अपने दो दोस्तों सागर और अजय को ले आया। इन लोगों ने मेरी म्यांमार की टिकट कराई। तब कुछ शक हुआ लेकिन रॉबिन ने कहा कि म्यांमार से मलेशिया भेजा जाएगा। इसलिए वह वहां चला गया। राहुल के मुताबिक सभी को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर साइबर फ्रॉड कराया जा रहा है। सागर को अलग कमरे में बंद करके सबसे अधिक प्रताड़ित किया जा रहा है। राहुल के मुताबिक जहां पर वह और दोस्त बंधक हैं, वहां पर अलग-अलग जगहों के 500 से अधिक भारतीय युवक बंधक बने हैं। उनके अलावा कई बंधक कुछ अन्य देशों के भी हैं। उनसे भी उसी तरह का काम कराया जाता है। म्यांमार में फंसे तीनों इंजीनियर दोस्तों ने वीडियो बनाकर परिजनों को व्हाट्सएप पर भेजे हैं। जिसमें बताया है कि उन पर वहां बर्बरता की जा रही है। 18 से 20 घंटे काम कराया जा रहा है। बहुत कम खाना दिया जाता है। इलेक्ट्रिक शॉक भी देते हैं। यह सब जानकर इंजीनियरों के परिजन दुखी और परेशान हैं। परिजनों ने भारत सरकार से अपील की है कि उनके बच्चों को मुक्त कराया जाए।

### बंधुआ बनाए गए...

चीन की अगुवाई में चलने वाला यह एक संगठित सिंडिकेट है जो मुख्य रूप से क्रिप्टो घोटालों में लिप्त था। बंधक बनाए गए इंजीनियरों से फोन पर ग्राहक फंसा कर उनके साथ वित्तीय घोटाला, प्रमुख डेटिंग ऐप्स का भुगतान, साइबर फ्रॉड जैसे अपराध कराए जाने लगे। जिन इलाके में भारतीय इंजीनियर बंधक थे, उस इलाके में ऐसे लगभग 40 और कंपनियां काम कर रही थीं जिसमें भारतीय इंजीनियर बंधक थे। तमिलनाडु के लगभग 50 लोग म्यांमार की डार्क वेब फर्मों में फंसे हैं।

### सुरक्षा चुनौतियों...

मंदिर की सुरक्षा की कमान, उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीए-सएसएफ) को सौंप दी जाएगी।संसद भवन की पुख्ता सुरक्षा के लिए पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप (पीडीजी) का गठन किया गया था। इस विशेष बल में लगभग 1600 जवानों को रखा गया। इसके अलावा एक डीआईजी, एक कमांडेंट, एक टूआईसी, छह डिप्टी कमांडेंट और 14 सहायक कमांडेंट को पीडीजी का हिस्सा बनाया गया। पीडीजी के जवानों को विशेष प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। 13 दिसंबर 2001 को सीआरपीएफ के बहादुर जवानों ने लोकतंत्र के मंदिर संसद को पाकिस्तानी आतंकियों के हमले से बचाया था। गत वर्ष 13 दिसंबर को ही दो युवाओं ने संसद भवन के भीतर घुसकर धुआं फैला दिया था। हालांकि उसमें पीडीजी की ड्यूटी में कोई चूक नहीं थी। संसद भवन के प्रवेश मार्गों पर दिल्ली पुलिस और संसद सुरक्षा सेवा (पीएसएस) का स्टाफ तैनात रहता है। इसके बाद पार्लियामेंट की सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा की गई। उसमें यह तय हुआ कि सीआईएसएफ को संसद भवन की सुरक्षा में लगाया जाए। अब पीडीजी दस्ते को दो बटालियनों में विभाजित कर उसे सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा में शामिल किया जाएगा।अयोध्या स्थित राम मंदिर में 5 जुलाई 2005 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के दहशतगर्दों ने मंदिर परिसर में हथगोलों व राकेट लांचर से ताबड़तोड़ हमला किया था। मंदिर परिसर की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ जवानों ने जैश-ए-मोहम्मद के पांचों आतंकियों को राम लला के नजदीक पहुंचने से पहले ही ढेर कर दिया था। उसके बाद सीआरपीएफ ने पुख्ता तरीके से मंदिर की हिफाजत की है। इंटेलिजेंस एजेंसियों के पास कई बार मंदिर पर हमले का इनपुट आया, लेकिन सीआरपीएफ के मजबूत सुरक्षा घेरे के चलते आतंकी, मंदिर तक पहुंचने का दुस्साहस नहीं कर सके। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले फिदायीन अटैक और डार्क नेट जैसे खतरे की बात सामने आई थी। हालांकि सीआरपीएफ ने दूसरी सुरक्षा एजेंसियों की मदद से किसी भी इनपुट को धरातल पर नहीं उतरने दिया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले ही उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) को मंदिर परिसर की सुरक्षा देने की योजना पर काम शुरू हो गया था। सीआईएसएफ ने मंदिर परिसर की सुरक्षा के लिए कई अहम सुझाव दिए थे। यूपी सरकार ने उन सुझावों पर अमल करते हुए यूपीएसएसएफ को ट्रेनिंग दी है। यूपी पुलिस की स्पेशल सर्विस यूनिट में पीएसी के जवानों को शामिल किया गया है।इस मामले में सीआरपीएफ के जानकार अफसरों का कहना है, संसद भवन हो या राम मंदिर, यह बल तय सुरक्षा मानकों पर सदैव खरा उतरा है। हालांकि यह निर्णय केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्तर पर होता है। 13 दिसंबर 2023 की घटना के बाद उच्च स्तरीय बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए थे। सीआरपीएफ डीजी अनीश दयाल सिंह की अध्यक्षता में एक कमेटी भी गठित की गई थी। इन सबके बाद ही यह निर्णय लिया गया कि संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को सौंप दी जाए। पीडीजी, कोई सामान्य बल नहीं था। इसे सुरक्षा के कड़े एवं उच्च मानकों के आधार पर प्रशिक्षित किया गया था। अब लगभग 1600 जवानों और अफसरों को यहां से हटाया जा रहा है। भले ही ये पॉलिसी मैटर हो, लेकिन वर्षों से संसद भवन की सुरक्षा कर रहे पीडीजी को हटाने का औचित्य नजर नहीं आता। आतंकियों और नक्सलियों को खात्मा करने और सुरक्षा के अन्य मोर्चों पर अपना दमखम दिखाने वाले बल के अधिकारी एवं जवान, पीडीजी को हटाने के निर्णय से खुश नहीं हैं।

### वोट के लिए ...

घुसपैठ केवल भाजपा ही रोक सकती है। उन्होंने कहा, ममता दीदी घुसपैठ नहीं रोकेंगी क्योंकि ये घुसपैठिए उनका वोट बैंक हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार बंगाल में घुसपैठ रोक सकती है। हमने असम में घुसपैठ रोकी। मैं आपको मोदी गारंटी देने आया हूं कि हमें 30 सीटों से अधिक दें और बंगाल में भाजपा की सरकार बनाओ, हम घुसपैठ रोक देंगे।अमित शाह ने कहा, ममता दीदी, आप तो महिला मुख्यमंत्री हैं, फिर भी संदेशखाली जैसी शर्मनाक घटना पर आप राजनीति कर रही हैं। वर्षों तक, आपकी नाक के नीचे अत्याचार होता रहा और जब टीएमसी के गुंडों को ईडी पकड़ने गई तब उन पर पथराव किया गया। तुष्टिकरण कर कुछ वोट लेने के लिए आप संदेशखाली के गुनहगारों को बचा रही हैं। उन्होंने कहा, हमने सीएए का कानून पारित किया है। ममता दीदी बंगाल के लोगों को गुमराह कर रही हैं। ये कह रही हैं कि अगर आपने एप्लीकेशन दिया तो आपकी नागरिकता चली जाएगी। मैं आज आपसे कहने आया हूं, बिना डरे जितने भी शरणार्थी हैं, एप्लीकेशन भरें, सभी को नागरिकता दी जाएगी। ममता दीदी, आप चाहे जितना भी विरोध करें, हम सभी शरणार्थियों को नागरिकता देंगे। यह हमारा वादा है।

अमित शाह ने कहा कि देशभर के गरीबों का पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज का खर्चा मोदी जी उठा रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ममता दीदी ने यहां आयुष्मान योजना को लागू ही नहीं किया है। एक बार ममता सरकार को उखाड़ दो, सभी का पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी और कम्युनिस्ट पार्टी वाले 70 वर्षों से राम मंदिर को लटका रहे थे, अटका रहे थे, भटका रहे थे। मोदी सरकार के दौरान राम मंदिर मुद्दे का फैसला भी आ गया, भूमि पूजन भी हो गया और राम मंदिर का निर्माण भी हो गया। 500 साल बाद, रामलला अपने भव्य मंदिर में रामनवमी को अपना जन्मदिन मनाएंगे। उन्होंने बड़ी संख्या में आए लोगों पर कहा, जो भीड़ यहां आई है। अब करने को क्या बचा है। चुनाव तो यहीं समाप्त हो गया है।दक्षिण दिनाजपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कम्युनिस्ट और तृणमूल कांग्रेस इस क्षेत्र में फैली गरीबी के लिए जिम्मेदार हैं। 2014 में बंगाल की जनता ने हमें केवल दो सीटें दी और फिर 2019 में आपने हमें 18 सीटें दीं और पीएम मोदी 300 से अधिक सीटों के साथ प्रधानमंत्री बने। अब 2024 में हमें इसे 18 से बढ़ाकर 30 करना है और 370 सीटों को पार करना है। अगर हम एक मजबूत भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें एक मजबूत बंगाल बनाना होगा।अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि कांग्रेस पार्टी को क्या हो गया है। आज भी वे कह रहे हैं कि मुस्लिम पर्सनल लॉ होना चाहिए और समान नागरिक संहिता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपना घोषणापत्र जारी किया और थाईलैंड की एक तस्वीर का इस्तेमाल किया क्योंकि राहुल बाबा अक्सर छुट्टी मनाने वहां जाते हैं।

### बारूद के...

भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी की तुष्टिकरण की राजनीति की वजह से ऐसा हो रहा है। घोष ने कहा कि टीएमसी के शासन में राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ किया जा रहा है। राज्यों के मामलों में सत्ताधारी पार्टी की पकड़ ढीली होती जा रही है। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि टीएमसी के शासन में संदेशखाली और भूपतिनगर जैसे कई इलाके हैं, जहां देश विरोधी तत्व खुले घूम रहे हैं। राज्य उस स्थिति में पहुंच रहा है, जहां हालात कभी भी खराब हो सकते हैं। ऐसे में केंद्रीय जांच एजेंसियों को राज्य में सर्जिकल स्ट्राइक करने की जरूरत है।उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में टीएमसी नेताओं पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा था। वहीं पर ईडी की टीम पर हमला हुआ था। हाल ही में पूर्वी मेदिनीपुर के भूपतिनगर में एनआईए की टीम पर भीड़ ने उस वक्त हमला किया, जब एनआईए की टीम 2022 के बम विस्फोट के दो आरोपियों को गिरफ्तार करने पहुंची थी। घोष ने राज्य पुलिस और सीआईडी पर भी जांच में पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्रवाई करने का आरोप लगाया।भाजपा नेता ने कहा कि जब चुनाव हो जाएंगे तो उसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसियां कार्रवाई करेंगी और देश के खिलाफ रची जा रहीं साजिशों का खुलासा करेंगी। सीएए को लेकर साल 2019 में राज्य में हुए विरोध प्रदर्शनों पर घोष ने कहा कि लुंगी पार्टी ने सड़कों पर आकर बसें जलाईं और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। ये लोग बंगाल में इलाके हथिया रहे हैं और स्थानीय लोगों की नौकरियां और सरकार द्वारा दी जा रहीं सुविधाएं ले रहे हैं। एनआरसी पर घोष ने कहा कि अगर कोई कोर्ट जाए और एनआरसी लागू करने की मांग करे तो हो सकता है कि देश में एनआरसी भी लागू हो जाए। घोष मेदिनीपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं और इस बार बर्धमान दुर्गापुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

### देवभूमि के हित से ...

कांग्रेस के पास यहां के लोगों के विकास का विजन ही नहीं है। हमारी सरकार देवभूमि के विकास के एक बड़े विजन को लेकर आगे चल रही है। पहाड़, प्रकृति, पर्यावरण, पानी, पर्यटन हम हर विषय के लिए बहुत गंभीर रहे हैं। हम यहां पर कनेक्टिविटी बढ़ाने, निवेश और उच्च शिक्षा के संस्थान बढ़ाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। दिसंबर, 2023 में उत्तराखंड इन्वेस्टर्स समिट कराए जाने के पीछे भी यही उद्देश्य था।उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से युवाओं के पलायन का मुख्य कारण अवसरों की कमी थी। हम यहां नए-नए अवसर बना रहे हैं। नए शिक्षा संस्थान स्थापित कर रहे हैं, ताकि उन्हें दूर न जाना पड़े। ऊधम सिंह नगर में एम्स का सैटेलाइट सेंटर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, हरिद्वार के मेडिकल कॉलेज, देवप्रयाग का संस्कृत महाविद्यालय, विभिन्न जिलों में पीएमश्री स्कूल सभी संस्थान पहाड़ में ही शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराएंगे। मानसखंड मंदिरमाला मिशन से पर्यटन के साथ रोजगार के लाखों अवसर पैदा होंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट और होम स्टे भी रोजगार पैदा कर रहे हैं।सुदूर पहाड़ों तक एयर, रेल और जमीनी कनेक्टिविटी के काम पर प्रधानमंत्री ने कहा, 10 वर्षों में हमारी सरकार के प्रयासों से उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है। अब तो मानस खंड के तीर्थ स्थानों जैसे आदि कैलाश, ओम पर्वत दर्शन के लिए भी सरकार ने हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू कर दी हैं। पिथौरागढ़ के लिए हवाई सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। बेहतर कनेक्टिविटी और डिजिटल सुविधाओं की वजह से लोगों का पर्यटन के साथ तीर्थाटन में भी रुझान बढ़ा है। यह बात भी सही है कि उत्तराखंड के लिए विकास कार्यों को भारी प्राकृतिक चुनौतियों से जूझना पड़ता है। इसलिए, भाजपा सरकार उत्तराखंड के विकास को केवल सड़क और हाईवे बनाने के सीमित नजरिये से नहीं देख रही है। हम विकास के साथ ट्रांसपोर्ट के वैकल्पिक माध्यमों पर भी काम कर रहे हैं। हम हेली सुविधाओं के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों में रोपवे जैसे वैकल्पिक माध्यमों का विकास भी कर रहे हैं। यमुनोत्री, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में रोप-वे बनने से बहुत सुविधा हो जाएगी। कर्णप्रयाग-ऋषिकेश सेक्शन पर रेलवे लाइन का काम पूरा होने के बाद बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम तक पहुंचना और आसान हो जाएगा। 700 करोड़ की लागत से देहरादून में झाझड़ा-आशारोड़ी लिंक रोड का निर्माण किया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि पहले देश के पास संसाधनों की कमी थी, ऐसा नहीं है कि पहले देश के पास सामर्थ्य नहीं था। कमी थी तो सत्ता में बैठे लोगों के विजन में, इच्छाशक्ति में।कनेक्टिविटी का विस्तार होने से अब न कुमाऊं के लिए दिल्ली दूर है, न गढ़वाल के लिए। पर्यटन और सुविधा के लिए केदारनाथ, हेमकुंड साहिब समेत कई तीर्थ स्थानों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा भी बेहतर हुई है। आवागमन के वैकल्पिक माध्यमों पर भी काम हो रहा है। चारधाम परियोजना के तहत केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री को 900 किमी लंबे हाईवे से जोड़ा जा रहा है। वंदे भारत ट्रेन की सुविधा शुरू होने से देहरादून से दिल्ली का सफर पांच घंटे से कम समय में पूरा हो रहा है।उत्तराखंड के लोगों को प्राकृतिक आपदाओं की मार झेलने से बचाने की योजनाओं के बारे में पूछने पर पीएम मोदी ने कहा, भारत ने पिछली सरकारों की तुलना में आपदा प्रबंधन में अपनी क्षमताओं का अभूतपूर्व विस्तार किया है। हमारी ट्रेनिंग, तैयारी, तरीके अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं। हम प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम से कम करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहे हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हाईवे जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स हों या पीएम आवास योजना के तहत बन रहे घर हों, दोनों में ही आपदा प्रतिरोध का, आपदा लचीलापन का ध्यान रखा जा रहा है। गुजरात का सीएम रहते हुए मुझे कई प्राकृतिक आपदाओं से निपटने का अनुभव है। मैं जानता हूं कि अगर बचाव और पुनर्वास के काम में राजनीतिक दखलंदाजी न हो, तो काम बहुत तेज गति से होता है। 2013 में केदारनाथ में आपदा आई थी, तब पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचने में देरी हो रही थी। इसकी वजह यह थी कि कांग्रेस के शाही परिवार के लोग राहत सामग्री के साथ अपना नाम, अपनी तस्वीर चाहते थे। कुछ महीने पहले उत्तराखंड में कुछ श्रमिक भाई टनल में फंस गए थे। तब केंद्र, राज्य और स्थानीय प्रशासन ने एक यूनिट की तरह काम किया। सीएम पुष्कर धामी खुद टनल में श्रमिकों का हौसला बढ़ा रहे थे। इसी सामंजस्य से चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन सफल रहा।

उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का ब्रांड एंबेसेडर बताए जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा, उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर तो यहां के लोग हैं। मैं सिर्फ इस देवभूमि का सेवक हूं। यह दशक उत्तराखंड का दशक है। मेरे इस विश्वास के पीछे ठोस आधार है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, प्राचीन संस्कृति, यहां के लोगों की मेहनत उत्तराखंड को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएगी। मेरी कोशिश है कि देश-विदेश के पर्यटकों के लिए उत्तराखंड पहुंचना आसान बनाया जाए और यहां से वे अच्छे अनुभव लेकर लौटें। नई रेल लाइन, हाईवे, पावर प्लांट, पेयजल योजना, शहरी विकास, वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़ी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। 2017 तक केदारनाथ में एक साल में पांच लाख श्रद्धालु पहुंचने का रिकॉर्ड था। सुविधाएं बढ़ने के बाद पिछले वर्ष करीब 20 लाख श्रद्धालु आए।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड की नारी शक्ति का खास तौर पर उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मैं उत्तराखंड की महिलाओं को मां नंदा के रूप में देखता हूं। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में महिलाएं परिवार की रीढ़ हैं। इनसे मुझे समर्पण भाव से अपने काम में लगे रहने की प्रेरणा मिलती है। 10 वर्षों में हमने ये सुनिश्चित किया है कि महिलाएं भी भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनें। हमारी योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में सुविधाओं को बढ़ाया है। हमारी सरकार ने 12 करोड़ शौचालय बनाए हैं। उत्तराखंड में भी पांच लाख से ज्यादा परिवारों में महिलाओं के लिए इज्जत घर बनाए गए हैं। उज्ज्वला योजना के तहत उत्तराखंड में भी करीब साढ़े पांच लाख माताओं-बहनों को धुआंमुक्त रसोई की सुविधा मिली है। जल जीवन मिशन की वजह से 13 लाख से ज्यादा परिवारों को आसानी से पीने का साफ पानी मिलने लगा है। उत्तराखंड के लोगों की आवाज उठाने के लिए, यहां की आकांक्षाओं को संसद में रखने के लिए मजबूत उम्मीदवार उतारे हैं। ये अनुभवी और जमीन से जुड़े नेता हैं। भाजपा के विजन को आगे बढ़ाएंगे और उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए समर्पित रहेंगे।

### डीएमके की विदाई भाजपा और एनडीए के हाथों ही होगी

मेट्टुपालयम (तमिलनाडु), 10 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेट्टुपालयम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज मैं देख रहा हूं, पूरे तमिलनाडु में भाजपा ही छाई हुई है। हर कोई कह रहा है, डीएमके की विदाई भाजपा और एनडीए के द्वारा ही होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डीएमके और कांग्रेस जैसी फैमिली पार्टियों का एक ही एजेंडा रहता है, किसी भी तरह झूठ बोलकर सरकार में बने रहो। कांग्रेस ने इतने दशकों तक गरीबी हटाओ का नारा दिया लेकिन गरीबी नहीं हटी। ये एनडीए सरकार है जिसने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में कहा, अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण होता है, ये लोग उसका भी विरोध करते हैं। मैं तमिलनाडु में भगवान राम से जुड़े स्थानों पर आता हूं, इन्हें उससे भी तकलीफ होती है। ये लोग तो सनातन धर्म को समाप्त करने की धमकी दे रहे हैं। नए संसद भवन में तमिलनाडु की संस्कृति से जुड़े पवित्र सेंगोल की स्थापना होती है, डीएमके उसका बहिष्कार करती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, देश में जब कांग्रेस सरकार थी, राज्यों के साथ इस आधार पर भेदभाव होता था कि कहां किस पार्टी की सरकार है। लेकिन एनडीए सरकार सबका साथ, सबका विकास के विजन पर काम कर रही है। हम कहते हैं विकसित भारत के लिए विकसित तमिलनाडु। इसलिए हमने पिछले 10 सालों में तमिलनाडु के विकास के लिए लाखों-करोड़ों रुपए लगाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इन फैमिली पार्टियों को लगता है कि इनके बेटे-बेटियों के अलावा कोई गरीब आदिवासी बड़े पद पर बैठ ही नहीं सकता है। लेकिन भाजपा ने पहली बार एक आदिवासी महिला को भारत का राष्ट्रपति बनाया और उस समय भी इंडी अलायंस वालों ने उनका घोर विरोध किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस-डीएमके के इंडी गठबंधन ने दशकों तक दलितों पिछड़ों और आदिवासी समाज के करोड़ों लोगों को मकान, पानी, बिजली के लिए तरसा कर रखा। क्योंकि इनकी सोच थी कि सबको मकान और बिजली नहीं मिल सकता। लेकिन भाजपा सरकार ने करोड़ों लोगों को पीएम आवास दिया, हर गांव तक बिजली पहुंचाई, 80 करोड़ जरूरतमंदों को मुफ्त राशन दिया और इसमें अधिकांश दलित पिछड़े और आदिवासी समाज के लोग हैं।

### ढेर सारे ...

उपलब्ध रह गए हैं। अधिकांश हेलीकॉप्टर लगभग छह माह पहले ही बुक हो गए हैं। इसलिए अभी हेलीकॉप्टर की कमी हो रही है।

इस उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि भारत के हेलीकॉप्टर उद्योग में प्रमुख प्लेयर्स में पवन हंस, ग्लोबल वेक्ट्रा, हेलिगो चार्टर और हेरिटेज एविएशन शामिल हैं। हेलीकॉप्टर की कमी के कारण कई राजनीतिक दल एक भी हेलीकॉप्टर किराए पर नहीं ले पा रहे हैं। चुनावी मौसम में सबसे ज्यादा मांग ट्विन इंजन वाले हेलीकॉप्टरों की होती है। इनका इस्तेमाल आमतौर पर वीआईपी यात्राओं के लिए किया जाता है। ये सामान्य से काफी अधिक घंटों तक उड़ान भरते हैं, जिससे विमानन सेवाओं के राजस्व में वृद्धि होती है। चेन्नई में प्राइवेट जेट के किराये के रेट 3.4 लाख रुपए से 6.4 लाख रुपए प्रति घंटे तक हैं। सिंगल इंजन वाले हेलीकॉप्टरों के लिए शुरुआती रेट एक लाख रुपए प्रति घंटा तक हैं, जबकि ट्विन इंजन वाले हेलीकॉप्टरों के लिए यह 2 से 3 लाख रुपए प्रति घंटा तक हैं।

# जन्मोत्सव पर किरणें करेंगी राम लला का सूर्य तिलक

**अयोध्या, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** इस वर्ष की रामनवमी कई मायनों में खास होने वाली है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला नवरात्रि है। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम नवमी की खास तैयारी की है। रामनवमी को राम जन्मोत्सव के दिन रामलला का सूर्य तिलक भी किया जाएगा। 17 अप्रैल को दोपहर में ठीक 12:00 बजे राम लला का सूर्य अभिषेक किया जाएगा। इसके लिए खास तैयारी की गई है। सूर्य तिलक का ट्रायल भी सफल हो चुका है।

सूर्य तिलक के लिए आईआईटी रुड़की सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एक खास ऑप्टो मैकेनिकल सिस्टम तैयार किया है। इसमें मंदिर के सबसे ऊपरी तल (तीसरे तल) पर लगे दर्पण पर ठीक दोपहर 12 बजे सूर्य की किरणें पडेंग़ी। दर्पण से 90 डिग्री पर परावर्तित होकर ये किरणे एक पीतल के पाइप में जाएंगी। पाइप के छोर पर एक दूसरा दर्पण लगा है। इस दर्पण से सूर्य किरणें एक बार फिर से परावर्तित होंगी और पीतल की पाइप के साथ 90 डिग्री पर मुड़ जाएंगी।

दूसरी बार परावर्तित होने के बाद सूर्य किरणें लंबवत दिशा में नीचे की ओर चलेंगी। किरणों के इस रास्ते में एक के बाद एक तीन लेंस पड़ेंगे, जिनसे इनकी तीव्रता और बढ़ जाएगी। लंबवत पाइप जाती है।

लंबवत पाइप के दूसरे छोर पर एक और दर्पण लगा है। बढ़ी हुई तीव्रता के साथ किरणें इस दर्पण पर पड़ेंगी और पुन: 90 डिग्री पर मुड़ जाएंगी। 90 डिग्री पर मुड़ी ये किरणें सीधे राम लला के मस्तक पर पड़ेंगी। इस तरह से राम लला का सूर्य तिलक पूरा होगा।

सूर्य किरणों का यह तिलक 75 मिमी का गोलाकार रूप में होगा। दोपहर 12 बजे सूर्य किरणें रामलला के मस्तक पर पड़ेंगी।

नरंतर चार मिनट तक किरणें रामलला के मुख मंडल को प्रकाशमान करेंगी। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि श्रीराम लला का सूर्य तिलक करने की तैयारी संपूर्ण परिश्रम से हो रही है। संभव है कि राम नवमी पर वैज्ञानिकों का प्रयास फलीभूत हो जाए। तकरीबन 100 एलईडी स्क्रीन के माध्यम से इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

सूर्य तिलक तय समय पर हो इसके लिए इस सिस्टम में 19 गियर लगाए गए हैं। ये गियर्स सेकंडों में दर्पण और लेंस पर किरणों की चाल बदलेंगे। ये पूरा सिस्टम बिना बिजली के काम करेगा। विशेष सूर्य तिलक के निर्माण में सूर्य के पथ को लेकर तकनीकी मदद बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) से ली गई है। बेंगलुरु की कंपनी ऑप्टिका के एमडी राजेंद्र कोटारिया ने लेंस और ग्रास ट्यूब तैयार किया है। उन्होंने ही इसे इंस्टॉल भी किया। सीबीआरआई की टीम का नेतृत्व डॉ. एसके पाणिग्रही के साथ डॉ आरएस बिष्ट, कांति लाल सोलंकी, वी चक्रधर, दिनेश और समीर ने किया है।

सूर्य तिलक मैकेनिज्म का उपयोग पहले से ही कुछ जैन मंदिरों और कोणार्क के सूर्य मंदिर में किया जा रहा है। हालांकि, उनमें अलग तरह की इंजीनियरिंग का प्रयोग किया गया है। राम मंदिर में भी मेकेनिज्म वही है, लेकिन इंजीनियरिंग बिलकुल अलग है। निर्धारित समय पर तिलक करना बड़ी चुनौती थी। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन रामलला के वस्त्र बदले गए। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुताबिक 22 जनवरी को हुई प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार प्रभु के वस्त्रों की शैली को बदला गया है। भगवान के नए वस्त्र मयूर व अन्य वैष्णव चिह्नों को रंग-बिरंगे रेशम के साथ-साथ असली तारों से काढ़ा गया है। यह वस्त्र खादी कॉटन से निर्मित है। इन पर असली चांदी और सोने की हस्त-छपाई की गई है। छपाई में प्रयोग किए हुए सभी चिह्न वैष्णव पद्धति के हैं।

## समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र जारी

# मुफ्त की रेवड़ी बांटने में आगे निकलने की कोशिश

**लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** समाजवादी पार्टी ने घोषणा पत्र जारी कर दिया है। घोषणा पत्र के जरिए सपा ने जनता के बीच मुफ्त की रेवड़ी बांटने की प्रतियोगिता में आगे निकलने की कोशिश की है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जनता के सुझाव पर विजन डॉक्यूमेंट बनाया गया है।

सपा के घोषणापत्र में किए गए बड़े वादों में मनरेगा में मजदूरी बढ़ाने का वादा भी शामिल है। सपा ने मनरेगा में मजदूरी बढ़ाकर 450 रुपए करने का वादा किया है। सपा ने मनरेगा के तहत कार्य दिवस की संख्या बढ़ाने का वादा भी किया है।

सत्ता में आने पर मनरेगा के तहत कार्य दिवस के दिन 150 तक किए जाएंगे। घोषणा पत्र में सपा ने सभी सरकारी विभागों में खाली पड़े पद तत्काल भरने का वादा किया है। घोषणा पत्र के अनुसार, सभी के लिए राष्ट्रीय रोजगार नीति और मिशन रोजगार स्थापित होगा। घोषणा पत्र में सपा के युवाओं के लिए लैपटॉप वितरण योजना पूरे देश में लागू करने का भी वादा किया है। सपा ने पुलिस समेत सभी सरकारी विभागों की नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने का वादा भी किया है। सपा ने लड़कियों के लिए बड़ा ऐलान किया है।

घोषणा पत्र के अनुसार, सपा की सरकार बनने पर केजी से पीजी तक लड़कियों को फ्री शिक्षा मिलेगी। संसद और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करने का वादा भी सपा ने किया है। सपा ने महिलाओं को डायरेक्ट कैश बेनिफिट का वादा भी किया है। सत्ता में आने पर गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को 3000 रुपए प्रति महीने तक की मासिक पेंशन मिलेगी। सपा ने जातिगत जनगणना कराने का वादा किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि इसमें देर नहीं होनी चाहिए। सत्ता में आने पर साल 2025 तक जातीय जनगणना कराई जाएगी।

मुफ्त राशन योजना में मिलने वाले गेहूं की जगह आटा देने का सपा ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया है। यह आटा पोष्टिकता और गुणवत्ता के मामले में अच्छा होगा। गुणवत्ता के मामले में आटा देश की सबसे अच्छी कंपनियों के मुकाबले का रहेगा। सपा ने एक और बड़ा वादा किया है। घोषणा पत्र के अनुसार, सत्ता में आने पर राशन कार्ड धारक हर फैमिली को 500 रुपए का मोबाइल डेटा मुफ्त भी मिलेगा। मुफ्त डेटा से डिजिटल सम्पन्न बनाम डिजिटल विपन्न में डिजिटल डिवाइड का अंतर नहीं रहेगा।

# मतभेद और मनभेद सुलझाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती

**लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** करीब एक दशक बाद भाजपा कार्यकर्ताओं फिर से विरोधी तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। कहीं टिकट वितरण को लेकर, तो कहीं उपेक्षा को लेकर नाराजगी है। अपनों के मतभेद और मनभेद सुलझाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है।

वर्षों से पार्टी के लिए जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं में सरकार बनाने को लेकर उत्साह तो है, पर कुछ बातों को लेकर मलाल भी है। जो वजहें सामने आ रही हैं, उसके मुताबिक जब भी आगे बढ़ने का मौका आता है, तो उन्हें पीछे धकेल दिया जाता है। हाल ही में बरेली और घोसी में हुआ वाकया ताजा उदाहरण है। यहां आपसी अंतर्कलह का खुलासा तो खुद प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार ने ही सार्वजनिक रूप से कर दिया। वहीं, घोसी में भाजपा स्थानीय पदाधिकारियों ने सहयो सुभासपा के प्रत्याशी अरविंद राजभर खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्हें मनाने के लिए राजभर को घुटनों पर आकर माफी मांगनी पड़ी। अंतर्कलह की आग सिर्फ इन्हीं दो सीटों पर ही सुलग रही है ऐसा भी नहीं है। कई सीटों पर कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। टिकट कटने से खफा सांसद और उनके समर्थक उनकी नाराजगी को हवा दे रहे हैं।

कई जगहों पर टिकट वितरण में उपेक्षा से आहत जातीय संगठन भी संकट खड़ा करने में जुटे हुए हैं। वहीं, मुजफ्फरनगर में पार्टी के ही विधायक भाजपा प्रत्याशों का विरोध कर रहे हैं। ऐसे ही मेरठ, गाजियाबाद, फतेहपुर सीकरी, पीलीभीत, चंदौली, गाजीपुर, बाराबंकी जैसी कई सीटों पर अंतर्कलह की बातें सामने आ रही हैं। वहीं, पीलीभीत में वरुण गांधी का टिकट कटने से सिख समुदाय खुलेआम नाराजगी जाहिर कर चुका है।

अभी तक भाजपा ने अपने कोटे की 75 सीटों में से 63 पर ही प्रत्याशी उतारे हैं। इनमें से गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, पीलीभीत, कानपुर, बदायूं, बाराबंकी, हाथरस और बहराइच के सांसदों के टिकट कटे हैं। हालांकि बहराइच सीट से सांसद अक्षयबर लाल गोंड का टिकट काटा तो उनके बेटे को ही मैदान में उतार दिया। पर, बाकी आठ सीटों पर टिकट कटने से नाराज समर्थक विरोधी स्वर को हवा दे रहे हैं। वहीं, 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारने में हो रही देरी के पीछे भी अंदरूनी खींचतान को ही वजह बताया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी के बीज प्रदेश संगठन के पुनर्गठन के समय ही पड़ गए थे। राज्य, क्षेत्र और जिला स्तर पर हुई पदाधिकारियों की नियुक्ति में अपनी अनद-खी से पुराने कार्यकर्ता तभी से नाराज बैठे हैं। ये लोग चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

# सिपाही भर्ती पेपर लीक कांड का दूसरा मास्टरमाइंड भी गिरफ्तार

## यूपी एसटीएफ ने रवि अत्री को धर दबोचा

**लखनऊ, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** सिपाही भर्ती परीक्षा पेपर लीक कांड के दूसरे मास्टरमाइंड रवि अत्री को यूपी एसटीएफ की टीम ने बुधवार को गौतमबुद्धनगर के थाना जेवर के बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ को उसके पास से तीन प्रश्न पत्र, एक मोबाइल फोन, एक पेन ड्राइव और एक मेट्रो पास बरामद हुआ है। रवि अत्री ने सिपाही भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्रों को ट्रंक बॉक्स खोलकर उसमें से पेपर निकालकर लीक किया था।

सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद प्रदेश सरकार ने परीक्षा निरस्त कर दी थी और पूरे मामले की जांच यूपी एसटीएफ को सौंपी गई थीं। मामले में अब तक कई गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। मुख्य आरोपी राजीव नयन मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि मामले का मुख्य आरोपी रवि अत्री जेवर थाना क्षेत्र के बस स्टेशन पर आने वाला है। इस पर एसटीएफ की टीम ने आवश्यक बल प्रयोग कर उसे बस स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

रवि अत्री ने एसटीएफ को बताया कि वर्ष 2006 में गौतमबुद्धनगर के एक इंटर कॉलेज से 12वीं की परीक्षा में पास होने के बाद वह मेडिकल की तैयारी के लिए कोटा, राजस्थान गया था और वहीं परीक्षा माफियाओं के संपर्क में आ गया और विभिन्न परीक्षाओं में सॉल्वर बनकर बैठने लगा। वर्ष 2012 में नीट पीजी की परीक्षा का पेपर लीक करने के मामले में दरियागंज क्राइम ब्रांच दिल्ली से वह जेल भेजा गया था और इसी वर्ष एसबीआई की परीक्षा का पेपर आउट कराने में थाना शाहबाद डेरी, दिल्ली से जेल गया था। वर्ष 2015 में वह एआईपीएमटी का पेपर आउट कराने में थाना पीजीआईएमएस रोहतक, हरियाणा से अपने साथियों के साथ जेल गया था।

# राममंदिर में सोने की अनोखी रामायण के भी होंगे दर्शन

**अयोध्या, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** राम मंदिर में श्रद्धालु अब सोने की अनोखी रामायण के भी दर्शन कर सकेंगे। गर्भगृह में इस रामायण को विधि विधान पूर्वक स्थापित कर दिया गया है। ये खास रामायण मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस सुब्रमण्यम लक्ष्मीनारायणन और उनकी पत्नी सरस्वती ने राम मंदिर ट्रस्ट को भेंट की है। मंगलवार को नवरात्र के प्रथम दिन इस रामायण की स्थापना के दौरान लक्ष्मी नारायण अपनी पत्नी के साथ मौजूद रहे।

इसका निर्माण चेन्नई के प्रसिद्ध वुममिडी बंगारू ज्वेलर्स ने किया है। रामायण को गर्भगृह में

रामलला की मूर्ति से सिर्फ 15 फीट की दूरी पर एक पत्थर के आसन पर रखा गया है। इसके शीर्ष पर चांदी से बना राम का पट्टाभिषेक है। इस दौरान राम मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव, पुजारी प्रेमचंद त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

इस विशेष प्रतिकृति का प्रत्येक पृष्ठ तांबे से बना 14 गुणे 12 इंच आकार का है। जिस पर राम चरित मानस के श्लोक अंकित हैं। 10,902 छंदों वाले इस महाकाव्य के प्रत्येक पृष्ठ पर 24 कैरेट सोने की परत चढ़ी है। गोल्डन प्रतिकृति में लगभग 480-500 पृष्ठ हैं और यह 151 किलोग्राम तांबे और 3-4 किलोग्राम सोने से बनी है। प्रत्येक पृष्ठ तीन किलोग्राम तांबे का है। धातु से बनी इस रामायण का वजन 1.5 क्विंटल से अधिक है।

# भाजपा ने सात सीटों पर घोषित किए उम्मीदवार

**नोएडा, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की 10वीं लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में नौ प्रत्याशियों की घोषणा की गई है। चंडीगढ़ के अलावा उत्तर प्रदेश की सात और पश्चिम बंगाल की एक लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

यूपी की चर्चित सीटों में से एक मैनपुरी से भी भाजपा ने प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने इस सीट से योगी सरकार में मंत्री जयवीर सिंह ठाकुर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। उनका सीधा मुकाबला सपा सांसद और प्रत्याशी डिंपल यादव से होगा। 2022 के विधानसभा

चुनाव में जयवीर ने मैनपुरी की सदर विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। वर्तमान में वह योगी सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री हैं।

प्रयागराज की दोनों सीटों पर भाजपा ने नए उम्मीदवारों को मौका दिया है। इलाहाबाद सीट से मौजूदा सांसद रीता बहुगुणा जोशी का टिकट काट दिया गया है। उनकी जगह इलाहाबाद सीट से नीरज त्रिपाठी को भाजपा ने टिकट दिया है। नीरज त्रिपाठी पूर्व राज्यपाल और यूपी विधानसभा के अध्यक्ष रहे केशरी नाथ के पुत्र हैं। इसके अलावा फूलपुर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद केसरी देवी पटेल का टिकट भी कट गया है। उनकी जगह प्रवीण पटेल को भाजपा ने मैदान में उतारा है। प्रवीण पटेल अभी फूलपुर सीट से विधायक हैं।

इसके अलावा, कौशांबी लोकसभा सीट से भाजपा ने एक बार फिर विनोद सोनकर पर भरोसा जताया है। भाजपा ने मौजूदा सांसद सोनकर को टिकट दिया है। इसके अलावा मछलीशहर से बीडी सोनकर को टिकट दिया है। गाजीपुर सीट से माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल के सामने भाजपा ने पारस नाथ राय को उतारा है। अफजाल अंसारी मौजूदा सांसद हैं, इस उन्हें सपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है।

भाजपा ने यूपी की सात सीटों पर जिन उम्मीदवारों का ऐलान किया है उनमें मैनपुरी लोकसभा सीट से जयवीर ठाकुर, फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण पटेल, इलाहाबाद लोकसभा सीट से नीरज त्रिपाठी, कौशाम्बी लोकसभा सीट से विनोद सोनकर, बलिया सीट से नीरज शेखर, मछलीशहर सीट से बीपी सरोज और गाजीपुर सीट से पारसनाथ राय शामिल हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
# म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 11 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

## नंदिता की बहन निवेदिता छावनी उपचुनाव के लिए बीआरएस प्रत्याशी घोषित

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना में सिकंदराबाद छावनी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए जी. निवेदिता को बुधवार को अपना उम्मीदवार घोषित किया। इस वर्ष फरवरी में यहां सड़क दुर्घटना में निवेदिता की बहन जी. लस्या नंदिता की मृत्यु के बाद उपचुनाव हो रहा है। बीआरएस ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने दल के नेताओं के साथ चर्चा करके निवेदिता की उम्मीदवारी का फैसला किया।

उपचुनाव के लिए 13 मई को लोकसभा चुनाव के साथ मतदान होगा। सिकंदराबाद छावनी (सुरक्षित) सीट से पांच बार विधायक रहे निवेदिता के पिता का स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण पिछले साल निधन हो गया था।

पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में बीआरएस ने लस्या नंदिता को मैदान में उतारा था। हालांकि, हाल ही में सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी जिसके कारण उपचुनाव की आवश्यकता हुई। सत्तारूढ़ कांग्रेस पहले ही नारायण श्री गणेश को सिकंदराबाद छावनी से अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

## राज्य में सूखे के लिए रेवंत सरकार जिम्मेदार : भाजपा

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
भाजपा ने राज्य में सूखे के हालात के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, आधिकारिक प्रवक्ता एस प्रकाश रेड्डी और एनवी सुभाष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की अक्षमता के कारण राज्य में पानी की कमी है। सुभाष ने कहा कि जब भी कांग्रेस सत्ता में आती है, राज्य में सूखा पड़ता है। कांग्रेस जब भी सत्ता में आती है तो सूखा और भ्रष्टाचार अपने साथ लाती है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कड़ा प्रहार करते हुए सुभाष ने कहा कि पूरा राज्य सूखे से जूझ रहा है और मुख्यमंत्री, सिंचाई और पीने के लिए पानी उपलब्ध कराने के तरीके खोजने के बजाय, प्रतिद्वंद्वी दलों से दलबदल कराने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि सूखे से निपटने के लिए सरकार के पास कोई योजना नहीं है। राज्य के अधिकांश जिलों में पीने के पानी की कमी है। सरकार लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं है।

प्रकाश रेड्डी ने कांग्रेस और एआईएमआईएम पर मिलकर काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों पार्टियां आगामी लोकसभा चुनाव में एक-दूसरे की मदद करने के लिए समन्वय में काम कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया, एआईएमआईएम कांग्रेस की बी-टीम के रूप में काम कर रही है और लोकसभा चुनाव में उसका समर्थन कर रही है।

## सीएम रेवंत ने दीं ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को रमज़ान (ईद-उल-फितर) की पूर्व संध्या पर मुस्लिम समुदाय को अपनी शुभकामनाएं दीं और उनसे त्योहार को खुशी के साथ मनाने और अल्लाह का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया। तेलंगाना को गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अल्पसंख्यकों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और प्रार्थना की कि राज्य सभी समुदायों के लोगों के सद्भाव और एकता के साथ रहने से समृद्ध हो।

## फार्मास्युटिकल कंपनियों में एक्सपायर हो चुके रिएक्टरों को तुरंत बदला जाए : वल्लुरु क्रांति

**संगारेड्डी, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
कलेक्टर वल्लुरु क्रांति ने उद्योगपतियों से फार्मास्युटिकल कंपनियों में रिएक्टरों के संभावित विस्फोटों पर कर्मचारियों को सचेत करने के लिए एक तकनीक रखने को कहा है। एसबी ऑर्गेनिक्स और कोवैलेंट फार्मास्यूटिकल्स में रिएक्टर विस्फोटों के मद्देनजर, जिसमें पिछले कुछ महीनों के दौरान 10 से अधिक लोगों की जान चली गई, कलेक्टर ने मानक संचालन प्रक्रिया पर बुधवार को कलेक्टोरेट में उद्योगपतियों और उद्योगों से जुड़े विभिन्न सरकारी विभागों के साथ औद्योगिक सुरक्षा समीक्षा बैठक की।

उन्होंने दवा कंपनियों के प्रबंधन को एक्सपायर हो चुके रिएक्टरों को तुरंत बदलने का निर्देश दिया है। उद्योगों से यह कहते हुए कि वे औद्योगिक सुरक्षा पर क्या उपाय कर रहे हैं, एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। क्रांति ने अधिकारियों को पिछले पांच वर्षों के दौरान हुई औद्योगिक दुर्घटनाओं पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है।

कलेक्टर ने अधिकारी को उद्योगों से जुड़े जिला प्रशासन के सभी विंगों द्वारा निरीक्षण करने के अलावा तीसरे पक्ष को शामिल करके निरीक्षण करने के लिए कहा है। उन्होंने अधिकारियों से अप्रैल के तीसरे सप्ताह के दौरान औद्योगिक सुरक्षा और मानक संचालन प्रक्रिया पर फार्मास्युटिकल और संबद्ध उद्योगों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा है। जिन उद्योगों में रिएक्टर हैं, उन्हें लॉग बुक बनाए रखने के लिए कहते हुए, उन्होंने कारखानों के निरीक्षक और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बिना चूके नियमित निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया है। कलेक्टर ने सभी उद्योगों को सभी सुरक्षा उपकरणों से लैस रहने को कहा है। क्रांति ने फार्मा कंपनियों के प्रबंधन को एक रिपोर्ट सौंपने का सुझाव दिया है कि क्या वे अपने कर्मचारियों के लिए कोई प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने प्रबंधन से यह भी रिपोर्ट मांगी है कि भविष्य में औद्योगिक दुर्घटनाओं से बचने के लिए उन्होंने किस तरह के प्रयास किए हैं। बैठक में महाप्रबंधक जिला औद्योगिक केंद्र प्रशांत कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी श्रीनिवास, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पदाधिकारी गीता एवं विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान ने मनाया विश्व होम्योपैथी दिवस

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान हैदराबाद ने बुधवार को संस्थान परिसर में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया। डॉ.सीएफ सैमुअल हैनीमैन (होमियोपैथी के जनक और संस्थापक) की 269वीं जयंती के अवसर पर डॉ. वी. श्रीदेवी, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) और संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संग्रहालय कक्ष में स्थापित डॉ. हैनीमैन के अर्ध-प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित की।

तत्पश्चात सम्मेलन कक्ष में एक बैठक का आयोजन किया गया। प्रभारी सहायक निदेशक ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान सभी चिकित्सकों को विश्व होमियोपैथी दिवस की बधाई दी और सभी आयुष चिकित्सकों से आयुष पद्धति को बढ़ावा देने और जनता को अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायता करने का अनुरोध किया। डॉ. बिस्वो रंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होमियो) ने कार्यक्रम का समन्वयन किया और हैनीमैन के जीवनी और भारत में होमियोपैथी की स्थिति के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

डॉ. टी. साकेत राम, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने होमियोपैथीसे जुड़ी हुई जानकारी के बारे में अपना वक्तव्य दिया। इस बैठक में डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), और सभी कार्यालय और परियोजना से जुड़े कर्मचारियों ने भाग लिया। डॉ. क्रिस आन्टणी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

## साइबराबाद एसओटी ने नशीली दवाओं के साथ पांच लोगों को दबोचा

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
साइबराबाद एसओटी ने बुधवार को सनथनगर बस स्टैंड पर पांच लोगों को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने एमडीएमए, मारिजुआना, ओसीबी रोलिंग पेपर्स जब्त किए, जिनकी कीमत कुल मिलाकर 2 लाख रुपये थी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में वी. नागाराजू, चौधरी गणेश, एम. भरत, साई दिलीप और एम.गौतम शामिल हैं, जो बंजारा हिल्स के निवासी हैं।पुलिस के अनुसार, नागराजू ने

गोवा के एक डीलर से ड्रग्स खरीदा और एक जन्मदिन की पार्टी के लिए निजी बसों में उन्हें हैदराबाद में तस्करी कर लाया। गुप्त सूचना के बाद एस-ओटी ने उन्हें नशीली दवाओं के साथ पकड़ लिया और आगे की कार्रवाई के लिए सनथनगर पुलिस को सौंप दिया है।

## एक शाम सांवरिया के नाम 13 को

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
अग्रवाल युवा सेना शालीबंडा का प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी एक शाम सांवरिया के नाम 13 अप्रैल को काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में रात 7.31. से प्रभु इच्छा तक होगा। युवा सेना के पवन डोकानिया ने बताया की इस वर्ष एक शाम सांवरिया के नाम बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा। कार्यक्रम में आमंत्रित भजन प्रवाहिका नीमच से सुश्री कनिका ग्रोवर, हैदराबाद से विक्रम चन्दन एवं पवन डोकानिया भजन प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, विशेष अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज बैंकेट हाल के अध्यक्ष राकेश कुमार जालान, सम्मानीय अतिथि अग्रवाल समाज तेलंगाना के उपाध्यक्ष पुरषोतम अग्रवाल, मंत्री कपूरचंद गुप्ता, सयुक्त मंत्री कंचन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल होंगे। युवा सेना के अध्यक्ष पंकज गोयनका ने सभी श्याम प्रेमियों से निवेदन किया है की वे आएं और बाबा की ज्योत एवं भजनो का आनंद लें।

## गुरुद्वारा साहेब अमीरपेट में 12 से 14 अप्रैल तक मनाया जाएगा बैसाखी पर्व

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
तेलंगाना में बैसाखी के नाम से जाना जाने वाला खालसा पंथ स्थापना दिवस समारोह 12 से 14 अप्रैल तक यहां सिख समुदाय की ओर से भव्य रूप से मनाया जायेगा। समारोह का आयोजन हैदराबाद में गुरुद्वारा साहेब अमीरपेट के तत्वावधान में किया जायेगा जहां हैदराबाद और तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों से सिख समुदाय के लोग बैशाखी समारोह के लिए अमीरपेट गुरुद्वारा में जुटेंगे। 13 अप्रैल को होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में विशाल दीवान (सामूहिक सम्मेलन) और नगर कीर्तन (पवित्र जुलूस) शामिल हैं।

विशाल दीवान अमीरपेट के श्री गुरु गोबिंद सिंहजी प्ले ग्राउंड में पूर्वान्ह 11 बजे से शाम 4.30 बजे तक होगा, जिसमें भाई एस गुरप्रीत सिंह खालसा, ज्ञानी विशाल सिंह और भाई वीर सिंह

जैसी हस्तियों द्वारा गुरुबानी कीर्तन का भावपूर्ण गायन होगा। समागम के दौरान, भक्तों को स्वयंसेवकों द्वारा तैयार पारंपरिक गुरु-का-लंगर परोसा जाएगा।

शाम को नगर कीर्तन का आयोजन होगा जो गुरुद्वारा साहेब से शुरू होकर ग्रीनलैंड्स, बेगमपेट, पंजागुट्टा से होते हुए गुरुद्वारा वापस लौटेगी।

गुरु ग्रंथ साहेबजी को निशान साहेबान (धार्मिक झंडे) के साथ एक सजाए गए वाहन पर ले जाया जाएगा। जुलूस में शबद कीर्तन, पंज प्यारों (पांच प्यारे) का गायन और सिख मार्शल आर्ट शैली गतका और तलवार अभ्यास का प्रदर्शन भी शामिल होगा।इन मुख्य कार्यक्रमों के अलावा, समारोह में 12 अप्रैल को अमृत संचार समारोह शामिल है, जहां योग्य सिख पूर्वान्ह 11 बजे गुरुद्वारा साहेब में इस पवित्र संस्कार में भाग लेंगे। 14 अप्रैल को उत्सव का समापन गुरु गोबिंद सिंहजी स्पोर्ट्स प्ले ग्राउंड, अमीरपेट में एक रात्रि मण्डली के साथ होगा, जिसमें श्रद्धेय वक्ताओं द्वारा शबद कीर्तन और ज्ञानवर्धक कथाएं प्रस्तुत की जाएंगी।

## कुत्तों के हमले में 60 भेड़ों की मौत

**संगारेड्डी, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मंगलवार देर रात्रि मनूर मंडल के बेलापुर गांव में आवारा कुत्तों के हमले में सात चरवाहों की साठ भेड़ें मारी गईं।मंडल के विभिन्न गांवों के चरवाहे अपने झुंडों के साथ रात के समय बेलापुर में डेरा डाले हुए थे। भेड़ प्रजनन सहकारी समिति के राज्य अध्यक्ष बापू मालशेट्टी ने घटनास्थल का दौरा किया और उन्हें मुआवजा दिलाने के लिए घटना को सरकार के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया।

## अनाथालय में किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
अपने माता-पिता की मृत्यु और अनाथ हो जाने से परेशान होकर एक किशोरी लड़की ने मंगलवार को डंडीगल में एक गैर सरकारी संगठन द्वारा संचालित अनाथआश्रम के एक कमरे में आत्महत्या कर ली। 13 साल की किशोरी ने कम उम्र में ही अपनी मां को खो दिया था और वह अपने पिता के साथ रह रही थी। हालांकि उसके पिता की भी गंभीर बीमारी से मृत्यु हो गई, जिसके बाद उनके रिश्तेदारों ने उन्हें अनाथालय में भर्ती करा दिया।

पुलिस के मुताबिक, लड़की एक पारिवारिक शादी में शामिल होने के लिए अपनी मौसी के घर गई थी और सोमवार को वापस लौटी। बताया जा रहा है कि वह

पिछले कुछ दिनों से परेशान थी और पहली मंजिल पर एक कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके दोस्तों द्वारा सतर्क किए जाने पर एनजीओ अधिकारियों ने पुलिस को सूचित किया। डंडीगल पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। शव को गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में स्थानांतरित कर दिया गया और बाद में शव परीक्षण के बाद परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया।

## सालार जंग संग्रहालय आज बंद रहेगा

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
शहर के सालार जंग संग्रहालय ने घोषणा की है कि वह ईद-उल-फितर के उपलक्ष्य में गुरुवार को जनता के लिए बंद रहेगा। यह घोषणा एक्स प्लेटफॉर्म पर संग्रहालय के आधिकारिक हैंडल के माध्यम से की गई है। संग्रहालय के आधिकारिक हैंडल से बयान में कहा गया है प्रिय आगंतुकों, ईद-उल-फितर के अवसर पर सालार जंग संग्रहालय 11 अप्रैल को जनता के लिए बंद रहेगा। कृपया तदनुसार अपनी यात्राओं की योजना बनाएं। सालार जंग संग्रहालय, जिसमें कलाकृति, ऐतिहासिक कलाकृतियाँ और प्राचीन पांडुलिपियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, पर्यटकों और निवासियों दोनों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बना हुआ है।

## युवक ने किशोरी के साथ किया बलात्कार का प्रयास, मामला दर्ज

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मंगलवार रात कारखाना के मडफोर्ट में 17 वर्षीय किशोरी से कथित तौर पर बलात्कार का प्रयास करने के आरोप में एक युवक पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, उसी के पड़ोस के एक निजी कर्मचारी भानु कुमार (25) ने पास की दुकान से लौट रही लड़की का रास्ता रोका और उसके साथ यौन संबंध बनाने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार वह उसे एक सुनसान स्थान पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। किशोरी डर गई और शोर मचाते हुए भाग निकली। उसका शोर सुनकर स्थानीय निवासी उसकी मदद के लिए दौड़े, जिसके बाद उसने अपने माता-पिता को आपबीती बताई। एक शिकायत के आधार पर, भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत बलात्कार के प्रयास का मामला दर्ज किया गया और जांच की जा रही है।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना ने केंद्रीय कार्यालय में किया सभा का आयोजन

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अग्रवाल समाज तेलेंगाना द्वारा भविष्य की गतिविधियों के विषय में परिचर्चा करने हेतु बुधवार को सभा का आयोजन किया गया। सभा में मुख्यतः धन संग्रह पात्र, बैंक्वेट हॉल और मृगशिरा प्रसाद आदि विषयों पर परिचर्चा की गई।

अग्रवाल समाज तेलेंगाना ने समय-समय पर सामाजिक सामस्याओं, विपदाओं में अपना सहयोग दिया है। प्रतिवर्ष अग्रवाल समाज तेलेंगाना मृगशीरा प्रसाद वितरण के आयोजन में सहयोग करता है।

इसी क्रम को निरंतर रखने के उद्देश्य से आज अग्रवाल समाज तेलेंगाना की मृगशिरा प्रसाद समिति द्वारा अग्रवाल समाज कार्यालय में सभा बुलाई गई जिसमें कार्यक्रम को अम्लीजामा पहनाने हेतु परिचर्चा की गई।

सभा में धन संग्रह पात्र समिति के चेयरमैन आशीष दोचनिया ने सभी शाखाओं में धन संग्रह पात्र उपलब्ध करने पर ज़ोर देते हुआ कहा कि प्रत्येक शाखा के प्रत्येक सदस्य को धन संग्रह पात्र अपने अपने प्रतिष्ठान पर अपने अपने निवास स्थान पर अवश्य रखना चाहिए। समाज के अध्यक्ष ने बैंक्वेट हॉल अध्यक्ष राकेश जालान एवं मंत्री सूर्या कमल गुप्ता से बैंक्वेट हॉल बुकिंग बढ़ाने पर ज़ोर दिया और आवश्यक कदम उठाने को कहा।

समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभा के माध्यम से अग्रबंधुओं से अपील की है कि वे अपने अपने शुभ कार्यों में हमारे अपने समाज के बैंक्वेट हॉल को प्राथमिकता दें।

सभा में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष एवं मृगशीरा समिति के चेयरमैन नवीन अग्रवाल, धन संग्रह पात्र समिति के चेयरमैन आशीष दोचनिया, बैंक्वेट हॉल अध्यक्ष राकेश जालान, बैंक्वेट हॉल मंत्री सूर्य कमल अग्रवाल, अग्रवाल समाज के सदस्य सतीश अग्रवाल, संजय पसारी, अंकित अग्रवाल उपास्थित थे।

# सीसीएमबी ने बीएफआई-बायोम के साथ की साझेदारी

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के तहत एक प्रमुख जीवन विज्ञान अनुसंधान संगठन सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) ने ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफआई) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी शुरू की है। बीएफआई-बायोम एक वर्चुअल नेटवर्क प्रोग्राम है, जिसका उद्देश्य भारत में बायोमेडिकल अनुसंधान और नवाचार को उत्प्रेरित करना है।इस गठबंधन के तहत बीएफआई, बायोमेडिकल विज्ञान और नवाचार में अंतः विषय अनुवाद अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए तीन वर्षों में 600,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक आवंटित करेगा।

इस साझेदारी का उद्देश्य विचारों के आदान-प्रदान, नेटवर्क विस्तार और अमूल्य अनुभवों को साझा करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है।इस कार्यक्रम में सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय नंदिकूरी, संस्थान के अन्य वैज्ञानिक और बीएफआई के प्रतिनिधि, सीईओ डॉ. गौरव सिंह, डॉ. पूजा अग्रवाल, कार्यक्रम निदेशक डॉ. सत्य प्रकाश दाश एवं अन्य वरिष्ठ सलाहकार मौजूद रहे। ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट के संस्थापक संदीप नेलवाल ने सीएसआईआर-सीसीएमबी के बीएफआई-बायोम वर्चुअल नेटवर्क प्रोग्राम में शामिल होने को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

बीएफआई की कार्यक्रम निदेशक डॉ. पूजा अग्रवाल ने बायोमेडिकल नवाचार के माध्यम से दीर्घकालिक समाधान के निर्माण की कल्पना करते हुए सहयोग के संभावित प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक खोजों को प्रभावशाली स्वास्थ्य देखभाल समाधानों में बदलने में तेजी लाने में सीसीएमबी के साथ साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया।सीए-सआईआर सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय नंदिकूरी ने ठोस विज्ञान और अनुवादात्मक मूल्य पर आधारित परियोजनाओं की कल्पना की, जिनके परिणामों से बड़े पैमाने पर भारत की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को लाभ होगा। बीएफआई के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. सत्य प्रकाश दास ने सीसीएमबी की उपलब्धियों की सराहना की और बायोमेडिकल अनुसंधान के लिए भारत के प्रमुख संस्थानों में से एक के साथ साझेदारी करने के लिए बीएफआई की उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सीसीएमबी में अत्याधुनिक बायोमेडिकल अनुसंधान का समर्थन करके वे समाज के लाभ के लिए अनुवाद में तेजी ला सकते हैं और स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियों को कम कर सकते हैं।

# टीडीपी और जन सेना के प्रमुख नेता वाईएसआर कांग्रेस में हुए शामिल

**अमरावती, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जन सेना के कुछ प्रमुख नेता बुधवार को आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। पी. गन्नावरम का प्रतिनिधित्व करने वाली जन सेना की पूर्व विधायक पामुला राजेश्वरी देवी, रायचोटी का प्रतिनिधित्व करने वाले टीडीपी के पूर्व विधायक आर रमेश कुमार रेड्डी, और पोथिना महेश, जो पहले विजयवाड़ा पश्चिम से जन सेना के निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी के रूप में कार्यरत थे, ने औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री वाई.एस. की उपस्थिति में वाईएसआरसीपी में शामिल हुए।

मोहन रेड्डी, लक्कीरेड्डीपल्ली के पूर्व जेडपीटीसी, उमापति रेड्डी, लक्कीरेड्डीपल्ली के पूर्व एमपीपी, के. प्रभाकर रेड्डी, पूर्व विपणन समिति के अध्यक्ष, शेख हुसैन, पूर्व अस्पताल समिति के अध्यक्ष, टीडीपी राज्य सचिव ओलुदासु कृष्णमूर्ति, दिव्य कुमार रेड्डी और अन्य टीडीपी नेता भी वाईएसआरसीपी में शामिल हुए। राजेश्वरी देवी के साथ जनसेना के अन्य नेता भी वाईएसआरसीपी में शामिल हुए। उनमें पामुला प्रकाश, कंद्रेगुला अनंतबाबू शामिल हैं।

जन सेना जिला सचिव पोथु काशी, डीसीसीबी के पूर्व निदेशक बोंटू जवाहरलाल, पूर्व एमपीटीसी जी. प्रभुवर्मा, वाई. नागराजू, और चिलकापति श्रीनु शामिल हैं। जन सेना विजयवाड़ा टाउन के उपाध्यक्ष वेन्ना शिवशंकर, पश्चिम डिवीजन निर्वाचन क्षेत्र के अध्यक्ष शेख अमीर बाशा, पी. श्रीनिवास राव, एस. रामुगुप्ता और अन्य नेता भी वाईएसआरसीपी में शामिल हुए।इस बीच, वाईएसआरसीपी एमएलसी शेख मोहम्मद इकबाल बुधवार को टीडीपी में शामिल हो गए। टीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने उनका पार्टी में स्वागत किया। पिछले हफ्ते सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी ने वाईएसआरसीपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने विधान परिषद के सदस्य पद से भी इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल मार्च 2027 में समाप्त होना था। रायलसीमा रेंज के पूर्व महानिरीक्षक 2018 में वाईएसआरसीपी में शामिल हुए थे। उन्होंने हिंदूपुर निर्वाचन क्षेत्र में अभिनेता और टीडीपी नेता बालकृष्ण के खिलाफ वाईएसआरसीपी उम्मीदवार के रूप में असफल चुनाव लड़ा था। 2019 में वाईएसआरसीपी के सत्ता में आने के बाद इकबाल को एमएलसी बनाया गया। वह कथित तौर पर हिंदूपुर से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में वाईएसआरसीपी द्वारा टिप्पेगौड़ा नारायण दीपिका को चुने जाने से नाखुश थे। कुरनूल जिले के रहने वाले इकबाल ने अविभाजित आंध्र प्रदेश में पुलिस विभाग में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया। उन्होंने 1995 और 2000 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल में एन चंद्रबाबू नायडू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्य किया था।

# आम चुनाव: पहले चरण के शीर्ष दस अमीर प्रत्याशियों की कुल सम्पत्ति 2664 करोड़

**नई दिल्ली 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

लोकसभा चुनाव-2024 के पहले चरण के लिए चुनावी मैदान में उतरे दस सबसे अमीर उम्मीदवारों की कुल धन- सम्पत्ति करीब 2664 करोड़ रुपये है। पहले चरण में कुल 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 102 सीटों के लिए 1625 प्रत्याशी मैदान में हैं। चुनाव आयोग के नियामों के अनुसार प्रत्याशियों को अपने नामांकन पत्र के साथ अपने तथा अपने परिवार की चल-अचल सम्पत्तियों का विवरण दाखिल करना होता है। इन विवरणों के अध्ययन के आधार पर एसोसिएशन ऑफ डेमॉक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार पहले चरण के चुनाव के सबसे धनी प्रत्याशियों में शीर्ष पर कांग्रेस के नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र एवं सांसद नकुल नाथ हैं। मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे नकुल नाथ ने परचे के साथ करीब 717 करोड़ रुपए चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा दिया है।

कुल सात चरणों के आम चुनाव में पहले चरण के लिए मतदान 19 अप्रैल को होना है। इस समय चुनावी सरगर्मियों तेजी पर हैं। पहले चरण के शीर्ष दस अमीर उम्मीदवारों में तीन उम्मीदवार कांग्रेस के, चार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के, दो अन्नाद्रमुक के और एक उम्मीदवार बहुजन समाज पार्टी का है।

छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ रहा है। एक छोटी अवधि को छोड़ कर 1952 से इस सीट पर कांग्रेस का नियंत्रण है। इस सीट पर 1997 में भाजपा को कामयाबी मिली

थी, लेकिन 1998 में मध्यावधि चुनाव में यह सीट फिर कांग्रेस के पास आ गयी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल नाथ ने 1998 से 2019 तक इस सीट पर कब्जा बरकार रखा। वर्ष 2019 में कमल नाथ के पुत्र नकुल नाथ मोदी लहर के बीच भी इस सीट पर कांग्रेस का झंडा ऊंचा रखा।

दस अमीरों में दूसरे नंबर पर तमिलनाडु के इरोड से अन्नाद्रमु के अशोक कुमार हैं, जिन्होंने 662 करोड़ रुपये की संपत्ति अपने नामांकन पत्र में दर्शायी है। तीसरे स्थान पर शिवगंगा से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार देवनाथन यादव टी के पास 304 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति है। टिहरी गढ़वाल से चुनाव लड़ रही भाजपा की माला राज्य लक्ष्मी शाह चौथे नंबर पर हैं, उनके पास 206 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति है। सुश्री शाह के बाद पांचवें स्थान पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के माजिद अली हैं, जिनके पास 159 करोड़ रुपये की संपत्ति है। तमिलनाडु के वेल्लूर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार एसी षणमुगम के पास करीब 153 करोड़ रुपए की संपत्ति है। जो छठे स्थान पर हैं। सातवें स्थान पर तमिलनाडु के कृष्णागिर से अन्नाद्रमुक उम्मीदवार जयप्रकाश वी के पास 135 करोड़ की चल-अचल संपत्ति है। इसके अलावा आठवें स्थान पर मेघालय के शिलोंग (सु.) निवार्चन क्षेत्र के कांग्रेस उम्मीदवार विंसेंट एच पाला ने 125 करोड़ से अधिक की संपत्ति नामांकन पत्र में दर्शायी है। राजस्थान के नागौर से भाजपा उम्मीदवार ज्याति मिर्घा के पास 102 करोड़ से अधिक की चल-अचल संपत्ति है। तमिलनाडु के शिवगंगा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार एवं पूर्व वित्त मंत्री कार्ति चिदंबरम के पास 96 करोड़ से अधिक की संपत्ति है, जिनका नाम दसवें स्थान पर है।

एडीआर ने विश्लेषण में चुनाव के पहले चरण में सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले उम्मीदवारों के बीच महत्व-पूर्ण धन असमानताओं पर प्रकाश डाला है। इस चरण में लगभग 28 प्रतिशत उम्मीदवारों करोड़पति हैं। जिनमें प्रत्येक की संपत्ति एक करोड़ रुपये से अधिक है। एडीआर के विश्लेषण से पता चलता है कि प्रमुख दलों में एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाले उम्मीदवार ज्यादा हैं। करोड़पति में राजद के सभी चार उम्मीदवार, अन्नाद्रमुक के 36 में से 35, द्रमुक के 22 में से 21, भाजपा के 77 में से 69, कांग्रेस के 56 में से 49, तृणमूल कांग्रेस के पांच में से चार उम्मीदवार और बसपा के 86 में से 18 उम्मीदवार करोड़पति हैं। आगामी लोकसभा चुनाव सात चरणों में संपन्न होंगे। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा और सभी चरणों के मतदान पूर्ण होने के बाद चुनाव परिणाम 04 जून को घोषित किए जाएंगे।

श्रीराम नवमी उत्सव के उपलक्ष्य में श्री महादेव हनुमान मंदिर, चूड़ी बाजार में श्री सीता राम कल्याण महोत्सव के संबंध में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

# सात लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब जब्त

**पेद्दापल्ली, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** निषेध और उत्पाद शुल्क अधिकारियों ने बुधवार को सुल्तानाबाद मंडल के कटनापल्ली के पास अवैध रूप से संग्रहीत 7 लाख रुपये की भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) जब्त की। आबकारी अधिकारियों के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर उन्होंने कटनापल्ली के बाहरी इलाके में एक बंद चावल मिल पर छापा मारा और अवैध रूप से संग्रहीत शराब पाई।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**

I, SHANTHI RANGANATHAN Spouse of Service No.678037L Ex.Sgt. T M RANGANATHAN, R/o.24-143/10/1, Vimaladevi Nagar, Opp:Aishwarya Towers, Malkajgiri, Hyderabad-500047 have changed my name from **SHANTHI RANGANATHAN** to **SHANTHI MUTHU** vide affidavit dt:10-4-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, ACHKALA NAGESWARAMMA Spouse of Service No.631905S, Ex.Sgt MUTTUMU VENKATA RAMANAIAH, R/o.4-35-495, Madhavram Nagar, Near Allwyn Colony, Kukatpally, Medchal Malkajgiri District, Pincode-500072 have changed my name from **ACHKALA NAGESWARAMMA** to **MUTTUMU NAGESWARAMMA** vide affidavit dt:10-4-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, ANITA IRENE Spouse of Service No.642371S Corporal (Retd) VORUGANTY NAGENDRA KUMAR, R/o.16-2-751/60, A-39, SBH 'A' Colony, Saidabad, Hyderabad-500059 have changed my name from **ANITA IRENE** to **VORUGANTY ANITA** vide affidavit dt:8-4-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, Smt. S. SITALAXMI Spouse of No.153020 Surapaneni Kakuleswara Vara Prasad, R/o.Flat No.23, R&D Defence Enclave, Near Diamond Point, Sikh Village, Secunderabad-500009 have changed my name and DOB from Smt.**S.SITALAXMI**, DOB:**5-5-1942** to **SURAPANENI RAJESWARI**, DOB:**10-7-1947** vide affidavit dt:10-4-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, Service No JC-771652P Rank-Sub Name-Selvaraj M presently residing at EME Depot Bn,C/o 56 APO, Secunderabad R/o H.No-13-164, Kunchu Kattu Vilai Perai, Vilavancode, PO- Pacode District-Kanniyakumari PIN-629168, State-Tamil Nadu have changed my son name from SR ADHARSH to ADHARSH S R add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 10/04/2024.In future, I will be known by ADHARSH S R.

**CHANGE OF NAME**

I, Shalini spouse of Army No.JC779547N Sub/Welder Kartik Kumar Jha, R/o.Unit:844 FD WKSP 654 EME BN C/o.56 APO have changed my name from **SHALINI** to **SHALINI JHA** vide affidavit dt:10-4-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, Service No JC-771652P Rank-Sub Name-Selvaraj M presently residing at EME Depot Bn,C/o 56 APO, Secunderabad R/o H.No-13-164, Kunchu Kattu Vilai Perai, Vilavancode,PO- Pacode District-Kanniyakumari PIN-629168 State-Tamil Nadu have changed my son name from SR AKASH to AKASH S R add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 10/04/2024.In future, I will be known by AKASH S R.

**CHANGE OF NAME**

I, Service No JC-778771N Rank-Nb Sub Name-Sri Kandura Basumatary presently residing at EME Depot Bn,C/o 56 APO, Secunderabad (TS), PIN-500015 have changed my son name from LAKHON BASUMATARY to LAKHAN BASUMATARY add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 10/04/2024.In future, I will be known by LAKHAN BASUMATARY.

# सियासत की पिच पर भी खिलाड़ियों ने किया है कमाल

**नई दिल्ली 10 अप्रैल (एजेंसियां)।**

खेल के मैदान पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सियासत की पिच पर भी अपना जबरदस्त परफॉर्मेंस दिखाते रहे हैं और इस बार के लोकसभा चुनाव में भी अपने जलवे दिखाने में वे पीछे नहीं है। खेल के मैदान से सियासत की पिच पर उतरे खिलाड़ी इस बार 18वीं लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार के रूप में जोर-आजमाइश में लगे हैं। इनमें सबसे अधिक चर्चित एवं अनुभवी नाम कीर्ति आजाद का है जो अलग'अलग राजनीतिक दलों के गलियारों से गुजरते और अपना सिक्का जमाते हुए इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की दुर्गापुर लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के ध्वजवाहक हैं। फिल्म सेलिब्रटीज और खिलाड़ियों को तरजीह देने वाली तृणमूल कांग्रेस ने बेहरामपुर संसदीय सीट से क्रिकेटर युसूफ पठान को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भालाफेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया को राजस्थान की चुरू सीट से टिकट दी है।लोकसभा के चुनावी इतिहास में जीत की तिकड़ी बनाने वाले पूर्व क्रिकेटरों में कीर्ति आजाद और नवज-ोत सिंह सिद्धू के नाम प्रमुख हैं। सात टेस्ट मैच और 25 एकदिवसीय मैच खेल चुके तथा 1983 विश्व कप क्रिकेट में विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे श्री आजाद को एक तरह से राजनीति विरासत में मिली है। उनके पिता भागवत झा आजाद बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री थे।श्री आजाद भाजपा उम्मीदवार के रूप में 1999, 2009 और 2014 के आम चुनाव में बिहार की दरभंगा सीट से सांसद निर्वाचित हुए थे। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के खिलाफ मुखर होने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। वर्ष 2015 में भाजपा ने श्री आजाद को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण

पार्टी से निष्कासित कर दिया। फरवरी 2019 में श्री आजाद कांग्रेस में शामिल हो गये , हालांकि इस साल के लोकसभा चुनाव में महागठबंधन शामिल दलों के साथ सीटों की साझेदारी के तहत उन्हें दरभंगा से टिकट नहीं मिल सका। यह सीट राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के हिस्से में चली गयी। बहरहाल कांग्रेस ने उनको झारखंड के धनबाद लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया , लेकिन यहां से वह चुनाव हार गये और उनकी लगातार जीत का सिलसिला यहीं थम गया। हार के बावजूद श्री आजाज का जलवा कम नहीं हुआ है और 2024 के आसन्न लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें दुर्गापुर संसदीय सीट से उम्मीदवार बनाया है।क्रिकेट के अलावा टेलीविजन कार्यक्रमों के जरिए भी खासी लोकप्रियता बटोरने वाले श्री सिद्धू ने लोकसभा चुनाव में जीत की तिकड़ी लगाने के साथ ही विधानसभा चुनाव में भी जीत का सिक्का जमाया है। वर्ष 2007 में वह पंजाब की अमृतसर सीट से भाजपा की ओर से चुनाव लड़े और जीत हासिल की। बाद में 2007 में एक मामले में तीन साल की सजा होने के बाद उन्होंने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और निचली अदालत के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी, जहां से उन्हें चुनाव लड़ने की इजाजत दे दी गयी। फरवरी 2007 में ही अमृतसर सीट के लिए उपचुनाव हुआ और श्री सिद्धू ने यहां अपना कब्जा बरकरार रखा। वर्ष 2009 के आम चुनाव में भी उन्होंने जीत हासिल की।

बदलते राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच श्री सिद्धू को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल होने से रोकने के लिए अप्रैल 2016 में राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया गया, लेकिन कुछ महीने बाद 18 जुलाई को उन्होंने राज्यसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया। जनवरी 2017 में वह कांग्रेस में शामिल हो गये और अमृतसर पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने। चुनावी परिदृश्य में देश की राजधानी दिल्ली चुनाव के दौरान समूची दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती रही है। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने यहां की पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से पूर्व क्रिकेटर अर्जुन पुरस्कार और पद्मश्री से सम्मानित गौतम गंभीर को चुनाव का बल्ला थमाया था और उन्होंने यहां से जीत हासिल की थी।

रणजी ट्राफी में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले मोहसिन रजा को भी सत्ता का स्वाद चखने का मिला। श्री रजा 2014 में भाजपा में शामिल हुए और दूसरे ही साल पार्टी के प्रवक्ता बनाये गये। वर्ष 2017 में राज्य में योगी आदित्यनाथ की अगुआई में भाजपा की सरकार बनी और वह मंत्री बने। उन्हें विज्ञान, प्रौद्योगिकी,सूचना प्रौद्यागिकी और मुस्लिम वक्फ मंत्रालय दिया गया। पश्चिम बंगाल में क्रिकेट का ग्लैमर फिल्मों और टेलीविजन के ग्लैमर पर हावी रहा। यहां के मशहूर क्रिकेटर लक्ष्मी रतन शुक्ला ने अपने राजनीतिक कैरियर की शुरुआत तृणमूल कांग्रेस से की। श्री शुक्ला ने 2016 में राज्य के हावड़ा उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा और भाजपा की उम्मीदवार रूपा गांगुली को पराजित किया। वह सुश्री ममता बनर्जी सरकार के दूसरे कार्यकाल में खेल एवं युवा मामलों के मंत्री रहे।क्रिकेट जगत की हस्तियों में चुनाव जीतने वालों में चेतन चौहान और मोहम्मद अजहरुद्दीन भी शामिल हैं। श्री चौहान ने दो बार 1991 और 1998 में अमरोहा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता। सैंतालीस टेस्ट मैचों में कप्तानी कर चुके अजहरुद्दीन ने 2009 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से कांग्रेस की ओर से चुनाव जीता । क्रिकेटर मोहम्मद कैफ चुनावी पारी के लिए 2009 में कांग्रेस की टीम की ओर से फूलपुर की पिच पर उतरे थे, लेकिन यहां वह क्लीन बोल्ड हो गए। चुनाव के मैदान पर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के महारथियों का भी कोई सानी नहीं रहा। पूर्व ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी असलम शेर खान ने मध्यप्रदेश के बैतूल लोकसभा सीट से चार बार चुनाव लड़ा था, जिसमें दो में जीते और दो चुनाव हारे। श्री खान ने 2004 में भोपाल से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और 2009 में सागर से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों बार उन्हें शिकस्त मिली।

हॉकी के ही अन्य प्रसिद्ध खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की 2012 में बीजू जनता दल की ओर से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए। निशानेबाज पूर्व ओलंपियन एवं पद्मश्री राज्यवर्धन सिंह राठौर राजनीति पर अपना लक्ष्य साधते हुए 2013 में भाजपा में शामिल हो गये। वर्ष 2014 में वह जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े और सांसद निर्वाचित हुए। वह केंद्र सरकार में सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री बनाये गये। नौ नवम्बर 2017 को उन्हें खेल मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया और दूसरे साल मई 2018 में सूचना एवं प्रसारण मंत्री का स्वतंत्र प्रभार दिया गया।डिस्कस थ्रो की नामचीन हस्ती दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण पदक प्राप्त तथा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कृष्णा पुनिया को राजनीति में कांग्रेस का साथ रास आया।

### भाजपा ने उम्मीदवारों की 10वीं सूची जारी की

# टीएमसी के शत्रुघ्न से लड़ेंगे भाजपा के अहलूवालिया

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की 10वीं सूची जारी कर दी है। सूची में नौ उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया गया है। सूची में चंडीगढ़ के अलावा उत्तर प्रदेश की सात और पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवार का ऐलान किया गया है।

चंडीगढ़ से मौजूदा सांसद किरण खेर का टिकट काट दिया गया है। यहां से उनकी जगह पार्टी ने संजय टंडन पर भरोसा जताया है। टंडन चंडीगढ़ भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा आसनसोल से पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएस अहलूवालिया को उम्मीदवार बनाया गया है। यहां से पहले पार्टी ने भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को टिकट दिया था। टिकट मिलने के 24 घंटे के अंदर ही पवन सिंह ने चुनावी मैदान से कदम पीछे खींच लिए थे। अहलूवालिया का मुकाबला टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा से होगा। अहलूवालिया पिछले लोकसभा चुनाव में राज्य की बर्धमान दुर्गापुर सीट से जीते थे। भाजपा ने इस बार

## रीता बहुगुणा, किरण खेर समेत कई का टिकट कटा

यहां से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को टिकट दिया है। सूची में सात उम्मीदवार उत्तर प्रदेश के हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के खिलाफ जयवीर सिंह भाजपा उम्मीदवार होंगे। इसके अलावा बलिया से पार्टी ने नीरज शेखर को उम्मीदवार बनाया है। शेखर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे हैं और फिलहाल राज्यसभा सांसद हैं। यहां से मौजूदा सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त का टिकट काट दिया गया है। प्रयागराज जिले की दोनों सीटों पर उम्मीदवार बदल दिए गए हैं। मौजूदा सांसद रीता बहुगुणा जोशी और केसरी देवी पटेल को टिकट नहीं दिया गया है। इलाहाबाद सीट से नीरज त्रिपाठी को मौका दिया गया है। नीरज भाजपा के दिग्गज नेता रहे केशरी नाथ त्रिपाठी के बेटे हैं। केशरी नाथ पूर्व राज्यपाल और यूपी विधानसभा के अध्यक्ष रहे थे। जिले की फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण पटेल को उम्मीदवार बनाया गया है। प्रवीण अभी फूलपुर से विधायक हैं।

कौशांबी लोकसभा सीट से पार्टी ने एक बार फिर विनोद सोनकर को टिकट दिया गया है। सोनकर यहां से मौजूदा सांसद हैं। इसके अलावा मछलीशहर से मौजूदा सांसद बीपी सरोज को उतारा गया है। वहीं, गाजीपुर सीट से पारस नाथ राय को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। पारस का मुकाबला 2019 में बसपा के टिकट से जीते अफजाल अंसारी से होगा, अफजाल इस बार सपा के टिकट पर यहां से मैदान में हैं।

### अरुणाचल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणा-पत्र जारी

# पहले जहां उग्रवाद था, वहां अब विकास की बहार है

**ईटानगर, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने घोषणा-पत्र जारी किया है। 19 अप्रैल को पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने हैं। घोषणा पत्र जारी करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जो क्षेत्र पूरी तरह से उग्रवाद, हिंसा, हत्याओं और बंद संस्कृति के लिए जाना जाता था, वह राज्य अब विकास की राह पर तेजी से अग्रसर है। मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कार्यों से प्रदेश में तेजी से प्रगति हुई है।

जेपी नड्डा ने कहा कि दशकों तक उपेक्षित रहे पूर्वोत्तर में 2014 के बाद से ही बड़ा बदलाव आया। यह क्षेत्र अब प्रगति, विकास और समृद्धि के लिए पहचान बनाने लगा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार बिजली, पर्यटन, इंटरनेट, कनेक्टिविटी, कृषि और खेल समेत कई क्षेत्रों में पूर्वोत्तर राज्यों के विकास के लिए काम कर रही है। पूर्वोत्तर राज्यों के भाजपा के घोषणा-पत्र में मजबूत बुनियादी ढांचे, महिला सशक्तिकरण, रोजगार और जवाबदेह शासन के निर्माण का वादा किया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार रोडवेज, रेलवे और वायुमार्ग क्षेत्रों में परियोजनाओं को लागू करके राज्य में मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और एकीकृत ढांचागत विकास को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों के लिए अरुणाचल प्रदेश गति शक्ति मास्टर प्लान लॉन्च करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा घोषणापत्र में किए गए वादों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने जो वादा किया था वह पहले ही कर चुके हैं और जो वादा नहीं किया था वह भी पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा पूर्वोत्तर को प्राथमिकता देते हैं। पिछले 10 वर्षों में उन्होंने इस क्षेत्र को अन्य क्षेत्रों के बराबर लाने के लिए कई पहल की हैं।

### सीमापार आतंकवाद को लेकर कई देशों के साथ हुई अहम बैठक

# सीमापार आतंकवाद पर विश्व जनमत जुटा रहा भारत

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** सीमापार आतंकवाद को लेकर भारत पूरी सक्रियता से विश्व जनमत तैयार करने और इस मसले पर सबका साथ लेने की पहल कर रहा है। इस मसले पर भारत की कई देशों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें हुई हैं। भारत और कजाखस्तान के बीच आतंकवाद संबंधी चुनौतियों को लेकर अहम बैठक हुई, जिसमें दक्षिण एशिया में सीमापार आतंकवाद, राज्य प्रायोजित आतंकवाद और अफगानिस्तान-पाकिस्तान से इतर क्षेत्रों में आतंकवाद के मुद्दे पर भी बात हुई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। बैठक कजाखस्तान के अस्ताना में हुई। भारत की तरफ से इस बैठक का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव केडी देवल ने किया। कजाखस्तान के दल का नेतृत्व कजाखस्तान के विदेश मंत्रालय के राजदूत तलगत कालियेव ने किया। यह दोनों देशों के संयुक्त कार्यसमूह के बीच इस साल आतंकवाद के मुद्दे पर पांचवीं बैठक थी।

दूसरी बैठक भारत और लक्जमबर्ग के विदेश विभाग के बीच हुई। यह बैठक मंगलवार को दिल्ली में हुई। इस बैठक में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ ही

## इज़राइल में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भारत सतर्क

भारत-यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते के आपसी फायदों पर भी बात हुई। दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग पर दोनों देशों ने खुशी जताई, साथ ही वित्त, स्टील, अंतरिक्ष, आईटी, इनोवेशन, स्टार्टअप, मैनुफैक्चरिंग, स्वास्थ्य, अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों के बीच जलवायु परिवर्तन से मिलकर निपटने की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। भारत की तरफ से इस बैठक का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने और लक्जमबर्ग की तरफ से वहां के विदेश विभाग के महासचिव जीन ओलिंगर ने किया। इज़राइल में भी भारत के राजदूत संजीव सिंगला ने बुधवार को इज़राइल के श्रम मंत्री याओव बेन जुर से मुलाकात की। इस बैठक में द्विपक्षीय संबंधों और इज़राइल में काम कर रहे भारतीय कामगारों की सुरक्षा के मुद्दे पर बातचीत हुई। भारतीय कामगारों का पहला जत्था दोनों देशों की सरकारों के बीच हुई समझौते के तहत इज़राइल पहुंच गया है। भारत सरकार ने इज़राइल सरकार से भारतीय कामगारों की सुरक्षा को गंभीरता से लेने की अपील की थी। कुछ समय पहले हरियाणा के रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 10 हजार भारतीय कामगारों को इज़राइल भेजने की भर्ती की शुरुआत हुई थी। बीती 4 अप्रैल को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि इज़राइल में 4 हजार भारतीय कामगार मौजूद हैं। इज़राइल स्थित भारतीय दूतावास इन कामगारों के लगातार संपर्क में है और उनकी सुरक्षा को लेकर अलर्ट है।

Belated Happy Birthday

निशा अग्रवाल

निशा अग्रवाल
धर्मपत्नी
मयूर अग्रवाल
( पुत्रवधु : श्री गोपाल अग्रवाल-श्रीमती पुष्पा अग्रवाल)
को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

मिले वो जो आपकी नजर को तलाश हो, हर सुबह के साथ एक नया एहसास हो, जिंदगी का हर लम्हा पसंद आये आपको, जिंदगी गुजरे ऐसे की हर पल खुशियों से मुलाक़ात हो।

शुभकामनाओं सहित
नथमल सुरेश कुमार बसईवाले
महिन्द्रा हिल्स, सिकंदराबाद

Sejal Retail Avenues

### भाजपा को राजद के खिलाफ मिला बड़ा मुद्दा

# नवरात्र में तेजस्वी खा रहे मछली

## जैसे सावन में मटन बना रहे थे लालू

**पटना, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** पिछली बार सावन में लालू प्रसाद यादव ने राहुल गांधी को घर पर बुलाकर मटन पार्टी दी थी, जिसकी खूब चर्चा हुई थी। अब चैत्र नवरात्र के दौरान तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी एक साथ मछली पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं। अब यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है। इंडी गठबंधन ने भाजपा को एक मुद्दा दे दिया है। तेजस्वी यादव ने खुद ही अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें हेलीकॉप्टर के अंदर वे वीआईपी पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ लंच कर रहे हैं। इस दौरान मुकेश सहनी यह बता रहे हैं कि वह चेचरा मछली और रोटी खा रहे हैं। साथ में मिर्च और प्याज भी है।

वीडियो में तेजस्वी कह रहे हैं कि आप लोग देख रहे हैं कि हम अभी मुकेश सहनी के साथ हैं। दिनभर हमलोग प्रचार किए हैं। हम लोगों को अब यही 10-15 मिनट मिला है कि हम लोग लंच कर सकें। आज मुकेश जी खाना लाए हैं, मछली लाए हैं जो बहुत ही स्वादिष्ट मछली है। मछली दिखाते हुए कह रहे हैं कि एक कांटे का मछली है। बहुत ही स्वादिष्ट खाना है। साथ में रोटी है, नमक है, प्याज है और हरी मिर्च है। यही मौका मिलता है जब हमलोग 10-15 मिनट का खाना खा सकें। मुकेश जी को मछली खिलाने के लिए धन्यवाद।

इस दौरान मुकेश साहनी ने कहा कि ये मछली मिथिलांचल में कोसी नदी में पाई जाती है। इसे चेचरा मछली कहते हैं। जो भी समय मिल रहा है उस दौरान हम हेलिकॉप्टर में ही लंच कर ले रहे हैं। मुकेश सहनी ने बिना नाम लिए भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि हमारा और तेजस्वी जी का यह वीडियो देखने के बाद कुछ लोगों को बहुत मिर्ची लगेगा, तो उनको मिर्ची न लगे इसलिए वो मिर्ची हमसे मांग लें। हम लोग निश्चित रूप से सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं।

### कलकत्ता हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश

# संदेशखाली कांड की जांच सीबीआई करेगी

**कोलकाता, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** पश्चिम बंगाल में हुए संदेशखाली कांड को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। हाईकोर्ट ने संदेशखाली में महिलाओं पर हुए अत्याचार और जमीन कब्जाने के मामलों की जांच सीबीआई को सौंप दिया है। संदेशखाली में ईडी के अधिकारियों पर हुए हमले की जांच भी सीबीआई द्वारा ही की जा रही है। संदेशखाली कांड का सरगना टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके गुर्गे जेल में हैं। शाहजहां शेख ईडी टीम पर हुए कातिलाना हमले का भी मास्टरमाइंड है।बुधवार को अपने आदेश में कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोर्ट की निगरानी में संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध, जमीन कब्जाने जैसे आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया। बीते गुरुवार को उच्च न्यायालय ने संदेशखाली की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने संदेशखाली में हिंसा के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करे। कोर्ट ने कहा था कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि यहां 100 फीसदी जिम्मेदारी सत्तारूढ़ सरकार की है। अगर किसी नागरिक की सुरक्षा खतरे में है तो सरकार जिम्मेदार है। अगर पीड़ित पक्ष की वकील जो भी कह रही हैं, उसमें एक फीसदी की भी सच्चाई है तो यह बेहद शर्मनाक है।संदेशखाली में स्थानीय महिलाओं ने आरोप लगाए थे कि स्थानीय टीएमसी नेताओं ने जबरन उनकी जमीन पर कब्जा कर रखा है। कुछ महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर दुष्कर्म के गंभीर आरोप भी लगाए। इस मुद्दे पर बंगाल की राजनीति में उबाल आ गया था। दरअसल संदेशखाली मामले का मुख्य आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां शेख है। शाहजहां शेख ईडी टीम पर हमले का भी आरोपी है। साथ ही बंगाल के राशन घोटाले में भी उसका नाम है। यही वजह है कि भाजपा ने इस मुद्दे पर टीएमसी सरकार को घेर लिया और सरकार पर आपराधिक तत्वों को शह देने का आरोप लगाया। साथ ही भाजपा ने राज्य पुलिस पर भी पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने के आरोप लगाए। भारी दबाव के बाद बंगाल पुलिस ने बीती 29 फरवरी को मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को गिरफ्तार किया। हाईकोर्ट में मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई। ऐसे में हाईकोर्ट के आदेश के बाद शाहजहां शेख को सीबीआई को सौंप दिया गया।

# केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़क पर उतरी भाजपा

**नई दिल्ली, 10 अप्रैल (एजेंसियां)।** दिल्ली भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। बताया जा रहा है कि इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को चोट लग गई। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

इससे पहले उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। जिसके बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।आपा नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हाईकोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने पर कहा, हम सुप्रीम कोर्ट गए हैं। हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से न्याय जरूर मिलेगा। संजय सिंह के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से राह दिखाई, उसी तरह से अरविंद केजरीवाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट कोई नई राह दिखाएगा। इससे पहले हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संजय सिंह की जमानत याचिका भी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। उनकी याचिका खारिज करने के दौरान हाईकोर्ट ने वहीं बातें बोली थीं जो मंगलवार को केजरीवाल की याचिका खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कही हैं। मगर जब संजय सिंह हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए तो उनकी जमानत हो गई।उधर, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, महंगे-महंगे वकीलों पर करोड़ों रुपए खर्च करके अरविंद केजरीवाल माहौल तो बना सकते हैं लेकिन सच्चाई नहीं बदल सकते। सच्चाई ये है कि अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाले में चोरी की है। केजरीवाल को 21 मार्च को दिल्ली आबकारी नीति 2021 से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्हें दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उन्हें 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया।

# तेलंगाना में तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश के आसार

**हैदराबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान गरज-चमक के साथ 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केन्द्र (आईएमडी) ने बताया कि राज्य के आदिलाबाद, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल और निजामाबाद, जगतियाल, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों में अगले गुरुवार से रविवार तक गरज - चमक के साथ हवाएं चलने का अनुमान है।तेलंगाना के अलग-अलग स्थानों पर अगले सात दिनों में हल्की से मध्यम वर्षा या गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। राज्य में एक या दो स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान वर्षा हुई और मंगलवार को मेडक में सबसे अधिक तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

## गर्भवती महिला की मौत, परिजनों ने नर्स पर लगाया लापरवाही का आरोप

**आदिलाबाद, 10 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सिरिकोंडा मंडल के पोन्ना एक्स रोड्स गांव की 25 वर्षीय गर्भवती महिला विमला बाई की बुधवार को राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)-आदिलाबाद ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। विमला के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि इकोडा मंडल केंद्र में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की एक हेड नर्स 8 महीने की गर्भवती महिला की मौत के लिए जिम्मेदार थी। उनका आरोप है कि महिला को प्रसव पीड़ा होने पर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था, जहां पर नर्स ने इलाज में लापरवाही बरती।परिजनों ने नर्स पर रिम्स जाने की सलाह देने का भी आरोप लगाया और कहा कि महिला को मेडिकल संस्थान में शिफ्ट करने में लगा समय उसके लिए घातक साबित हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.